# दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 अंक 124 पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 01 फरवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए


## टी-20 सीरीज: भारत ने न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया

103 रन
42 गेंद
06 चौके
10 छक्के

## ईशान का 42 गेंदों में शतक

**तिरुवनंतपुरम, जेएनएन।** टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम में लंबे समय बाद वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के बल्ले से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मैच में 42 गेंदों में शतकीय पारी खेली। भारत ने आखिरी मैच 46 रन से जीतकर सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ईशान भारत की तरफ से रोहित शर्मा के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जो वनडे में दोहरा शतक लगाने के बाद टी20 इंटरनेशनल में शतकीय पारी खेली। ईशान मुकाबले में 43 गेंदों का सामना कर 103 रनों की पारी खेली। ईशान ने शतकीय पारी के दौरान 6 चौके, 10 छक्के जड़े। पांचवें टी20 मैच में किशन ने 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया।

*( विस्तृत खबर पेज-10 पर )*

### बजट 2026: व्यापार घाटा कम करने और विकसित भारत के लक्ष्य पर हो सकता है फोकस

# टैक्स स्ट्रक्चर में बदलाव की संभावना कम

**नई दिल्ली, जेएनएन।** आम बजट 2026 को केवल पैसों के आवंटन तक सीमित नहीं माना जा रहा है। यह बजट देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है।

इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़े संकेत देते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ रही है। ऐसे में बजट का मुख्य फोकस आर्थिक गति को और तेज करने पर रहेगा। यह बजट पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने वाला माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 से नई टैक्स व्यवस्था में पहले ही बड़े बदलाव किए जा चुके हैं। कुछ श्रेणियों के करदाताओं के लिए टैक्स-फ्री इनकम की सीमा 7 लाख से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है। इन बदलावों को देखते हुए बजट 2026 में टैक्स स्ट्रक्चर में किसी बड़े फेरबदल की संभावना कम मानी जा रही है।

*सस्ते हो सकते हैं सोना-चांदी, घट सकती है ड्यूटी: पेज- 12 पर*

### बजट को लेकर खास बातें

- 'बजट' शब्द संविधान में नहीं है। संविधान में 'बजट' को आर्टिकल 112 के तहत सिर्फ 'एनुअल फाइनेंशियल स्टेटमेंट' के तौर पर बताया गया है, जिसमें रेवेन्यू, खर्च की आउटलाइन है।
- पहली बार 2026-27 का यूनियन बजट रविवार, 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। पहले बजट वर्किंग डेज में पेश किए जाते थे। 1999 में 28 फरवरी को रविवार को पड़ा तो वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने एक दिन पहले 27 फरवरी को बजट पेश किया। हालांकि, तब बजट फरवरी के आखिरी दिन पेश किया जाता था।
- पहला 'इंडियन बजट' संविधान से पहले का है। बजट कॉन्सेप्ट ब्रिटिश राज में शुरू हुआ। 7 अप्रैल, 1860 को ईस्ट इंडिया कंपनी के जेम्स विल्सन ने ब्रिटिश क्राउन के सामने पहला बजट पेश किया।
- आजाद भारत का पहला बजट नवंबर में पेश किया गया। 26 नवंबर 1947 को आरके शानमुखम चेट्टी ने बजट पेश किया जिसमें कुल खर्च सिर्फ 197 करोड़ था, जिसमें से आधा हिस्सा नए आजाद देश को स्थिर करने रक्षा पर खर्च किया था।
- 1999 तक, बजट शाम 5 बजे पेश किया जाता था। यह कॉलोनियल-युग का समय था, जिससे डॉक्यूमेंट प्रिंट करने वाले अधिकारियों को तैयारी के लिए रात भर का समय मिल जाता था। तब घोषणाओं को यूके के काम के घंटों के साथ जोड़ा जाता था। भारत का टाइम जोन, हमारे घंटे और ब्रिटिश समर टाइम से 30 मिनट आगे, यह पक्का करता था कि बजट बिजनेस के घंटों के दौरान लंदन पहुंचे। 1999 में अटल सरकार में वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट पेश करने का समय सुबह 11 बजे कर दिया।
- 2017 तक बजट फरवरी के आखिरी दिन आता था। हालांकि, 2017 में तारीख को आसान बनाने 28 फरवरी से 1 फरवरी कर दिया गया। संसदीय प्रक्रिया और 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत से लागू करने में मदद करना वजह रही।
- ब्रिटिश राज में बजट और डॉक्यूमेंट्स सिर्फ इंग्लिश में होते थे। 1955 में, वित्त मंत्री सीडी देशमुख ने पहली बार हिंदी का भी इस्तेमाल किया।
- 2019 से, बजट डॉक्यूमेंट्स को संसद में पारंपरिक 'बही खाता' (लाल लेजर) में ले जाया जाता है, न कि कॉलोनियल ब्रीफकेस में, जो भारत की वित्तीय अभ्यास में कल्चरल पहचान का सिंबल है। लाल कपड़े का फोल्डर, जिस पर नेशनल एम्बलम बना होता है, देश की अपनी अकाउंटिंग ट्रेडिशन को दिखाता है। 2021 से, इसका इस्तेमाल सरकार के पेपरलेस बजट की तरफ कदम बढ़ाने के हिस्से के तौर पर एक डिजिटल टैबलेट ले जाने के लिए किया जा रहा है।

### आज 11 बजे से बजट पेश करेंगी निर्मला

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को लोकसभा में वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह पहली बार होगा, जब केंद्रीय बजट रविवार को पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट भाषण सुबह 11 बजे संसद में शुरू होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भाषण लोकसभा में देंगी। उनका भाषण करीब 60 से 90 मिनट तक चल सकता है। बजट भाषण के बाद इससे जुड़े सभी दस्तावेज लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में पेश किए जाएंगे। इसे टीवी पर दूरदर्शन संसद टीवी पर लाइव देखा जा सकेगा। प्रसारण भाषण शुरू होने से कुछ देर पहले शुरू हो जाएगा। भाषण को ऑनलाइन भी सुबह 11 बजे से लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### बलूचिस्तान में 12 जगहों पर बलूचों का हमला

**क्वेटा, जेएनएन।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में चार पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक सीनियर अफसर ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है। बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' नाम दिया है। हमले के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है। इन हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है।

### सजा देना पुलिस का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

**प्रयागराज, जेएनएन।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उप्र में बढ़ती पुलिस मुठभेड़ों, खासकर आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें 'एनकाउंटर' बताने की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई है। प्रयागराज में जस्टिस अरुण कुमार देशवाल की सिंगल बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस कानून से ऊपर नहीं है और अपराधी को सजा देना न्याय पालिका का काम है, न कि पुलिस का। अदालत ने कहा कि प्रमोशन, वाहवाही या सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के लिए गोली चलाने की प्रवृत्ति न केवल गलत बल्कि खतरनाक भी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी के शरीर के किसी गैर-जरूरी हिस्से पर गोली मारना भी कानूनन अस्वीकार्य है। किसी भी एनकाउंटर में यदि फायरिंग या गंभीर चोट होती है तो सख्त नियम स्वतः लागू होंगे। हाईकोर्ट ने पुलिस के लिए 6-पॉइंट गाइडलाइंस जारी करते हुए इनके पालन को अनिवार्य बताया और सुप्रीम कोर्ट के पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र मामले में तय दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया।

# महाराष्ट्र की पहली महिला उप मुख्यमंत्री बनीं सुनेत्रा

### अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी ने ली शपथ

**मुंबई/बारामती, जेएनएन।** अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एनसीपी विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी सीएम की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। अजित की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी सीएम पद खाली हो गया था। सुनेत्रा को मुंबई के लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस मौके पर मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री हैं और वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए मेहनत करेंगी तथा दिवंगत अजित पवार के सपनों को साकार करेंगी।

**शपथ में नहीं पहुंचे शरद पवार**

**अजीत दादा के सपनों को साकार करने ईमानदारी से करूंगी काम : सुनेत्रा**

सुनेत्रा पवार ने शपथ लेने के बाद पहला भावुक ट्वीट किया। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, अजीत दादा ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए पूरी जिंदगी जीने का मंत्र दिया है। मैं उनके सपनों को साकार करने के लिए बिना थके और ईमानदारी से काम करती रहूंगी। सुनेत्रा ने लिखा, आदरणीय अजीत दादा ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए पूरी जिंदगी जीने का मंत्र दिया है। मैं उनके सपनों के न्यायपूर्ण, समानता पर आधारित और विकसित महाराष्ट्र को साकार करने के लिए बिना थके और ईमानदारी से काम करती रहूंगी। इन मुश्किल समय में, महाराष्ट्र के लोगों का प्यार और समर्थन ही मेरी असली ताकत है।

### रस्सी से गला घोंट चेहरे पर ईंट से हमला, पलंग के अंदर छिपाया शव

इंदौर में 13 साल के बच्चे की निर्मम हत्या, एक गिरफ्तार दूसरे की तलाश

**जागरण, इंदौर।** प्रदेश के इंदौर में 13 साल के बच्चे की सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। बच्चे का पहले नॉयलॉन की रस्सी से गला घोंटा फिर चेहरे पर ईंट से हमला कर दिया। आरोपियों ने हत्या छिपाने बच्चे का शव पलंग के अंदर रख कर उसके ऊपर बीमार दादी को सुला दिया। मामले में पुलिस ने एक आरोपी रेहान को पकड़ा है, जबकि दूसरा फरार है। पुलिस बच्चे की हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। वारदात शनिवार को बच्चे के घर से 30 मीटर दूर एक छह मंजिल बिल्डिंग की छत पर की और शव को चौथी मंजिल के फ्लैट में छिपा दिया। एमआईजी टीआई सीबी सिंह के मुताबिक, बच्चा आठवीं में पढ़ता था। पुलिस के अनुसार 13 साल का अली कादरी शुक्रवार शाम घर से कोचिंग के लिए निकला था, जिसके बाद अली लापता हो गया था। देर रात तक नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की और थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

# सीएम का ऐलान, प्रदेश में जल्द ही होंगे 50 मेडिकल कॉलेज

### अत्याधुनिक मशीनों से होगा कैंसर मरीजों का इलाज

**भोपाल/रीवा, जेएनएन।** मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में कैंसर मरीजों का इलाज अत्याधुनिक मशीनों से किया जाएगा। रीवा स्थित श्याम शाह चिकित्सा कॉलेज में स्पेशल कैंसर यूनिट सहित विस्तारीकरण कार्यों का भूमि-पूजन करते हुए उन्होंने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में भी आधुनिक तकनीक से कैंसर उपचार की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 55 वर्षों में प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में तेजी से विस्तार हो रहा है और जल्द ही मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा विंध्य क्षेत्र के विकास का इंजन है, जो पूरे क्षेत्र को गति दे रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट के समय विदेशों में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित वापस लाना सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के लगभग 350 करोड़ रुपए के विस्तारीकरण से नया अस्पताल भवन बनेगा, जिससे 2400 से अधिक बेड की क्षमता होगी। नए भवन में कार्डियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और कैंसर के लिए विशेष यूनिट स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में मेडिकल अंडरग्रेजुएट सीटें बढ़कर 5500 हो गई हैं और आने वाले वर्षों में हर साल 10 हजार डॉक्टर पढ़ाई पूरी कर सेवाएं देंगे। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा के लिए भी सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का महत्व समान है।

### गुढ़ में बनेगा 100 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में 100 एकड़ में नए औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं और देशभर से निवेशक यहां उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को गुढ़ स्थित बाबा भैरवनाथ मंदिर परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

### कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन की मौत की जांच करेगी एसआईटी

**बेंगलुरु, जेएनएन।** बेंगलुरु पुलिस ने शनिवार को बताया कि 57 साल के रियल एस्टेट टाइकून सीजे रॉय की मौत की पूरी और बारीकी से जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। रॉय कंपनी से जुड़े इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तलाशी के दौरान अपने ऑफिस में मृत पाए गए थे। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि एसआईटी को वेस्ट जोन के जॉइंट पुलिस कमिश्नर सी. वामशी कृष्णा लीड करेंगे और साउथ डिवीजन के डीसी लोकेश जगलासर को इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बनाया गया है। कॉन्फिडेंट ग्रुप के फाउंडर और स्लोवाक रिपब्लिक के ऑनरेरी कॉन्सुल डॉ. राय ने कथित तौर पर शुक्रवार को शहर में अपनी फर्म के ऑफिस में सुसाइड कर लिया। कॉन्फिडेंट ग्रुप के एमडी टीए जोसेफ के पुलिस को दिए गए बयान के मुताबिक, रॉय टैक्स अधिकारियों को बयान देने के लिए लैंगफोर्ड रोड ऑफिस गए थे।

# धोखाधड़ी के मामले में अडानी कानूनी नोटिस लेने को तैयार

### ९० दिनों में देना होगा नोटिस का जवाब

**नई दिल्ली, जेएनएन।** अरबपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) से दीवानी धोखाधड़ी के मुकदमे में कानूनी नोटिस लेने को तैयार हो गए हैं। अडानी को ९० दिनों के भीतर मामले को खारिज करने का अनुरोध करने या अपना बचाव पेश करने का मौका मिलेगा।

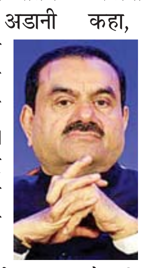

एक अदालती दस्तावेज से यह जानकारी मिली। न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन में एक संघीय अदालत में दायर दस्तावेज के अनुसार एसईसी गौतम और सागर अडानी के अमेरिका स्थित वकीलों ने कहा, वकील नियामक के कानूनी कागजात स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं। इससे न्यायाधीश को अब इस पर फैसला देने की आवश्यकता नहीं होगी कि प्रतिवादियों को नोटिस कैसे तामिल कराया जाए। यह संयुक्त आवेदन (या समझौता) संबंधित अदालत के समक्ष मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया है। यह अमेरिकी कानूनी कार्यवाही में एक मानक प्रक्रियात्मक कदम है, जो मामलों के व्यवस्थित समाधान की अनुमति देता है।

**चर्चा में** — 54 साल पहले एलिजाबेथ टेलर के 5वें पति ने जन्मदिन पर गिफ्ट दिया था डायमंड

# रॉबी ने पहना 400 साल पुराना नूरजहां का हार

**कैलिफोर्निया, जेएनएन।** हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी ने बेगम नूरजहां का 400 साल पुराना नेकलेस (हार) पहना जिसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। वह अपनी आगामी फिल्म 'वुथरिंग हाइट्स' के प्रचार के लिए बुधवार को रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखीं। रॉबी ने लॉस एंजिल्स में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर पर एक शानदार गाउन पहना था।

यह लुक बेहद खूबसूरत और विंटेज स्टाइल का था, लेकिन असली सुर्खियां बटोरीं उनके नेकलेस ने। यह 69.42 कैरेट का हार्ट शेप का टेबल-कट डायमंड है और इसे गोल्ड और रूबी से बनी कार्टियर चेन में सेट किया गया है। इस नेकलेस की कीमत लगभग 8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) बताई जा रही है। यह नेकलेस 54 साल पहले, 1972 में अमेरिकी एक्ट्रेस एलिजाबेथ टेलर के पांचवें पति रिचर्ड बर्टन ने उनके 40वीं जन्मदिन पर गिफ्ट किया था। नूरजहां मुगल साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली बेगम थीं। कहा जाता है कि वह मुगल सम्राट जहांगीर की 20वीं पत्नी थी। उन्होंने 1611 में मुगल सम्राट जहांगीर से शादी की। जहांगीर ने उन्हें पहले नूर महल (महल की रोशनी) और बाद में नूरजहां (दुनिया की रोशनी) का खिताब दिया। वह मुगल इतिहास में इकलौती ऐसी बेगम थीं जिनके नाम पर सिक्के ढाले गए, फरमान जारी किए गए और उन्होंने दरबार में जहांगीर के साथ बैठकर शासन चलाया। नूरजहां मुगल दरबार में फैशन और स्टाइल की रानी मानी जाती थीं। उन्होंने खुद डिजाइनर की तरह काम किया और कई नए फैशन ट्रेंड शुरू किए।

### जहांगीर ने दिया था तोहफा

ताज महल डायमंड की असली कहानी और भी रोचक है। इसे मुगल सम्राट शाह जहांगीर ने अपनी पत्नी नूरजहां को गिफ्ट किया था। यह दिल के आकार का डायमंड 17वीं सदी का है, जिस पर फारसी भाषा में 'प्यार हमेशा बना रहता है' लिखा है। इस पर नूरजहां का नाम भी उकेरा गया है। बाद में यह उनके बेटे शाहजहां के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे अपनी पत्नी मुमताज महल को दिया। मुमताज की मौत के बाद शाहजहां ने ताजमहल बनवाया, जिसके कारण इस डायमंड को ताज महल डायमंड कहा जाने लगा।

### पत्नी के लिए 'ताजमहल' खरीदना चाहते थे रिचर्ड

यह नेकलेस एलिजाबेथ टेलर और रिचर्ड बर्टन की जुनूनी लव स्टोरी का प्रतीक बन गया, जो क्लियोपेट्रा फिल्म के सेट पर शुरू हुई थी। रिचर्ड बर्टन ने मजाक में कहा था, मैं तो ताजमहल खरीदना चाहता था, लेकिन ट्रांसपोर्ट में बहुत खर्चा होता! इसलिए उन्होंने यह डायमंड चुना, जो ताजमहल की लव स्टोरी से जुड़ा है। एलिजाबेथ ने इसे एक बार ऑस्कर में पहना था। 2011 में एलिजाबेथ की मौत के बाद उनकी ज्वेलरी की नीलामी में यह नेकलेस 8.8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपये) में बिका। पैसे एलिजाबेथ टेलर एड्स फाउंडेशन को गए।

## संक्षिप्त खबरें

### राजभाषा को सशक्त बनाने पर हुआ मंथन

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** राजधानी के नवीन आयकर भवन के सभागार में शुक्रवार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की छमाही बैठक हुई। एमपी और सीजी सर्किल के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुमीत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भोपाल स्थित केंद्र सरकार के 38 कार्यालयों के प्रमुख और प्रतिनिधि समेत 80 अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि अब सभी दफ्तरों में हिंदी कार्यशाला का आयोजन कर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा हिंदी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यालयों को वैजयंती शील्ड से सम्मानित किया जाएगा।

### वंदे मातरम से आत्मनिर्भर भारत का सफर है हिंदी

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि वंदे मातरम की भावना से लेकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तक की गौरवशाली यात्रा है। यह बात बीएसएलएन के मुख्य महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान कही। बीएसएनएल के मुख्य कार्यालय में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की थीम पर तैयार कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हुडको की क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. तृप्ति एम. दीक्षित के स्वागत उद्बोधन से हुई। राजभाषा समिति के सचिव आनंद कृष्ण ने इस बैठक में शामिल हुए केंद्र सरकारी के 25 उपक्रमों की छमाही रिपोर्ट भी इस दौरान पेश की। इस आयोजन में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को इनाम भी दिए गए। इस आ?ोजन में प्रथम पुरस्कार एफसीआई और रेल विकास निगम लिमिटेड को मिला जबकि दूसरा पुरस्कार एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑप इंडिया एवं आरईसी लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार- एफसीआई क्षेत्रीय कार्यालय और एमएसटीसी को संयुक्त रूप से दिया गया।

### प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष में सरकार की प्राथमिकता को लेकर गतिविधियां तेज

# मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को दिए टास्क, मिशन मोड में किसानों के हित में काम करने को कहा

**विशेष संवाददाता, भोपाल।** प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के दौरान सरकार और शासन की प्राथमिकता को लेकर राज्य सरकार ने अपनी गतिविधियों को तेज कर दिया है। शनिवार को सीएम डॉ.मोहन यादव ने कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के जरिए अधिकारियों को अपने रोडमैप से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को टास्क देते हुए मिशन मोड में काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जाए। यह सरकार के लिए एक मिशन है। इस दौरान सरकार और शासन की प्राथमिकताएं होनी चाहिए। इसलिए हमें पूर्ण समर्पित भाव से मिशन मोड में बेहद प्रभावकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। किसान रथ चलाये जाएं। इनका शुभारंभ स्थानीय सांसद/विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से ही कराएं। अधिकारी किसानों से विभिन्न स्थानों पर को निरंतर संवाद करें। उन्हें ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अधिकाधिक रकबे/मात्रा में मूंगफली और उड़द की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जलवायु, ऊर्जा एवं सतत् कृषि को बढ़ावा देने के लिए ई-विकास पोर्टल एवं किसानों को संतुलित मात्रा में भी उर्वरकों का उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। आकांक्षी जिलों में चल रही प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। दलहनी और तिलहनी फसलों का उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए हर जरूरी प्रयास किए जाएं। कृषि से जुड़े विभागों और इस क्षेत्र में प्रगतिशील स्वयं सेवी संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर किसानों के कल्याण के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। कृषक कल्याण वर्ष मनाने में किसान कल्याण एवं कृषि विकास के नेतृत्व में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, जल संसाधन, सहकारिता, ऊर्जा, राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित 15 से अधिक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

#### कार्य योजना को फील्ड में बेहतर तरीके से उतारें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के लिये तय की गई कार्य योजना का फील्ड में बेहतर तरीके से अमल किया जाए। इस अवधि में विशेष अभियान चलाया जाए। छोटे-बड़े कार्यक्रम भी किए जाएं। निचले स्तर पर किसानों से सघन सम्पर्क स्थापित किया जाए। सभी हितग्राहियों का सत्यापन एवं सहयोग भी लिया जाए। नए हितग्राहियों का चयन भी इस दौरान किया जाए।

#### पराली/नरवाई जलाने पर सख्ती से अकुंश लगाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अकुंश लगाएं। जिले का नरवाई प्रबंधन प्लान बनाएं। खेतों से निकलने वाली पराली/भूसे का समुचित उपयोग होना चाहिए। फसलों के अवशेष से गोबर से कंपोजिट बायोगैस संयंत्रों की स्थापना की जाए। सभी कलेक्टर्स यह तय करें कि किसानों द्वारा खेत से निकली पराली और भूसा निकटतम छोटी-बड़ी गौशालाओं में ही पहुंचाया जाए। इससे गौवंश को लाभ मिलेगा। डॉ.यादव ने कलेक्टर्स से कहा कि वे अपने जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयास करें। पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर ध्यान देने से होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में जागरूक करें। मत्स्य बीज उत्पादन के लिए जिला स्तर पर अधिकाधिक मत्स्य प्रक्षेत्र विकसित किए जाएं। हर नगरीय निकाय क्षेत्र में फिश पार्लर स्थापित किए जाएं और यह सुनिश्चित करें कि मछली विक्रेता तय फिश पार्लर/मार्केट में ही मछली बेंचे।

# पूर्व स्वास्थ्य संचालक मित्तल की 9.79 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

### कैपिटल गेन बॉन्ड के साथ भोपाल और रायसेन में प्लॉट एवं खेती की जमीन कुर्क

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** स्वास्थ्य विभाग के पूर्व संचालक डॉ. अमरनाथ मित्तल और उनके परिवार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया है। शिनवार को ईडी की भोपाल यूनिट ने जानकारी देते हुए बताया कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई करते हुए डॉ. मित्तल और उनकी पत्नी अलका मित्तल की 9.79 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को अटैच कर लिया है। यह कार्रवाई लोकायुक्त भोपाल द्वारा लगभग 13 साल पहले की गई छापेमारी के बाद उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। इस रेड में डॉ. मित्तल पर पद का दुरुपयोग कर आय के कई गुना अधिक ज्ञा संपत्ति बनाने का खुलासा हुआ था। ईडी ने अपनी जांच में खुलासा किया है कि अपनी नौकरी के दौरान डॉ. मित्तल की कानूनी रूप से कुल आय केवल 60 लाख थी। इस दौरान उन्होंने कुल 2.98 करोड़ खर्च कर संपत्तियां खरीदीं और निवेश किए। जांच में उजागर हुआ कि उन्होंने 2.38 करोड़ की प्रॉपर्टी भ्रष्टाचार के जरिए बनाई थी। डॉ. मित्तल ने काली कमाई को छिपाने अपने अलावा पत्नी अलका मित्तल और एएन मित्तल एचयूएफ ( अविवाहित हिंदू परिवार) के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी, ताकि मालिकाना हक छिपाया जा सके।

#### एफआईआर के बाद भी बेची प्रॉपर्टी, 10 करोड़ की वैल्यू

ईडी की छानबीन में पता चला है कि लोकायुक्त में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्होंने पुरानी संपत्तियों को बेचकर नए निवेश किए। ईडी ने इसे भी अपराध की कमाई मानते हुए नई प्रॉपर्टी को कुर्क किया है। मित्तल ने अपने पद पर रहते हुए संपत्ति खरीदने के लिए बैंक खातों के बजाय कैश का इस्तेमाल किया। इसके अलावा उन्होंने प्रॉपर्टी बेचने से मिली राशि से कैपिटेल गैन बॉन्ड्स में भी भारी-भरकम निवेश किया। यही निवेश बढ़कर अब लगभग 10 करोड़ का हो गया है, जिसे अटैच किया गया है।

#### डॉ. मित्तल की ईडी ने यह संपत्तियां की कुर्क

डॉ. मित्तल ने अघोषित आय को वैध दिखाने के लिए भारी भरकम कैश को निवेश बॉन्ड्स में बदला। इन का उपयोग टैक्स बचाने और फंड को छिपाने के लिए होता है। ईडीस ने करोड़ों रुपए के इन सभी बॉन्ड्स को अपराध की कमाई मानकर कुर्क किया है। इसके अलावा भोपाल के वीआईपी और रिहायशी इलाकों में डॉ. मित्तल और उनके परिवार के नाम पर कई प्लॉट जब्त किए गए हैं। इसके साथ ही भोपाल और उससे सटे रायसेन जिले में खेती की जमीन भी अटैच की गई है। समय के साथ इन जमीनों की मार्केट वैल्यू और री इन्वेस्टमेंट से इस प्रॉपर्टी का वर्तमान मूल्य 9.79 करोड़ तक पहुंच गया है।

# हितानंद की आरएसएस में वापसी नए महामंत्री के लिए अटकलें तेज

### मध्य क्षेत्र के बौद्धिक सह प्रमुख की जिम्मेदारी शर्मा को सौंपी गई

**विशेष प्रतिनिधि, भोपाल।** मध्यप्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की छह साल बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में वापसी हो गई है। शर्मा को मध्य क्षेत्र के बौद्धिक सह प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बड़े प्रशासनिक बदलाव के बाद प्रदेश भाजपा को नया संगठन महामंत्री मिलना तय माना जा रहा है।

हालांकि प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही संगठन महामंत्री बदलने की अटकलें चल रहीं थी। माना जा रहा था कि प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा दोनों की विदाई एक साथ की जाएगी। मगर जुलाई में सांसद वीडी शर्मा की जगह विधायक हेमंत खंडेलवाल प्रदेशाध्यक्ष चुने गए, लेकिन संगठन महामंत्री का फैसला रोक दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष बदलने के बाद भी बड़े प्रशासनिक बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जाती रही हैं। भाजपा के संगठन महामंत्री के पद पर आरएसएस द्वारा ही अपने किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को भेजा जाता है। बताया जाता है कि मध्य क्षेत्र की दो दिनी चली टोली बैठक में शर्मा को सह बौद्धिक प्रमुख की जिम्मेदारी देने तथा भाजपा से वापसी का निर्णय लिया गया। शर्मा को 2020 सह संगठन महामंत्री बनाकर भाजपा में भेजा गया था। दो साल बाद उन्हें सुहास भगत की जगह संगठन महामंत्री बनाया गया था। अपनी सादगी और सख्त अनुशासन के लिए पहचाने जाने वाले हितानंद शर्मा ने सबसे पहले पद संभालते ही 28 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में अपना रणनीतिक कौशल दिखाया। फिर 2023 में पार्टी की प्रचंड जीत के मूर्तिकार साबित हुए। इसके अलावा पांच सालों में उन्होंने पार्टी के अंदर मची कलह को भी बखूबी दूर करने में अहम भूमिका निभाई।

#### यह मानी जा रही वापसी की वजह

लंबा समय उन्हें इस पद पर हो चुका है। शर्मा मूल रूप से अशोकनगर (चंबल क्षेत्र) के हैं। विद्या भारती संगठन से जुड़े रहे हैं। संघ की रीति-नीति में रचे-बसे शर्मा की संगठन में मजबूत पकड़ है। ग्वालियर-चंबल अंचल में खासा नेटवर्क है। भाजपा की मिशन 2028 की तैयारी शुरू हो गई है। बदलाव और जमावट अगले चुनावों को देखकर किए जाना है। फिलहाल कोई बड़ा चुनाव या चुनौती भी सरकार के सामने नहीं है। इसे देखते हुए वरिष्ठ पदाधिकारी को संघ द्वारा नई जिम्मेदारी सौंपना स्वाभाविक है। शर्मा को सह बौद्धिक प्रमुख बनाने के साथ ही मध्य क्षेत्र द्वारा सुरेंद्र मिश्रा पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रचारक, मुकेश त्यागी ग्राहक पंचायत के प्रचारक तथा ब्रजकिशोर भार्गव प्रचारक क्षेत्र गो सेवा प्रमुख बनाए गए हैं।

**नया चेहरा तय नहीं :** हितानंद शर्मा को नई जिम्मेदारी सौंपने के बाद भी भाजपा ने नए संगठन महामंत्री को लेकर निर्णय नहीं लिया है। संघ को ही फैसला लेना है। ऐसे में भाजपा का नया प्रदेश संगठन महामंत्री कौन होगा? यह सवाल सभी कर रहे हैं, लेकिन मामला संघ से जुड़ा होने के कारण किसी नाम पर कोई कयास भी नहीं लगा पा रहा है।

# अब केवल 14 दिन ही हो सकेगी नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई

### 93 सुनवाई केंद्रों की 181 जगहों पर जांचे जा सकेंगे मतदाताओं के दस्तावेज

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के दूसरे चरण में नो मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई चल रही है। 5 जनवरी से जारी सुनवाई के बीच अब तक केवल 49 हजार 965 मतदाताओं की सुनवाई ही हो सकी है। यानि अमले को अगले 14 दिनों में 66 हजार 960 मतदाताओं की सुनवाई करना है। यानि औसतन हर दिन 4783 मतदाताओं की सुनवाई होना है। इन मतदाताओं की सुनवाई को तेज गति से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शहर के 7 विधानसभाओं के सभी सुनवाई केंद्रों सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एईआरओ की संख्या दोगुनी की गई है। अब 93 सुनवाई केंद्रों पर 181 एईआरओ मतदाताओं की समस्याओं का निवारण करेंगे। ताकि 14 दिनों में सभी मतदाताओं की सुनवाई कर सभी के नाम मतदाता सूची में जोड़ दिए जाएं। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के अनुसार मतदाताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए एक भी दस्तावेज को जमा करवाकर वे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। मतदाताओं की सहायता के लिए एईआरओ की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

#### हुजूर में 43 एईआरओ करेंगे सुनवाई

पूर्व में बैरसिया विधानसभा 4 एईआरओ सुनवाई कर रहे थे। अब इनकी संख्या बढ़ाकर 15 कर दी गई है। इसी तरह उत्तर में पहले 14 एईआरओ थे, जो अब 21 हो गए हैं। नरेला में 17 से बढ़कर 26, दक्षिण पश्चिम में 11 से बढ़कर 22, मध्य में 13 की जगह 32, गोविंदपुरा में 17 की जगह 22 और हुजूर में 43 एईआरओ मतदाताओं की सुनवाई करेंगे। बता दें कि हुजूर में 24 हजार 049 मतदाताओं में से 4931 मतदाताओं की ही सुनवाई हो सकी है। जबकि मध्य में 10 हजार 088 मतदाताओं में से 2583 मतदाताओं की सुनवाई हुई है। नरेला में 23 हजार 790 में से 3817 मतदाताओं की सुनवाई हुई है, उत्तर में 10080 में से 9566, बैरसिया में 2134 में से 1318 की सुनवाई हो गई है।

# तीन किस्तों में मिलेगी पीएम आवास की राशि, जितना काम उतना पैसा

### 1.20 लाख की मिलती है मदद, हर बार 40 हजार देगी सरकार

**नगर संवाददाता, भोपाल।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को अब 1.20 लाख रुपए की सहायता राशि तीन किस्तों में दी जाएगी। आवास निर्माण के हर चरण में प्रोग्रेस की जियो टैगिंग करना अनिवार्य होगा। निर्माण के लिए तय लेवल की पुष्टि होने के बाद ही अगली किस्त की राशि जारी की जाएगी। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि राशि का दुरुपयोग न होने पाए। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से पीएम आवास ग्रामीण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को सहायता राशि तीन किस्तों में दिए जाने के संबंध में विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि जिले स्तर पर आवासों की स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि तीन स्टेप में दी जाएगी। इसके लिए आवास सॉफ्ट पोर्टल पर एंट्री पहले ही की जा चुकी है। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि आवास स्वीकृति से पूर्व हितग्राही की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से सत्यापित की जाए। साथ ही पहली किस्त जारी होने के साथ ही मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी भुगतान भी किया जाए।

#### ऐसे मिलेंगी तीन किस्तें

**पहली किस्त:** 40,000 रुपए आवास स्वीकृत होने पर

**दूसरी किस्त:** 40,000 रुपए बेस तैयार होने पर

**तीसरी किस्त:** 40,000 रुपए एक लेवल पूर्ण होने पर

**जियो टैगिंग के बिना नहीं आएगा पैसा:** निर्देशों में कहा गया है कि आवास निर्माण के हर चरण में प्रगति की जियो टैगिंग करना अनिवार्य होगा। तय कंसट्रक्शन लेवल की पुष्टि के बाद ही अगली किस्त की राशि जारी की जाएगी। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि राशि का दुरुपयोग न हो और हितग्राही का आवास समय पर बनकर तैयार हो सके।

### कारोबारी जगत की मांग: इंफ्रा और सराफा सेक्टर को राहत मिलने से बढ़ेगा टैक्स कलेक्शन

# आम बजट में कम की जाएं कमर्शियल टैक्स की दरें

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** आज देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन बजट पेश करेंगी. इस बजट से भोपाल के कारोबारी जगत को भी काफी उम्मीदें हैं। व्यापारियों और उद्योगपतियो ने उम्मीद जताई है कि इस बार बजट स्वदेशी पर फोकस होगा और खासतौर से ई-कॉमर्स और मल्टीनेशनल कंपनियों की चुनौती का सामना करने के लिए स्थानीय व्यापारियों को खास रियायतें दी जाएंगी। भोपाल के औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों ने इस केंद्रीय बजट में जीएसटी और इंपोर्ट ड्यूटी की दरों में कमी, कमर्शियल एरिया में इंफ्रा की मजबूती, इनकम टैक्स स्लैब में सुधार जैसी रियायतें मांगी हैं। व्यापारिक प्रतिनिधियों का दावा है कि करों में कटौती से करदाताओं की संख्या बढ़ती है और इससे सरकार का खजाना भी भरता है।

#### ई-कॉमर्स पर प्रभावी नियंत्रण की जरूरत

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के भोपाल जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने आम बजट से जीएसटी प्रक्रिया में सरलीकरण, अनावश्यक नोटिस एवं दंडात्मक कार्रवाई से राहत और छोटे-मध्यम व्यापारियों को सस्ता, सरल और तत्काल लोन मुहैया कराने की मांग की है। स्वदेशी और स्थानीय व्यापार के लिए बजट में नई प्रोत्साहन नीति, ब्याज में सब्सिडी जैसी व्यवस्थाएं करनेके साथ ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियों पर नियंत्रण किया जाए।बजट में कमर्शियल इन्फ्रा, थोक बाजार का आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स और पार्किंग का प्रवाधान हो।

#### सोने-चांदी पर घटे इंपोर्ट ड्यूटी

भोपाल सर्राफा एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नरेश अग्रवाल ने बजट में सोने और चांदी पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को घटने की उम्मीद जताई है। फिलहाल केंद्र सरकार गोल्ड और सिल्वर पर 6-6 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी वसूल रही है। अग्रवाल की मांग है कि सोने और चांदी के दामों में आई तेजी को देखते हुए इसे घटाकर 4-4 प्रतिशत किया जाना चाहिए। इससे न केवल सर्राफा बाजार में तेजी आएगी, बल्कि ग्राहकी बढ़ने से सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा।

#### स्टील, सीमेंट पर घटे जीएसटी

भोपाल थोक लोहा व्यापारी संघ के अध्यक्ष बलदेव खेमानी को केंद्रीय बजट में कंस्ट्रक्शन से जुड़ी वस्तुओं पर टैक्स का स्लैब घटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फिलहाल सीमेंट और स्टील पर 18 फीसदी जीएसटी वसूल रही है। अगर इसे घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया जाएगा तो इससे इंफ्रा सेक्टर में तेजी आएगी और टैक्स कलेक्शन भी बढ़ेगा। इसके साथ ही जीएसटी में चोरी भी कम हो जाएगी।

#### आवश्यक वस्तुएं हों जीएसटी फ्री

महासचिव, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एमपी अनुपम अग्रवाल ने केंद्रीय बजट से कारोबारियों को बड़ी अपेक्षा होने का दावा करते हुए आवयश्क वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से मुक्त करने की मांग की है। अग्रवाल का कहना है कि बढ़ती हुई मंहगाई की वजह से दैनिक जीवन की वस्तुओं के मूल्यों में भारी वृद्धि होने से खान-पान की वस्तुएं लगातार मंहगी हो रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार जीवन उपयोगी खाद्यान्न और उससे बनी वस्तुओं को पूरी तरह टैक्स फ्री करे।

**नवाचार** | पुलिस विभाग में आज से ऑनलाइन डिजिटल सिस्टम, 1 लाख से ज्यादा लॉगइन एकाउंट

# ऑनलाइन मंजूर होगी छुट्टी, एक क्लिक पर सर्विस रिकॉर्ड

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों के लिए अब साहब के दफ्तर के बाहर अपनी छुट्टी के लिए अर्जी लेकर खड़े होने वाले दिन लद जाएंगे। 1 फरवरी से पुलिस विभाग में डिजिटल व्यवस्था लागू हो गई है। अब सिपाही से लेकर अफसर तक सबको छुट्टी के लिए अपना मोबाइल या कंप्यूटर उठाना होगा। पुलिस में लागू की गई इस नई व्यवस्था का नाम ई-एचआरएमएस है। इसके लागू होने के साथ अब छुट्टी की अर्जी के लिए थानों और दफ्तरों में फाइलें नहीं दौड़ेंगी। प्रदेश में लागू पुलिस का पुराना एचआर सिस्टम 2015 में ही रिटायर हो चुका था, लेकिन उससे अब तक काम चलाया जा रहा था। इस बीच पुलिस ने एमपीएसआईडीसी (इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम) से संपर्क कर नया एचआरएमएस सिस्टम बनाने को कहा था। इसके बाद एमपीएसआईडीसी ने नई सुविधाओं के साथ अपडेटेड सिस्टम तैयार कर दो माह पहले पुलिस को हैंडओवर किया था। इस पर अपडेशन का काम प्रदेश की सभी 122 पुलिस यूनिटों को सौंपा गया था। इसके लिए बकायदा सभी यूनिटो में इंचार्ज बनाए गए हैं, जिन्हें नए सिस्टम की ट्रेनिंग दी गई है। इन नए सिस्टम की खूबी ये है कि इस पर हर पुलिसकर्मी का एक लॉगइन रहेगा जिसका पासवर्ड उसके पास ही रहेगा। कुछ चिन्हित आला अफसरों और मानव संसाधन का काम देखने वाले अधिकृत पुलिसकर्मियों के अलावा ये डाटा स्टाफ ही देख सकेगा और इससे गोपनीयता भी बनी रहेगी।

#### कागजों पर एप्लीकेशन लिखकर देने की जरूरत नहीं

नई व्यवस्था के तहत, प्रदेश के 1 लाख 6 हजार से से अधिक पुलिसकर्मियों का सर्विस डेटा ईएचआरएमएस पोर्टल पर शिफ्ट कर दिया गया है। इसे लागू होने के बाद कागजों पर एप्लीकेशन लिखकर देने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए पुलिसकर्मियों को पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अब नए नियम के तहत छुट्टी की मंजूरी भी ऑनलाइन ही मिलेगी। अवकाश की मंजूरी की जानकारी भी अब फोन पर मैसेज के जरिए ही मिल जाएगी। इसके अलावा पुराना राच्य पुलिस पर्सनल इन्फॉर्मेशन सिस्टम अब रिटायर हो चुका है। उसकी जगह आए इस नए डिजिटल सिस्टम में पुलिसकर्मी अपनी सालाना गोपनीय रिपोर्ट, सजा और इनाम, सर्विस बुक की पूरी डिटेल भी एक क्लिक पर ही देख सकेंगे। इसके अलावा पीएफ एकाउंट को भी इस पोर्टल से लिंक किया गया है, जिससे पीएफ की डिटेल भी तत्काल मिल जाएगी।

#### कर्मचारियों को सीखने में लगेगा समय

पीएचक्यू के अधिकारियों के मुताबिक इस पोर्टल पर प्रदेश के 1 लाख 6 हजार पुलिस स्टाफ का डाटा अपलोडिंग का काम पूरा हो चुका है। 1 फरवरी से ऑनलाइन लीव मैनेजमेंट भी शुरू हो जाएगा। हालांकि इस सिस्टम के लागू होने से परंपरागत तौर पर पुलिसिंग करने वाले उन पुलिस कर्मियो को थोड़ी परेशानी हो सकती है जो आमतौर पर कंप्यूटर की बेसिक जानकारी नहीं रखते हैं। इसके लिए पीएचक्यू ने सभी यूनिटों के इंचार्ज को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्टाफ को इस पोर्टल का उपयोग सिखाने के लिए स्पेशल कैंप या काउंटर बनाएं।

# रिकवरी आदेश निरस्त, ब्याज सहित राशि लौटाने के निर्देश

**जबलपुर।** प्रदेश में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकालने के मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पेंशन अधिकारी नियमित रूप से पीपीओ जारी करते समय वसूली के आदेश पारित करते हैं। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश दिए हैं कि वे सभी जिले के पेंशन अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं। इसके साथ ही न्यायालय ने कहा है कि मुख्य सचिव उक्त आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि भविष्य में अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचा जा सके।

#### हाईकोर्ट ने सीएस से कहा अधिकारियों को न्यायालय के आदेश से अवगत कराएं

जबलपुर निवासी रोहणी प्रसाद पटेल की ओर से दायर मामले में कहा गया कि वे वर्ष 2017 में सब-इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुऐ, सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकाल दी। आवेदक की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह और हाईकोर्ट के जगदीश प्रसाद के प्रकरण में स्पष्ट आदेश हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी नहीं निकाली जा सकती, भले ही सेवा के दौरान अंडरटेकिंग भरी हो। न्यायालय ने याचिकाकर्ता के खिलाफ रिकवरी आदेश निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता से वसूली की गई है तो 6 फीसदी ब्याज के साथ उसे 60 दिन के भीतर लौटाएं।

## नगर में आज

**मातृभाषा समारोह**
- **स्थान:** भेल दशहरा मैदान, गोविंदपुरा
- **समय:** सुबह 9 बजे से

**रियासत से विरासत**
- **स्थान:** दुष्यंत संग्रहालय
- **समय:** शाम 4:30 बजे से

**परिचय सम्मेलन**
- **स्थान:** मानस उद्यान गुफा मंदिर, लालघाटी
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

**बिजनेस नेटवर्किंग समिट**
- **स्थान:** होटल सायाजी
- **समय:** सुबह 10:30 बजे से

**मिलेट्स फूड फेस्टिवल**
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में
- **समय:** 11 बजे से

# तीसरी के छात्र ने अपनी कनपटी पर पिस्टल से मारी गोली

### पिता के बयान और डाक्टरों की राय से पुलिस मान रही खुदकुशी

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** गौतम नगर इलाके में तीसरी कक्षा के छात्र ने कनपटी पर पिस्टल रखकर खुद को गोली मार ली। गोली सिर से आर-पार निकल गई। यह खुदकुशी है या हादसा, पुलिस इसकी जांच में जुटी है। पिता के बयान और डाक्टरों की राय पर पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे खुदकुशी मान रही है। गोली फूफा की अवैध पिस्टल से चली है, जोकि अलमारी में रखी थी। मामले में पुलिस फूफा को आरोपी बनाएगी। शनिवार को पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। गौतम नगर थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि 12 वर्षीय इब्राहिम पिता रिजवान लाला करीम बख्श कालोनी जेपी नगर में रहता था। रिजवान बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई का काम करते हैं। उनके तीन

### फूफा की अवैध पिस्टल से चली गोली, आरोपी बनाएगी पुलिस

बच्चों में इब्राहिम बड़ा बेटा था। वह तीसरी कक्षा में पढ़ाई करता था। शुक्रवार की रात रिजवान किसी काम से घर से बाहर गए थे। देर रात करीब एक बजे उनकी पत्नी छोटी बेटी को दूध पिला रही थीं। इब्राहिम फर्स्ट फ्लोर पर था। तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई। परिजन पहुंचे तो इब्राहिम खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था। पास में पिस्टल पड़ी थी। परिजन तुरंत उसे लेकर कमला नेहरू अस्पताल पहुंचे। जहां वेंटीलेटर पर रखकर उसका इलाज हुआ। इलाज के दौरान शनिवार सुबह 10 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

### पत्नी ने फोन कर बताया- बेटे ने गोली मार ली

जांच में सामने आया कि रिजवान का बहनोई यानी इब्राहिम का फूफा 2-3 माह पहले फर्स्ट फ्लोर में उनके साथ रहता था। अलमारी में उसी की अवैध पिस्टल .32 की रखी थी। इसी पिस्टल से गोली चली है। इधर, पुलिस को पीएम करने वाले डाक्टरों ने बताया कि बच्चे की कनपटी पर कार्बन कण ज्यादा मात्रा में मिला है, इससे लगता है कि उसने कनपटी से सटाकर पिस्टल चलाई है। यह खुदकुशी लग रही है। मृतक के पिता रिजवान ने पुलिस को बताया कि घटना के वक्त घर में नहीं था। उसकी पत्नी ने फोन कर बताया था कि इब्राहिम ने खुद को गोली मार ली है। पुलिस इस मामले को खुदकुशी मान रही है।

### पिता को था बंदूकों का शौक, लेकिन बेच दी

एसीपी राकेश बघेल का कहना है कि बच्चे के पिता को भी बंदूक व पिस्टल रखने का शौक है। उसके पास लायसेंसी बंदूक व पिस्टल थी, जिसे उसने बेच दिया था। जिस पिस्टल से बच्चे की मौत हुई है। वह फूफा वाहिद नूर की है। यह अवैध पिस्टल है। वाहिद के पास इसका लायसेंस नहीं है। मामले में वाहिद नूर को आरोपी बनाया जाएगा। गमगीन परिवार के अभी विस्तृत बयान नहीं हुए हैं। बयान में खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो सकेगा। या ये भी हो सकता है कि बच्चे ने खेल-खेल में पिस्टल चलाई हो, उसके अंदर गोली थी, जोकि चल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## संक्षिप्त खबरें

### पासपोर्ट सत्यापन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण

**जागरण, भोपाल।** पासपोर्ट पुलिस सत्यापन से जुड़े पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में अरेरा हिल्स में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 55 जिलों से 100 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए. साई मनोहर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) रहे। कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें हरि नारायणचारी मिश्रा पुलिस महानिरीक्षक (एससीआरबी), अंशुमान सिंह पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था एवं सुरक्षा), सोनाक्षी सक्सेना पुलिस उपायुक्त (इंटेलिजेंस) तथा शितांशु चौरसिया, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी भोपाल सहित पासपोर्ट कार्यालय एवं मध्यप्रदेश पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। अपने संबोधन में शितांशु चौरसिया क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने कार्यक्रम के संयुक्त आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस का आभार व्यक्त किया।

### 13 साल के बच्चे ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

**जागरण, भोपाल।** गांधीनगर थाना क्षेत्र में 13 साल के बच्चे ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस की शुरुआती जांच में बच्चा इंट्रोवर्ड था और उसका कोई दोस्त भी नहीं था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 13 वर्षीय वरुण पिता अशोक विकास नगर में हाई स्कूल के पास रहता था। उसकी मां दो शादियां की थी। इसके बाद वह सौतेले पिता नितिन रोड़के के साथ रहता था। वरुण इंट्रोवर्ड(अंतर्मुखी) था। वह किसी से भी बातचीत नहीं करता था और स्कूल भी नहीं जाता था। शुक्रवार तीन बजे उसने कमरे में फांसी लगा ली। पिता नितिन जब उसके ऊपर कमरे में पहुंचा तो वह दुपट्टे से बने फांसी के फंदे पर लटका मिला। इसके बाद परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने वरुण को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के लिए भेजा। पुलिस परिजनों के बयानों के आधार पर कारणों की जांच कर रही है।

# 20 ईवी स्वीपिंग मशीन से होगी शहर की सड़कों की सफाई, उड़ने वाली धूल से लोगों को मिलेगी मुक्ति

**वर्तमान में 10 स्वीपिंग मशीनों से होती है केवल मुख्य मार्गों की सफाई, अब सिंगल लेन रोड के लिए चार डीजल मशीनें भी मिलीं**

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** शहर वासियों को जल्दी ही मुख्य मार्गों सहित शहर के अन्य इलाकों में उड़ने वाली धूल से निजात मिलने वाली है। दरअसल नगर निगम शहर में रोड स्वीपिंग मशीन की संख्या को बढ़ा रहा है। वर्तमान में शहर में 21 जोन के बीच केवल 10 स्वीपिंग मशीनें ही उपलब्ध हैं, जिसके कारण वर्तमान में केवल मुख्य मार्गों की सफाई ही स्वीपिंग मशीनों के जरिए हो सकती है। कनेक्टिंग रोड व शहर के अंदर मौजूद सड़कों की नियमित सफाई न होने और सड़कों से धूल न उठने के कारण लोगों को परेशानी होती है, लेकिन अब शहर वासियों को धूल की समस्या से बचाने के लिए नगर निगम निजी कंपनी के साथ मिलकर 20 अन्य स्वीपिंग मशीनों का संचालन शुरू करने वाला है। खास बात यह है कि यह सभी स्वीपिंग मशीनें ईवी होंगी। इनके संचालन का 40 फीसदी भार नगर निगम उठाएगा, जबकि 60 फीसदी राशि निजी का भार निजी कंपनी के ऊपर रहेगा। सोमवार को मशीनों के संचालन के लिए नगर निगम द्वारा टेंडर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा एसडीएफसी बैंक द्वारा सीएसआर फंड के तहत शहर में 4 ट्रैक्टर माउंट रोड स्वीपिंग मशीन नगर निगम को डोनेट की गई हैं। इन मशीनों का उपयोग भी शहर की विभिन्न सड़कों की सफाई के लिए किया जाएगा। इस तरह से आने वाले समय में शहर की सड़कों की सफाई 34 रोड स्वीपिंग मशीनों से हो सकेगी।

### धूल से आंखों व श्वास रोग सहित कई नुकसान होते

सड़क पर मौजूद धूल के कण से बुजुर्ग और बच्चों को आंखों व श्वास रोग सहित कई नुकसान होते हैं। खासकर सर्दी के दौरान यह समस्याएं बढ़ जाती हैं। बता दें कि इन धूल के कणों को ही पीएम 2.5 और पीएम 10 कण कहा जाता है। इन्हीं कणों को नियंत्रित करने के लिए इन रोड स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। बता दें कि पूर्व में एमपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा पुणे की एक संस्था के साथ मिलकर किए गए शोध में सामने आया था कि भोपाल शहर में प्रदूषण के लिए सड़कों की धूल भी जिम्मेदार है। शहर का 40 फीसदी प्रदूषण इसी धूल की वजह से होता है।

### इस तरह काम करेंगी इलेक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मशीन

.रोड स्वीपिंग मशीन एक बार चार्ज होने पर 80 से 100 किमी तक सड़कों की सफाई कर सकेगी। इन मशीनों में धूल की सफाई तीन चरणों में होगी। सूखी व गीली धूल को साफ करने के लिए अलग अलग मोड पर काम किया जाएगा। ऑपरेटर के लिए कैबिन में ही हीटर और एसी का विकल्प होगा, जिससे ठंड व गर्मी में काम करना आसान होगा। मशीन एक बार फुल चार्ज होने पर 10 घंटे तक काम कर सकेगी। मशीन की सफाई करते समय अधिकतम रफ्तार 5 किमी प्रतिघंटा होगी। निगम मशीन के संचालन के लिए कंपनी को प्रतिकिमी की दर से राशि का भुगतान करेगा। बता दें कि वर्तमान में एक डीजल मशीन का संचालन करने में सालाना 30 लाख रुपए तक का खर्च आ रहा है।

> सड़कों की सफाई के लिए रोड स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। आने वाले समय में शहर की सफाई 29 स्वीपिंग मशीन के जरिए किया जाएगा।
>
> **संस्कृति जैन,** कमिश्नर नगर निगम, भोपाल

### तवा से जानलेवा हमले में महिला की इलाज के दौरान मौत

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** कोलार रोड इलाके में तवा से जानलेवा हमले में घायल महिला की मौत हो गई। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। घरेलू कलह के चलते पति ने उस पर हमला किया था। पति हत्या के प्रयास के मामले में फिलहाल जेल में है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ा दी है। कोलार पुलिस के मुताबिक, पुलिस के मुताबिक, 52 वर्षीय जमुना बाई पति भागीरथ प्रसाद डी मार्ट के पास व्यू सिटी में रहती थीं। भागीरथ प्रसाद केंद्रीय दूरसंचार विभाग में क्लर्क हैं। घरेलू कलह के चलते पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। 9 दिसंबर 2025 की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आरोपी पति ने पत्नी के सिर पर एक के बाद तीन वार तवा कर दिए थे। हमले में जमुना बाई गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। घटना के बाद भागीरथ खुद कोलार रोड थाने पहुंचा और उसने समर्पण कर बताया कि उसने पत्नी पर तवा से मारकर लहूलुहान कर दिया था। इस पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इधर, गंभीर रूप से घायल महिला का नर्मदा ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान शनिवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### मेसोजोइक युग का इतिहास बताने वन विहार में लगी डायनासोर की प्रतिमा

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** बच्चों को मेसोजोइक युग (डायनासोर युग) की जानकारी देने के लिए वन विहार नेशनल पार्क की कला वीथिका में डायनासोर का स्कल्पर (प्रतिमा) स्थापित की गई है। ताकि बच्चों सहित आगंतुकों को डायनासोर के इतिहास की जानकारी दी जा सके। बता दें कि डायनासोर की उत्पत्ति 252 मिलियन वर्ष पहले हुई थी और वे 66 मिलियन वर्ष पहले पृथ्वी से पूरी तरह से लुप्त हो गए। इसी के तहत डायनासोर युग को तीन चरणों में बांटा गया है। बता दें कि भारत में भी डायनासोर कभी नर्मदा घाटी के आसपास विचरण किया करते थे। इस स्कल्पचर की स्थापना धार और जबलपुर में मिले डायनासोर के अवशेषों और अंडों की खोज से प्रेरित है, ताकि पर्यटकों को इस बात का ज्ञान हो सके कि कभी मध्य प्रदेश की धरा पर भी डायनासोर विचरण करते थे।

# लूडो गेम में हारे 1500 रुपए नहीं चुकाने पर बीटेक छात्र का अपहरण, 11 हजार छीने

**10 किमी तक पीटा, आरोपी गिरफ्तार, चाय सुट्टा बार एमपी नगर की घटना**

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** आनलाइन लूडो गेम में हारे 1500 रुपए नहीं चुकाने पर बीटेक छात्र को कार से अगवा कर लिया गया। आरोपी युवक ने उसके साथ मारपीट करते हुए 10 किमी तक कोलार इलाके में ले गए, जहां उससे 11000 रुपए ट्रांसफर करवाए। इसके बाद आरोपियों ने उसे वापस एमपी नगर में छोड़ दिया। पीड़ित की रिपोर्ट पर एमपी नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ फिरौती के लिए अपहरण, मारपीट और अड़ीबाजी का केस दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि मूलतः बालाघाट निवासी 23 वर्षीय अभय चौहान पिता अनिल चौहान यहां जहांगीराबाद इलाके में रहता है। वह एक निजी कालेज में बीटेक का छात्र है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ अक्सर एमपी नगर स्थित चाय सुट्टा बार में जाकर चाय पीता है। वहीं लूडो खेलता है। यहीं पर उसके पूर्व परिचित अमन सोनी, रोहित अहिरवार, मुन्ना वारिस और लक्की भी साथ में लूडो खेला करते हैं। शुक्रवार की रात को चाय सुट्टा बार के बाहर लूडो खेलते समय 1500 रुपए हार गया था। लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे। पैसे नहीं देने पर चारों ने उसे वहीं से जबरदस्ती कार में बैठा लिया। इसके बाद मारपीट करते हुए कोलार ले गए। यहां भी उसके साथ मारपीट की। अलग-अलग क्यूआर कोड में 11 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद वापस उसी जगह लाकर छोड़ दिया।

### चारों को भेजा जेल

घटना के बाद अभय अपने दोस्त के साथ एमपी नगर थाने पहुंचा। जहां उसने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने चारों आरोपी अमन सोनी (28) निवासी बैरागढ़, रोहित अहिरवार (26) निवासी पंचशील नगर, मुन्ना वारिस (20) निवासी पंचशील नगर और लक्की खां (19) निवासी हर्षवर्धन नगर को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को जिला अदालत में पेश किया।

**आयोजन** | **एम्स में स्वस्थ्य शरीर को लेकर हुई कार्यशाला में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए विचार**

# मेडिटेशन और पोष्टिक आहार डिप्रेशन दूर करने में कारगर

**नगर संवाददाता, भोपाल।** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में स्वस्थ्य शरीर को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में फिजियोलॉजी ऑफ लाइफस्टाइल इंटरवेंशन विषय पर व्याख्यान हुआ। वैज्ञानिक सत्रों में जीवनशैली से जुड़े ऐसे विषयों पर चर्चा की गई जो आम नागरिकों के लिए लाभकारी हैं। प्रथम सत्र में डॉ. एस.सी. महापात्रा ने आहार का मेटाबोलिज्म, रोग प्रतिरोधक क्षमता और शरीर की विभिन्न क्रियाओं पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि संतुलित भोजन से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है और कई दीर्घकालिक रोगों से बचाव संभव है। द्वितीय सत्र में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मोहित कुमार ने तनाव प्रबंधन के लिए औषधि रहित उपायों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि ध्यान, दिनचर्या में संतुलन और सकारात्मक सोच से तनाव को कम किया जा सकता है। तृतीय सत्र में डॉ. रचना पराशर (प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग) ने जीवनशैली में सुधार को उपचार की पहली सीढ़ी बताते हुए एकीकृत चिकित्सा की अवधारणा पर प्रकाश डाला।

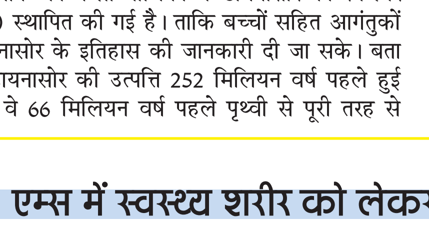

उन्होंने समझाया कि आधुनिक चिकित्सा के साथ जीवनशैली में छोटे बदलाव आम लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। व्याख्यानों के उपरांत व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

**शरीर की कार्यप्रणाली को पटरी पर लाना जरूरी :** फिजियोलॉजी ऑफ लाइफस्टाइल इंटरवेंशन एक बहुत ही गहरा और महत्वपूर्ण विषय है। इसका सरल अर्थ यह समझना है कि जब हम अपनी जीवनशैली (खान-पान, व्यायाम, नींद) बदलते हैं, तो हमारे शरीर के अंगों, कोशिकाओं और हार्मोन्स के स्तर पर क्या जैविक बदलाव आते हैं। आसान शब्दों में, यह बीमारी के इलाज के बजाय शरीर की कार्यप्रणाली को पटरी पर लाने का विज्ञान है।

### इन 5 कारकों से सुधरता है शरीर का स्वास्थ्य

**1. शारीरिक गतिविधित्क्या व्यायाम:** जब हम व्यायाम शुरू करते हैं, तो शरीर में केवल कैलोरी ही नहीं जलती, बल्कि कई गहरे बदलाव होते हैं। कोशिका के भीतर पावरहाउस (माइटोकॉन्ड्रिया) की संख्या बढ़ती है, जिससे शरीर ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर पाता है। साथ में हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे स्ट्रोक वॉल्यूम बढ़ता है। यानी दिल एक धड़कन में ज्यादा खून पंप कर पाता है। शरीर की ऑक्सीजन सोखने और उपयोग करने की क्षमता बढ़ जाती है।

**2. पोषण और मेटाबॉलिज्म:** हम जो खाते हैं, वह सीधे हमारे हार्मोन्स को नियंत्रित करता है। सही खान-पान से कोशिकाओं की इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। इससे रिसेप्टर्स सक्रिय होते हैं, जो खून से ग्लूकोज को सोखकर शुगर लेवल कम करते हैं।

**3. तनाव और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र:** लाइफस्टाइल इंटरवेंशन (जैसे ध्यान या योग) का मुख्य लक्ष्य एचपीए एक्सिस को शांत करना है। तनाव कम करने से कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर गिरता है। कोर्टिसोल का अधिक होना वजन बढ़ाने और सूजन के लिए जिम्मेदार होता है। गहरी सांस लेने या ध्यान से वेगस नर्व सक्रिय होती है, जो शरीर को सिम्पैथेटिक (तनाव) मोड से निकालकर पैरा-सिम्पैथेटिक (आराम) मोड में ले आती है।

**4. सर्कैडियन रिदम और नींद शरीर की आंतरिक:** घड़ी को ठीक करना लाइफस्टाइल इंटरवेंशन का बड़ा हिस्सा है। समय पर सोने से मेलाटोनिन सही समय पर निकलता है और गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन सक्रिय होता है, जो ऊतकों की मरम्मत करता है।

**5. एपिजेनेटिक्स:** सबसे महत्वपूर्ण हिस्साफिजियोलॉजी ऑफ लाइफस्टाइल इंटरवेंशन का सबसे आधुनिक पहलू यह है कि आपकी आदतें आपके जींस को ऑन या ऑफ कर सकती हैं। भले ही आपके परिवार में किसी बीमारी का इतिहास हो, लेकिन एक अच्छी जीवनशैली उन खराब जींस को सुप्त रख सकती है।

# कार की टक्कर से घायल ई-रिक्शा सवार बुजुर्ग की मौत

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** सेंट जेवियर स्कूल के पास कार की टक्कर से घायल ई-रिक्शा सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल वृद्धा का एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने मृतक के बेटे की रिपोर्ट पर वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 62 वर्षीय रमाशंकर राय पिता गौरी शंकर राय पिपलानी स्थित 100 क्वाटर बस्ती में रहते थे। बीती 13 जनवरी की सुबह लगभग दस बजे वह ई-रिक्शा पर सवार होकर जा रहे थे। वह अभी सेंट जेवियर स्कूल के पास पहुंचे थे, तभी अवधपुरी से महात्मा गांधी चौराहे की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनके वाहन को टक्कर मार दी थी। इससे ई-रिक्शा वाहन पलट गया और रमा शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। तब से उनका एम्स में इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान शनिवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

### स्कूल बस ने बाइक सवार दंपत्ति को मारी टक्कर, महिला की मौत

गांधीनगर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दंपत्ति को आर्मी की स्कूल बस ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना आसाराम तिराहे की है। हादसे महिला की मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 38 वर्षीय हेमवती कुशवाहा पति जगदीश शांति नगर में रहती थी। वह निजी संस्था में साफ सफाई का काम करती थी। जबकि पति हम्माली का काम करते है। शुक्रवार सुबह 9 बजे दोनों दंपत्ति बाइक से घर जा रहे थे। तभी आसाराम तिराहे के पास उनकी बाइक को आर्मी की स्कूल बस ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वे दोनों नीचे गिरे गिर गए। बस का टायर उनकी पत्नी के सिर से गुजर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि पति को मामूली चोटें आई है। उस रोड पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है।

## संक्षिप्त खबरें

### वृद्धजनों को मानसिक संबल देने राज्यव्यापी मेडिटेशन कार्यक्रम

**जागरण, भोपाल।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मध्य हुए तीन वर्षीय एमओयू के अंतर्गत 30 एवं 31 जनवरी को प्रदेश के सभी 55 जिलों में वृद्धजनों के लिए राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस राज्यव्यापी अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा संगम' राजयोग ध्यान सत्र- गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन विषय पर एक साथ अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। इसी क्रम में राजधानी में आनंद धाम वृद्धाश्रम तथा 31 जनवरी को ईदगाह हिल्स स्थित आसरा वृद्धाश्रम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी निर्मला दीदी एवं ब्रह्माकुमारी नीता दीदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ नागरिकों सहित वृद्धाश्रम के निवासी शामिल हुए। निर्मला दीदी ने कहा कि जीवन का सच्चा सहारा परमात्मा शिव हैं और राजयोग ध्यान से व्यक्ति शांत, स्थिर व आनंदमय जीवन जी सकता है। नीता दीदी ने बताया कि आध्यात्मिकता वृद्धावस्था में मानसिक, भावनात्मक व आत्मिक सम्बल प्रदान करती है तथा ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाएं धर्मों व समाजों के लिए समान रूप से उपयोगी हैं।

### एमडी ड्रग्स के साथ दो युवक गिरफ्तार, 2 लाख का माल जब्त

जागरण, भोपाल। क्राइम ब्रांच की टीम ने नशे के खिलाफ कार्रवाई कर एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4.28 ग्राम एमडी ड्रग्स, दो मोबाइल और एक बाइक जब्त की है। बरामद की किए गए माल की कुल कीमत करीब दो लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि बागसेवनिया स्थित आरआरएल ब्रिज के पास दो युवक बाइक पर बैठकर अवैध मादक पदार्थ बेचने की फिराक में ग्राहक का इंतजार कर रहे है। सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने एचपी पेट्रोल पंप के पास दोनों युवकों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी की पहचान जोएब खान और मोहम्मद सैफ निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद के रूप में हुई। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से पन्नी में रखा 4.28 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया गया।

### बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में एमपी ट्रांसको के कर्मचारियों की सैलरी

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने कर्मचारियों के लिए बैंक आफ महाराष्ट्र के साथ सैलरी अकाउंट खोलने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत बैंक ऑफ महाराष्ट्र सैलरी वेरियेंट के हिसाब से गवप्राइड सैलरी सेविंग अकाउंट स्कीम के तहत बैंकिंग सेवाओं के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाएं प्रदान करेगा। एमपी ट्रांसको के चीफ फाइनेंनशियल ऑफिसर मुकुल मेहरोत्रा ने बताया कि इसके लिए पिछले दिनों बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एमपी ट्रांसको के बीच एमओयू साइन किया गया, जिसमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा सैलरी खाता स्कीम के अंतर्गत अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की गई है।

### नियमित पद नहीं तो नियमितीकरण अधूराः आरएसकेएएसएस

**जागरण, भोपाल।** राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने प्रदेश में कार्यरत लगभग ढाई लाख संविदा कर्मियों की सेवाएं नियमित करने की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा का स्वागत किया है, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर आशंका भी जताई है। आरएसकेएएसएस का कहना है कि विभागों में सीधी भर्ती के स्वीकृत और रिक्त नियमित पदों की कमी के कारण नियमितीकरण का लाभ मिलना कठिन हो सकता है। संघ प्रमुख शील प्रतापसिंह पुंढीर, महासचिव व्यास मुनि चौबे, डॉ. देवीसिंह सनोडिया, उपाध्यक्ष भगवानसिंह ठाकुर द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि प्रदेश सरकार में पदोन्नतियां लंबे समय से बंद हैं, जिससे केवल पदोन्नति से भरे जाने वाले पद ही रिक्त हैं। ऐसे पदों पर नियमानुसार संविलियन या नियमितीकरण संभव नहीं है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि संविदा कर्मियों के नियमितीकरण और पद संवर्गों के विभेदीकरण को समाप्त करने के लिए पहले समाप्त घोषित अस्थाई संवर्गों के समतुल्य नियमित पदों को वित्त विभाग से स्वीकृति दिलाई जाए।

### हिंदू उत्सव समिति का 1 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

**भोपाल।** शहर की सबसे पुरानी धार्मिक संस्थाओं में से एक हिंदू उत्सव समिति ने सदस्यों की संख्या बढ़ाकर एक लाख करने का टारगेट रखा है। इसके लिए आगामी सोमवार से जन-संपर्क के साथ सनातनी सदस्यता अभियान शुरू का जाएगा। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने शनिवार को बताया कि अभियान को मुख्य केंद्रों के बजाय भोपाल के हर वार्ड, बस्ती और मोहल्ले तक पहुंचाया जाएगा। इस अबियान के जरिए आजीवन सदस्यता के लिए 2 पासपोर्ट साइज फोटो और आधार कार्ड की फोटोकॉपी के साथ 700 रूपए शुल्क देना होगा।

# चैंबर चुनाव का प्रचार हुआ खत्म, 2230 वोटर आज करेंगे मतदान, नतीजे कल

## अंतिम दिन तक झोंकी ताकत, सोशल मीडिया का भी सहारा, पाली या गोयल में से एक के सिर सजेगा ताज

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** भोपाल में कारोबारियों, निवेशकों, उद्योगपतियों की सबसे बड़ी संस्था भोपाल चैंबर प कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के लिए मतदान रविवार सुबह 8 बजे से होगा। मानस भावन में शाम 5 बजे तक होने होने वाली वोटिंग का फैसला सोमवार को आएगा। चैंबर चुनाव के लिए इस बार दो कारोबारी दिग्गजों के बीच आमने सामने का मुकाबला है। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली जहां अपनी प्रगतिशील पैनल के उम्मीदवारों के साथ मैदान में उतरे हैं, उनका मुकाबला उद्योगपति गोविंद गोयल की उन्नति पैनल से है। चुनाव के लिए पर्यवेक्षक का जिम्मा निभा रहे सीए वैभव जैन ने बताया कि चैंबर चुनाव के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। इन चुनावों में कुल 2230 वोटर हैं, जिनमें से 90 सदस्यों ने भोपाल से बाहर होने या अन्य कारणों की वजह से डाकमत पत्र के जरिए अपने वोट पहल ही डाल दिए हैं। वोटों की गिनती सोमवार सुबह की जाएगी।

देर रात मानस भवन में मतदान की तैयारी में जुटे पर्यवेक्षक, यहीं इस चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे।

चैंबर चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के दोनों उम्मीदवारों गोविंद गोयल और तेजकुलपाल सिंह पाली ने अंतिम दौर में अपने पैनल के बाकी उम्मीदवारों के साथ पूरी ताकत झोंकी। दोनों पैनलों के उम्मीदवारों ने जनसंपर्क के जरिए राजधानी के हर एक सदस्य वोटर से यहां व्यक्तिगत रूप से जाकर वोट मांगे हैं, वहीं सोशळ मीडिया पर भी इन चुनावों को लेकर खासी गहमा-गहमी रही है। दोनों ही पैनलों ने अपनी जीत के लिए वचन पत्र और संकल्प पत्र जारी करते हुए अपनी जीत का दावा किया है।

### एक मतदाता डालेगा 36 वोट कुल 60 प्रत्याशी मैदान में

इन चुनावों की खास बात ये है कि भोपाल चैंबर के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष, अतिरिक्त कोषाध्यक्ष के कुल 12 और कार्यकारिणी सदस्यों के कुल 24 पद हैं। चुनाव पर्यवेक्षक के अनुसार हर एक मतदाता को कुल 36 वोट डालने होंगे। इन चुनावों के लिए कुल साठ उम्मीदवार मैदान में हैं।

### प्रगति पैनल के संकल्प पत्र के अहम बिंदु

1. चैंबर में छोटे, मध्यम और बड़े सभी कारोबारियों का समान प्रतिनिधित्व, हर फैसला व्यापारियों की रायशुमारी से
2. जीएसटी, आयकर व नगर निगम संबंधी परेशानियों के लिए स्थायी हेल्प डेस्क, नोटिस और विवाद में चेंबर करेगा सीधा हस्तक्षेप
3. छापों व दबाव से व्यापारियों को मिलेगी निजात, प्रशासन से नियमित संवाद की व्यवस्था
4. फुटकर, थोक व परंपरागत व्यापारियों के लिए अलग समितियां, लाइसेंस, परमिट और नियमों में मिलेगी सहायता
5. युवा व नए व्यापारियों को स्टार्ट-अप व डिजिटल व्यापार मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद
6. चैंबर की होंगी नियमित बैठकें, हर व्यापारी को देंगे सूचना
7. बंद, आग, मंदी या आपात स्थिति में तत्काल व्यापारी को मिलेगी सहायता, बैंक व प्रशासन से समन्वय

### उन्नति पैनल के वचन पत्र के अहम बिंदु

1. कोलार, होशंगाबाद रोड, स्मार्टसिटी क्षेत्र में नए व्यापार केंद्र बनाने के प्रयास, स्मार्ट सिटी एरिया में कैपिटल मार्केट में प्रवेश, व्यापारियों के लिए शेयर बाजार, एसएमई, आईपीओ, जीएसटी, इनकम टैक्स, जागरूकता पर
2. स्टार्टअप, फ्रेंचाइजी, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स में निवेश के लिए मार्गदर्शन व्यापारियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से जोड़ना।
3. बैरागढ़ का सबसे बड़े कपड़ा बाजार के रूप में विकास एवं ब्रांडिंग, टेक्सटाइल एक्सपो, फैशन ट्रेड फेयर और बायर-सेलर मीट का आयोजन
4. भोपाल को थोक फार्मा एवं मेडिकल ट्रेड का केंद्र बनाना, दवा एवं मेडिकल व्यापारियों को सिंगल विंडो सपोर्ट
5. भोपाल को रोड एवं रेल कनेक्टिविटी के जरिए सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग हब के रूप में विकसित करना
6. व्यापारियों को धारा 411 से राहत के प्रयास, चैंबर के सदस्यों की संख्या 10 हजार से अधिक करने का लक्ष्य
7. महिला सदस्यों की भागीदारी बढ़ाएंगे, भोपाल के व्यापारियों से प्रॉपर्टी टैक्स के साथ कमर्शियल, लाइसेंस फीस की वसूली रोकने के लिए ठोस प्रयास

# 7 दिनों में पुलिस ने बरामद किया एक करोड़ का माल

## चोरी की 19 वारदातों का किया खुलासा

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** प्रदेश की पुलिस ने पिछले सात दिनों के भीतर पन्ना, शिवपुरी, इंदौर और भोपाल समेत कई जिलों में चोरी के कई मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर 1 करोड़ रुपए से ज्यादा का माल बरामद किया है। इस दौरान सबसे बड़ी कामयाबी पन्ना पुलिस के हाथ लगी है, जहां मंदिरों को निशाना बनाने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। यहां मंदिरों से मुकुट और छत्र चुराने वाले चोर गिरोह के 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर पन्ना, सतना और कटनी जिलों के मंदिरों और सूने घरों में चोरी की 19 वारदातों का खुलासा किया है।

यह गिरोह जमानत पर बाहर आते ही फिर से मंदिरों को अपना निशाना बनाने लगता था। गिरोह के पास से भगवान के सोने-चांदी के छत्र, मुकुट और करीब ढाई किलो चांदी बरामद की है, जो लगभग 30 लाख रुपए की है।

**शिवपुरी और इंदौर में भी एक्शन :** शिवपुरी के कोलारस में पुलिस ने सराफा दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए 9 किलो से च्यादा चांदी बरामद की है, जिसकी कीमत 32 लाख रुपए है। इसके अलावा इंदौर की आजाद नगर पुलिस ने एक शादी समारोह के दौरान सूने घर में हुई चोरी को महज 24 घंटे में सुलझा लिया, जबकि संयोगितागंज पुलिस ने चिड़ियाघर की पार्किंग से चोरी हुए 10.75 लाख के हीरे और सोने के आभूषण बरामद कर आरोपी को धर दबोचा। इसके अलावा रतलाम की नामली पुलिस ने चोर गिरोह के दो सदस्यों को दबोचकर उनसे 5 लाख से अधिक का माल और कार जब्त की है। इसके अलावा भोपाल की अयोध्या नगर पुलिस ने भी पिछले सप्ताह तीन शातिर नकबजनों को गिरफ्तार कर चार बड़ी चोरियों का खुलासा करते हुए साढ़े चार लाख की नकदी और जेवर बरामद किए हैं। इसके अलावा छतरपुर, विदिशा खरगोन और कटनी में भी पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर लाखों की माल जब्त किया है।

# भदभदा से ब्लू लाइन में गर्डर लांचिंग का काम शुरू

## एक साल में रोशनपुरा चौराहे तक एलिवेटेड ट्रैक बिछाने का टारगेट

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** भदभदा से भारत माता चौराहे तक चल रहा मेट्रो ब्लू लाइन के एलिवेटेड कॉरिडोर का काम अगले चरण में पहुंच गया है। शनिवार से एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने यहां पर गर्डर लांचिंग का काम शुरू कर दिया। बता दें कि जुलाई 2024 में यहां पर सॉइल टेस्टिंग सहित अन्य काम शुरू हुए थे, जिसके बाद जनवरी 2025 की शुरुआत में पियर्स बनाने का काम शुरू हुआ था। पहले भदभदा चौराहे से लेकर भारत माता चौराहे तक पियर्स बनाने का काम शुरू किया गया था। अब इसी लाइन पर गर्डर लांचिंग शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी ओर रत्नागिरी से जेके रोड तक भी पियर्स बनाने का काम तेज गति से चल रहा है। एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ब्लू लाइन का काम तेजी से कर रही है, ताकि मई 2028 तक पूरे ट्रैक का काम पूरा किया जा सके। वहीं इस साल के आखिरी तक रोशनपुरा चौराहे तक एलिवेटेड ट्रैक का काम पूरा करने का टारगेट है। दूसरी ओर मेट्रो ऑरेंज लाइन का काम करोंद से गल्ला मंडी तक तेज गति से चल रहा है। यहां भी मार्च से गर्डर लांचिंग शुरू कर दी जाएगी। ताकि समय पर ट्रैक का काम पूरा हो सके।

# आईएएस की पत्नी का प्लाट बेचने की यावर ने की थी कोशिश, केस

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** रिटायर्ड आईएएस संजय बंदोपाध्याय की पत्नी का प्लाट हड़पने की कोशिश में वकील यावर खान के खिलाफ हबीबगंज पुलिस ने धोखाधड़ी की एफआईआर की है। आरोपी यावर के साथ उसके साथी को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है। पुलिस के मुताबिक, शोभना बंदोपाध्याय पति संजय वेस्ट सेंट्रल रेलवे में जनरल मैनेजर हैं। उनका प्लाट ई-3 अरेरा कालोनी में है। अगस्त 2025 में आरोपी यावर खान ने इस प्लाट के बेचने के लिए जाहिर सूचना दी थी। यह जानकारी जब शोभना को पता लगी तो उन्होंने इस संबंध में थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने शिकायती आवेदन की जांच के बाद आरोपी यावर और उसके साथी सोहेल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी वकील यावर इन दिनों रेप व पाक्सो एक्ट के तहत जेल में बंद है।

### फर्जी दस्तावेज से टेंडर हासिल करने की कोशिश

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी टेंडर हासिल करने के प्रयास में निजी कंपनी के संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। वित्त विभाग के उप संचालक ने शिकायत की थी। पुलिस के मुताबिक, 37 वर्षीय नितिन कुमार वागमोडे आशिमा अनुपमा सिटी बागसेवनिया में रहते हैं। वह मप्र वित्त विभाग के कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा पर्यावास भवन में उप संचालक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वित्त विभाग में आईएफएमआईएस साफ्टवेयर के माध्यम से समस्त कोषालयीन प्रक्रिया जैसे सैलरी, पेंशन आदि संचालित की जाती है। आईएफएमआईएस नेक्स्ट जेन साफ्टवेयर के विकास के लिए सिस्टम इंटीग्रेटर की मॉनीटरिंग के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंसी कार्य के लिए निविदा जारी की गई थी। बीडीओ इंडिया सर्विसेस द्वारा टेंडर डाला गया। स्कूटनी के दौरान इस संस्था द्वारा भेजे गए दस्तावेज फर्जी पाए गए। इस आधार पर पुलिस ने बीडीओ इंडिया सर्विसेस प्रालि के संचालक अनुराग श्रीवास्तव के खिलाफ केस दर्ज किया है।

# एनडीआरएफ के साथ पुलिस की मॉक ड्रिल, एआई के गुर सीखे

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** पुलिस आने वाले समय के लिहाज से अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही राहत और बचाव कार्यों के लिए भी खुद को तैयार कर रही है। राजधानी के भौंरी स्थित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में शनिवार को जहां पुलिस अधिकारियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए हाईटेक पुलिसिंग के गुर सीखे, वहीं दूसरी ओर पुलिस स्टाफ ने एनडीआरएफ की टीम के साथ मिलकर घातक गैस रिसाव और रासायनिक आपदाओं से निपटने की मॉक ड्रिल की। इस दौरान अकादमी के उपनिदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एनडीआरएफ के डीआईजी मनोज शर्मा समेत अन्य अफसर भी मौजूद रहे। पीटीएश भौंरी में शनिवार को आयोजित सेमीनार में एक्सपर्ट ने पुलिस अफसरों को बताया कि अपराध की छानबीन के साथ ही डेटा विश्लेषण में एआई पुलिस और जांच एजेंसियों के लिए गेम-चेंजर

साबित हो सकता है। इस दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि एआई की मदद से भारी-भरकम डेटा का विश्लेषण कर न केवल अपराधियों के पैटर्न को समझा जा सकता है, बल्कि आर्थिक अपराधों पर भी नकेल कसी जा सकती है। इस तकनीक के साथ-साथ पुलिस ने अपनी फील्ड की क्षमता को भी परखा। अकादमी में एनडीआरएफ की टीम ने डीएसपी और नव-आरक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देते हुए उनके साथ रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु हादसों के साथ गैस रिसाव के दौरान रेस्क्यू के गुर सिखाए।

# पुलिस ने 30 दिनों में खोजे चोरी गए 91 वाहन

## इंटरस्टेट गैंग का भंडाफोड़, चोरी के वाहनों को अन्य राज्यों में बेंचते थे, दो दर्जन गिरफ्तार

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** प्रदेश पुलिस ने वाहन चोरों के किलाफ अभियान चलाकर पिछले एक माहने में चोरी गए 91 वाहन जब्त किए हैं। इस दौरान पुलिस ने कई शातिर गिरोहों को सलाखों के पीछे भेजा है। पुलिस ने इस अबियान के दौरान वाइक से लेकर कार और ट्रेक्टर की चोरी जैसी

वारदातों का भी खुलासा किया है। इस अबियान के दौरान कुल 81 मोटरसाइकिल, 3 कार, 3 ई-रिक्शा, 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली और रोटावेटर बरामद किए हैं।

### ग्वालियर और इंदौर सबसे आगे

ग्वालियर में पुलिस ने एक माह के दौरान चोरी गई 17 मोटरसाइकिलों के सथ 1 कार भी बरामद की है। इस मामले में एक शातिर इंटरस्टेट गिरोह के कई सदस्य भी हिरासत में लिए गए हैं, जो चोरी के वाहनों को अन्य राज्यों में जाकर ठिकाने लगा देते थे। इसके बाद इंदौर पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे दो आरोपियों और एक नाबालिग को पकड़ा गया। उनकी निशानदेही पर वाहन चोरी की 13 वारदातों का खुलासा हुआ। गिरोह के पास से 14 लाख रुपए की 13 बाइक जब्त की गई हैं। इसके अलावा मंदसौर पुलिस ने राजस्थान के कंजर गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार कर 14 मोटरसाइकिल और 1 कार जब्त की है।

### इन जिलो में भी एक्शन

- भोपाल पुलिस और जीआरपी ने शाहजहानाबाद, भोपाल स्टेशन और इटारसी स्टेशन से कुल 9 बाइक जब्त कीं।
- उज्जैन के माधवनगर और बड़नगर एरिया से वाहन चोरों से 5 मोटरसाइकिल जब्त
- नर्मदापुरम, सागर और नीमच जिलो में 4-4 वाहन बरामद किए गए। इसके अलावा गुना में 3, दमोह और छिंदवाड़ा में 2-2 वाहन जब्त।
- सीहोर पुलिस ने चोरी गई धान से भरी ट्रेक्टर-ट्रॉली, बोलेरो पिकअप और एक बाइक जब्त की।
- दतिया पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोर गिरोह पकड़ा, खंडवा पुलिस ने चोरी का ट्रेक्टर और रोटावेटर बरामद किया
- मुरैना में पुलिस ने वाहन चोरों को हिरासत में लेकर ट्रेक्टर के साथ अवैध हथियार भी बरामद किए
- छतरपुर और कटनी में तीन चोरों को हिरासत में लेकर 3 चोरी गए ई-रिक्शा खोजे

**पहल** — राजधानी से 800 से ज्यादा साइकिल सवारों ने तैयार की साइकिलिंग की सबसे बड़ी कम्युनिटी

# साइकलिंग के जुनून ने तैयार कर दिया व्हील्स ऑफ फ्रीडम

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** राजधानी भोपाल में साइकिलिंग का शौक रखने वाले 800 से ज्यादा साइकिल सवारों ने मिलकर प्रदेश की सबसे बड़ी साइकिलिंग कम्युनिटी व्हील्स ऑफ फ्रीडम तैयार कर ली है। साइकिलिस्ट संकल्प भटनागर बताते हैं कि व्हील्स ऑफ फ्रीडम कोई संस्था नहीं है केवल लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक प्लेटफार्म है। लोग पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ ही स्वयं का स्वास्थ्य भी बेहतर करें इसके लिए ही इस कम्युनिटी का निर्माण किया गया है। संकल्प बताते हैं कि उनसे जुड़ चुके साइकिल सवार रोजाना 30 से 50 किमी तक साइकिल राइडिंग करते हैं।

इसके साथ ही वे अन्य लोगों को भी साइकिलिंग के लिए जागरूक करते हैं। व्हील्स ऑफ फ्रीडम के तहत 15 अगस्त, 16 जनवरी सहित अन्य राष्ट्रीय त्योहारों के अवसर पर साइकिल राइड आयोजित की जाती है। इस बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर 800 से ज्यादा

साइकिल सवार एक साथ सड़क पर उतरे। सभी साइकिल सवार भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए शौर्य स्मारक से व्यापम चौराहा, 7 नंबर स्टॉप, नूतन कालेज, राजीव गांधी चौराहा, शाहपुरा, 1100 क्वार्टर हनुमान मंदिर, अरेरा कालोनी, अंबेडकर ब्रिज और वापिस शौर्य स्मारक तक पहुंचे। पिछले साल 15 अगस्त के अवसर पर 500 साइकिल सवार जुटे थे और पिछले साल 26 जनवरी पर लगभग 450 साइकिल सवार इस कम्युनिटी के तहत जुड़े थे और लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। साइकिल सवारों में 5 साल के बच्चे से लेकर 85 साल तक के बुजुर्ग भी शामिल हैं। महिला एवं पुरुष सभी साइकिल सवार एक साथ मिलकर साइकिलिंग करते हैं।

### राइड में इस तरह एक साथ चले 800 साइकिल सवार

साइकिल राइड के तहत सभी साइकिल सवार सुबह 7.30 बजे ही शौर्य स्मारक पहुंचे। सभी साइकिल सवारों को तिरंगे रंग का साफा बांधकर और साइकिल पर तिरंगा लगाकर तैयार किया गया। साइकिल सवारों के आगे सुरक्षा के लिए मोटरसाइकिल सवार और डीजे पर देशभक्ति के गीत बज रहे थे। हर साल की तरह इस बार भी सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और 7 नंबर स्टाप पर पुष्प वर्षा कर और पटाखे छोड़कर साइकिल सवारों का स्वागत किया गया। रैली को भोपाल रेंज के डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य अतिथि के रूप में एयर वाइस मार्शल पीके श्रीवास्तव मौजूद रहे। श्रीवास्तव कारगिल युद्ध में भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और बालाकोट एयर स्ट्राइक की रणनीति निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

# प्रदेश के नगरीय निकायों में तैनात होंगी 10 हजार अमृत महिला मित्र

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** मध्य प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में हर माह जल प्रदाय और सीवरेज प्रोजेक्ट्स की बारीकी से समीक्षा की जाएगी। इसके लिए शनिवार को एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के एमडी और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश जारी कर दिए। इसके अलावा प्रदेश में 10 हजार महिला मित्र को भी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। यह सभी अमृत मित्र जल स्वच्छता की जांच करेंगी और इनकी नियुक्ति एमपीयूडीसी के माध्यम से की जाएगी। बता दें कि एमडी 35 नगरीय निकायों में पूरी हो चुकी और 52 नगरीय निकायों में प्रगतिरत वाटर सप्लाई और सीवेरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि एमपीयूडीसी की सभी परियोजनाओं की हर माह होने वाली समीक्षा के काम की मॉनिटरिंग एमडी स्वयं करेंगे। ताकि काम में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। हर परियोजना की साप्ताहिक कार्य योजना बनाई जाएगी और इन्हें समय सीमा में पूरा करने पर जोर रहेगा। इसके अलावा सभी परियोजनाओं के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को तकनीक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

**यह ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्टेड :** बुधनी के ठेकेदार वाज इंडिया को टर्मिनेट करने और ब्लैक लिस्ट करने, पसान के मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कांट्रेक्टर कात्यानी, शहडोल सीवरेज में मुख्य ठेकेदार द्वारा नियुक्त सब कांट्रेक्टर ईफिल तथा सांची सीवरेज परियोजना के ठेकेदार 3 आरएम को ब्लैक लिस्ट करने को कहा है। साथ ही ईपीसीएल को प्रदर्शन न सुधरने पर टर्मिनेट करने की चेतावनी दी गई।

# फिल्मी गानों पर थिरके आईएफएस अफसर

**आईएफएस अफसर सर्विस मीट के दूसरे दिन सुबह से शाम तक चली स्पोर्ट्स एक्टिविटी, पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन**

**जागरण, भोपाल।** प्रदेश के आईएफएस अफसर सर्विस मीट के दूसरे दिन शनिवार शाम को संगीत के रंगारंग कार्यक्रम में झूमते गाते नजर आए। कई अफसरों ने संगीत की धुनों पर डांस का धमाल भी दिखाया।

आईएफएस अफसर सर्विस मीट के समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए सभी अधिकारी भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में जुटे। यहां कल्चरल प्रोग्राम की प्रस्तुति के बाद रात्रि भोज और पुरस्कार वितरण के साथ मीट का समापन हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में अफसरों को ग्रुप बनाकर चार टीमों में बांटा गया। इन टीमों के नाम प्रदेश की नदियों के नाम पर रखे गए। चंबल, नर्मदा, ताप्ती, बेतवा नदियों के नाम पर बनी टीमों में शामिल अधिकारियों ने फिल्मी गीतों पर डांस कर और फिल्मी गीत गाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कियो।

## खेलकूद प्रतियोगिताएं भी हुई

मीट के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या के दौरान विशेष आकर्षण कक्षा एक तक के नन्हें बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रही, जिसमें बच्चों ने झांसी की रानी, पुलिस अधिकारी, भगत सिंह, बाघ सहित विभिन्न प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक भूमिकाओं में मंच पर आकर सभी का मन मोहा। उनकी मासूम अदाओं और आत्मविश्वास ने उपस्थित अफसरों को भावविभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त नृत्य, गायन एवं लघु नाटिकाओं की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने संध्या को और भी जीवंत बना दिया। अफसरों के अनुसार यह सांस्कृतिक संध्या केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रही, बल्कि अधिकारियों और उनके परिवारों के बीच आत्मीय संबंधों को और सुदृढ़ करने का एक स्मरणीय अवसर बनी। मीट के दूसरे दिन सुबह से शाम तक खेलकूद का कार्यक्रम चलता रहा। स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स मैनिट में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने अलग-अलग खेलों में पार्टिसिपेट किया।

मीट के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या हुई। इस अवसर पर भारतीय वन सेवा के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों तथा उनके परिवारजनों ने इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन आईआईएफएम भोपाल के भव्य परिसर में किया गया, जहां अधिकारियों एवं उनके परिजनों द्वारा विविध रंगारंग और मनोरंजक प्रस्तुतियां दी गईं।

भोपाल के गुलाब उद्यान में बिखरे प्रकृति के रंग

# पेरिस और लंदन तक पहुँचेगी एमपी के फूलों की महक

**जागरण, भोपाल।** लिंक रोड स्थित शासकीय गुलाब उद्यान में आयोजित राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी के दूसरे दिन फूलों की खुशबू और नवाचार का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कृषक कल्याण वर्ष-2026 के उपलक्ष्य में शुरू की गई यह प्रदर्शनी अब फूलों को अंतरराष्ट्रीय बाजार दिलाने का एक बड़ा मंच बन गई है। प्रदर्शनी की भारी लोकप्रियता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने इसे अब तीन दिनों तक (रविवार तक) संचालित करने की घोषणा की है।

## चीनी और जापानी तकनीकों का जादू

प्रदर्शनी में इस बार चीनी और जापानी तकनीक से विकसित किए गए पौधों ने विशेषज्ञों और आम जनता को हैरान कर दिया है। इन दुर्लभ पौधों की कीमत 10 हजार से लेकर 4 लाख रुपये तक है। इसके साथ ही, दिल के आकार की पंखुड़ियों वाला साइक्लोमेन और गुलाबी कैमिलिया अपनी खूबसूरती के कारण पहली पसंद बने हुए हैं। कश्मीर की वादियों में खिलने वाला ट्यूलिप अब मध्य प्रदेश की मिट्टी में भी अपनी चमक बिखेर रहा है। फूल प्रदर्शनी आय बढ़ाने का जरिया भी बन रही है।

वर्तमान में प्रदेश के करीब 40 हजार किसान पुष्प व्यवसाय से जुड़े हैं, जो 45 हजार हेक्टेयर में खेती कर रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि यहाँ के फूलों की खुशबू पेरिस और लंदन जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचे। प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण का केंद्र है फूलों की विविधता। 250 से अधिक प्रजातियों के फूल और 1500 से ज्यादा किसानों की सहभागिता। जर्बेरा, ग्लेडियोलस, लिली और डच जुमेलिया के साथ बोनसाई तकनीक की दुर्लभ प्रजातियों का प्रदर्शन।

# रूबी मोहंती को मिला 25वां हेमंत स्मृति कविता सम्मान

**जागरण, भोपाल।** झीलों की नगरी भोपाल में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का 12वां राष्ट्रीय सम्मेलन और 25वां हेमंत स्मृति कविता सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। होटल ला पर्ल में आयोजित इस त्रि-स्तरीय समागम में साहित्य, कला और समाज सेवा की विविध विधाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। समारोह के मुख्य आकर्षण में रूबी मोहंती को प्रतिष्ठित 25वां हेमंत स्मृति कविता सम्मान प्रदान किया गया। पद्मश्री सम्मान प्राप्त कैलाश चंद्र पंत की अध्यक्षता और वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम जनमेजय के मुख्य आतिथ्य में यह अलंकरण संपन्न हुआ। संस्था ने इस अवसर पर कैलाश चंद्र पंत और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड विजेता डॉ. संजीव कुमार का विशेष अभिनंदन भी किया। इसके अतिरिक्त, डॉ. अलका अग्रवाल, सुनील दुबे वृक्षमित्र और देवेंद्र श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के चयनित रचनाकारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आयोजन के द्वितीय सत्र में लघुकथा विमर्श हुआ, जिसकी अध्यक्षता कांता राय ने की। इसमें डॉ. विद्या सिंह और गोकुल सोनी सहित कई लेखकों ने अपनी धारदार रचनाओं का पाठ किया।

## संडे प्लानर

### लेट्स वॉच

**मूवी**
थिएटर्स
मायासभा
मर्दानी3
मानव कोकीन

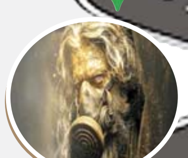

### मंच एण्ड फन

मैक एंड चीज पास्ता
269 रूपए
मिंटू कैफे, एमपी नगर

### वर्कशॉप

रंग सूत्र
फैब्रिक पेंटिंग आर्ट वर्कशॉप
दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक
तत्व आर्ट कैफे एंड लाइब्रेरी, केरवा डैम

### रिलेक्सिंग डे

राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी
गुलाब उद्यान लिंक रोड
सुबह 10 बजे से

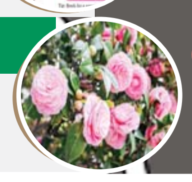

# उर्दू मुकम्मल तौर पर हिंदुस्तानी जुबान है- मो. आजम

**जागरण, भोपाल।** भोपाल की फिजाओं में इन दिनों उर्दू की मिठास घुली हुई है। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित चार दिवसीय जश्ने उर्दू-2026 के दूसरे दिन शनिवार को अदबी विमर्श और शेरो-सुखन की महफिल ने भोपाल के दिल को जीत लिया। संगोष्ठी से लेकर मुशायरे तक, हर सत्र में उर्दू की गंगा-जमुनी तहजीब साफ झलक रही थी।

**अदब में आत्मबोध और समरसता :** अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि यह आयोजन वैचारिक स्वावलंबन और सामाजिक समरसता का पुल है। संगोष्ठी में डॉ. मोहम्मद आज़म ने बड़ी संजीदगी से कहा, उर्दू मुकम्मल तौर पर हिंदुस्तानी ज़बान है, जिसमें यहां की सभ्यता का इतिहास दर्ज है। सच तो यह है कि भारत के बिना उर्दू का अस्तित्व मुमकिन ही नहीं। दिल्ली से आए डॉ. हफीजुर रहमान ने उर्दू को हमारी साझा विरासत का सबसे सुंदर हिस्सा बताया।

**बैतबाजी की शोखी और मुशायरे की गूंज :** दिन का आगाज बैतबाज़ी (साहित्यिक अंत्याक्षरी) के साथ हुआ, जहां युवाओं के बीच शेरों की दिलचस्प जंग हुई। शाम होते ही अखिल भारतीय मुशायरे ने समां बांध दिया। मोईन शादाब के सधे हुए संचालन और इजलाल मजीद की अध्यक्षता में शायरों ने अपने अश्आर से समां रोशन कर दिया।

# दुबई में तआरूफ कराया भोपाल की तहजीब का

**जागरण, भोपाल।** भोपाल की नवाबी नजाकत और गंगा-जमुनी तहजीब अब सरहदों को पार कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी चमक बिखेर रही है। महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित 'बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब' ने दुबई के ओवल कैफे में अपने नए चैप्टर 'बेगम्स महफिल' का भव्य शुभारंभ किया। सांस्कृतिक यादें और सम्मान इस महफिल में दुबई में रह रहीं भोपाल से जुड़ी करीब 100 महिलाओं ने शिरकत की। आयोजन में भोपाल की गलियों, तालाबों और पारंपरिक यादों को साझा किया गया। इस दौरान पूर्व यूएई क्रिकेटर निशा अली, उद्यमी नोरिन खान, लेखिका दीबा सलीम, हिना अली और बैडमिंटन खिलाड़ी ताबिया खान को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रख्शां शमीम जाहिद की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाली क्विज और लाइव म्यूजिक का जादू चला। विजेताओं को पारंपरिक भोपाली बटुए (पर्स) भेंट किए गए। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि भोपाल अब केवल एक ऐतिहासिक शहर नहीं, बल्कि ग्लोबल पहचान रखने वाला मेट्रो सिटी बन चुका है।

**कास्ट** रानी मुखर्जी, मल्लिका प्रसाद, जानकी बोदीवाला, प्रजेश कश्यप, इंद्रनील भट्टाचार्या
**डायरेक्टर** अभिराज मीनावाला
**श्रेणी** हिंदी, क्राइम, ड्रामा, थ्रिलर
**क्रिटिक रेटिंग** 3.5/5
**अवधि**- 2 घंटा 9 मि
कहां देखें- थियटर्स

# जानी पहचानी कहानी, असरदार प्रभाव

साल 2014 में 'मर्दानी' बनकर दिल्ली के गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग का सफाया, फिर साल 2019 में फिल्म 'मर्दानी 2' में राजस्थान के खूंखार रेपिस्ट का खात्मा, धाकड़ पुलिसवाली शिवानी शिवाजी रॉय यानी रानी मुखर्जी अब 'मर्दानी 3' में फिर अपने उसी नो नॉनसेंस, ओनली एक्शन अवतार में लौट आई हैं। खास बात यह है कि छोटी बच्चियों की तस्करी के जुर्म की जानी-पहचानी दुनिया होने के बावजूद यह फिल्म और रानी, दोनों ही प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहती हैं।

### एक्टिंग

फिल्म का पूरा दारोमदार रानी मुखर्जी के कंधों पर है और वह इसे बखूबी उठाती हैं। शिवानी के धाकड़ अंदाज में वह जमती हैं, इमोशनल सीन में उनके चेहरे के एक्सप्रेशन देखने लायक हैं। हालांकि, उनके किरदार में सिंघम टाइप हीरोइजम भी खूब भरा गया है। नई-नवेली कॉन्स्टेबल फातिमा के रूप में जानकी बोदीवाला ने भी अच्छा साथ दिया है। जबकि अम्मा बनी मल्लिका प्रसाद अपना किरदार पकड़कर रखती हैं। उनका लुक और अंदाज प्रभाव छोड़ता है। रामानुजन के रूप में प्रजेश कश्यप फिल्म का सरप्राइज हैं, जो अपने अभिनय से चौंकाते हैं। तकनीकी तौर पर कैमरा वर्क दिल्ली की गलियों और इस अपराध की स्याह दुनिया को करीब से दिखाता है। एडिटिंग थोड़ी और कसी हो सकती थी।

### कहानी

कहानी बुलंदशहर में एक वीवीआईपी की मासूम बच्ची की किडनैपिंग से शुरू होती है। साथ में उस वीवीआईपी के केयरटेकर की बेटी भी अगवा हो जाती है। इन बच्चियों को बचाने का जिम्मा मिलता है, एसएसपी शिवानी शिवाजी रॉय (रानी मुखर्जी) को। शिवानी जब केस की पड़ताल में जुटती है, तो पता चलता है कि 3 महीने में करीब 93 बच्चियां अलग-अलग जगहों से गायब हुई हैं, जिसके तार बच्चियों की खरीद-फरोख्त करने वाली भिखारी गैंग की सरगना अम्मा (मल्लिका प्रसाद) से जुड़ते हैं। निर्मम अम्मा मासूम बच्चियों से लेकर दुधमुंहे बच्चों तक, किसी को भी बड़ी बेदर्दी से मौत की नींद सुलाने में वक्त नहीं लगाती। शिवानी जैसे-जैसे इस केस में घुसती है, इसकी जड़ें कहीं ज्यादा गंभीर अपराध की दलदल में धंसी होती हैं? क्या शिवानी इन बच्चियों को बचा पाती है? किडनैपिंग की ये कड़ियां कहां तक जुड़ी होती हैं? यह जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

### मूवी रिव्यू

आयुष गुप्ता, दीपक किंगरानी और बलजीत सिंह मारवाह की लिखी इस कहानी की दुनिया जानी-पहचानी है। गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग, बच्चों से भीख मंगवाना या ऑर्गन ट्रैफिकिंग की कहानियां पहले भी कई फिल्मों और वेब सीरीज में देखी जा चुकी हैं, इसके बावजूद यह केस एक नए मुकाम तक पहुंचता है। आयुष गुप्ता का कसा हुआ स्क्रीनप्ले बांधे रखता है। उनके डायलॉग भी प्रभावी हैं। अम्मा और शिवानी के बीच एक-दूसरे की औकात दिखाते डायलॉग सिटीमार साबित होते हैं। फिल्म में एक के बाद एक ट्विस्ट और टर्न भी आते रहते हैं। हालांकि, अगर आप इन्वेस्टिव थ्रिलर फिल्मों के शौकीन हैं तो कुछ प्लॉट ट्विस्ट का अंदाजा पहले भी लगा सकते हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान इस बार अभिराज मीनावाला ने संभाली है, जो मर्दानी की पिछली फ्रेंचाइजी के साथ न्याय करने में सफल रहे हैं।

### क्यों देखें

हर बार लड़कियों को ही निशाना क्यों बनाया जाता है? यह सवाल पूछती रानी मुखर्जी की यह फिल्म मर्दानी 3 देखी जानी चाहिए।

दूसरे दिन पारंपरिक व्यंजनों और शास्त्रीय संगीत का अनूठा संगम

# मानव संग्रहालय में मिलेट्स का महाकुंभ

**जागरण, भोपाल।** राजधानी के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित श्री अन्न- राष्ट्रीय श्री अन्न महोत्सव-2026 के दूसरे दिन भी मिलेट्स (मोटे अनाज) की महक और लोक संस्कृति की चमक बिखरी रही। शनिवार को महोत्सव का माहौल न केवल स्वाद से भरा रहा, बल्कि विभिन्न राज्यों की पारंपरिक खाद्य प्रणालियों और आधुनिक नवाचार का एक सुंदर कोलाज भी देखने को मिला। कार्यक्रम में उत्तराखंड की विख्यात रेड राइस लेडी स्वतंत्रि बंधानी आकर्षण का केंद्र रहीं। उन्होंने लाल चावल के संरक्षण की अपनी यात्रा साझा की, साथ ही उत्तराखंड के पारंपरिक लाल भात, राजमा और झांगोरे की खीर के अनूठे स्वाद से भोपालवासियों का परिचय कराया। महोत्सव में महाराष्ट्र से लेकर सिक्किम तक के स्टॉल्स पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

### सांस्कृतिक संध्या

मैहर बैंड की गूंज और विदुषी भारती की गायकी शाम का सत्र सुरों के नाम रहा। प्रसिद्ध मैहर बैंड ने राग यमन और राग बागेश्री की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जल तरंग पर सौरभ कुमार चौरसिया और सरोद पर बृजेश द्विवेदी की जुगलबंदी ने शास्त्रीय संगीत की गरिमा को जीवंत किया। इसके बाद भोपाल की विदुषी भारती विश्वनाथन ने मुरलिया वाले कब आओगे जैसी रचनाओं से सांस्कृतिक संध्या को भावनात्मक ऊंचाई दी।

### चर्चा और सशक्तिकरण

सिर्फ भोजन नहीं, भविष्य है श्री अन्न दूसरे दिन एक विशेष परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें मिलेट्स विशेषज्ञ निकिता साकी और सुश्री मुनिया ने शिरकत की। वक्ताओं ने जोर दिया कि श्री अन्न केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की खाद्य सुरक्षा का समाधान है। इसमें महिला सशक्तिकरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अपार क्षमता है।

मातृभाषा समारोह

## मंच पर उतरी भारत की सांस्कृतिक विविधता

**जागरण, भोपाल।** मातृभाषा मंच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मातृभाषा समारोह के दूसरे दिन शनिवार को देश की भाषाई और सांस्कृतिक विशिष्टता का भव्य प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रकवि दिनकर की ओजस्वी कविताओं के साथ हुई, जिसके बाद भारत के विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में तेलुगु का भरतनाट्यम, मराठी का आई साहेब गीत, मलयालम की रिदम ऑफ केरला और गढ़वाली पांडव नृत्य के माध्यम से देश के अलग-अलग कोनों की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत किया गया। विशेष आकर्षण पंजाबी प्रस्तुति रही, जहां एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों (दादी, बहू और पोती) ने एक साथ मंच साझा कर मातृभाषा के प्रति अटूट प्रेम का संदेश दिया। वहीं, नेपाली भाषा में प्रस्तुत सीता नाटिका ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। समारोह का मुख्य केंद्र गुरु तेग बहादुर के बलिदान पर आधारित ऐतिहासिक नाटिका रही, जिसने नौवें सिख गुरु के साहस और धर्मरक्षा की गाथा को बखूबी दर्शाया।

# हर बार औरतों के हाथ रहा ईरानी इंकलाब का परचम

**ईरान में 1979 में जब इस्लामी क्रांति ने दस्तक दी और आयतुल्लाह खुमैनी पेरिस से तेहरान पहुंचे, तब उनके स्वागत में ईरानी औरतें आगे-आगे थीं। इन्हीं औरतों ने शाह पहलवी के खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे। अब वही औरतें उसी मजहबी सत्ता के खिलाफ जंग लड़ रही हैं। ईरान के मौजूदा हालात के पसमंजर में हिजाब के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन का बड़ा हाथ है, जो सितंबर 2022 में महसा अमीनी के कत्ल के बाद से ईरान ही नहीं, विदेशों में भी फैल गया था।**

● सुहेल वहीद ●

ईरान में लगातार उस आंदोलन का दमन किया जाता रहा, पर वह रह-रहकर उभर आता है। नवंबर 2024 में तेहरान यूनिवर्सिटी में एक छात्रा हिजाब के खिलाफ इतनी गुस्से में आ गई कि वह अपने कपड़े उतारकर कैंपस में घूमने लगी थी। हिजाब, महिला अधिकार और मानव अधिकारों के हनन के खिलाफ जद्दोजहद के लिए पूर्व अभिनेत्री और इंजीनियर नरगिस मोहम्मदी करीब 13 साल जेल में गुजार चुकी हैं, उन्हें साल 2023 में शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था।
ईरान में जब कभी कोई आंदोलन हुआ या क्रांति आई, उसमें ईरानी औरतों ने जबर्दस्त रोल अदा किया है। 1979 के 'इस्लामी इंकलाब' के लिए भी ईरानी औरतों ने गोलियां खाई थीं। इस ऐतिहासिक घटना के करीब आठ साल पहले विख्यात लेखिका पद्म विभूषण कुर्रतुल ऐन हैदर ईरान गई थीं और वापस आने के बाद उन्होंने एक शानदार रिपोर्ताज कोहे दमावंद लिखा। उसमें उन्होंने उस वक्त के शाही ईरान का बड़ा उम्दा मंजरनामा पेश किया है। ज्ञानपीठ से सम्मानित कुर्रतुल ऐन हैदर तब ईरान के शाह की मेहमान थीं।
एक कार्यक्रम के बारे वह में लिखती हैं, 'तीसरे रोज अमजदिया स्टेडियम में तकरीबन पचास हजार नौजवान लड़के-लड़कियों ने वर्जिशी मुकाबले पेश किए। लड़कियां लड़कों के साथ कराटे लड़ीं, मोटर बाइक सवार जनाना पुलिस की लड़कियों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। आग के चक्करों से अपनी मोटरसाइकिलें कुदा ले गईं। ईरानी महिलाओं की यह तरक्की वाकई काबिले तारीफ थी, इसकी शुरुआत रजा शाह कबीर ने की थी। प्रोग्राम में पूरे ईरान की महिला कॉलेजों और स्कूलों की लड़कियां हिस्सा ले रही थीं। तब रानी शहबानो के सानो गुमान में न था कि यही छात्र और बुद्धिजीवी शहंशाहियत के खिलाफ संघर्ष का आगाज करेंगे। उनकी तस्वीरें जलाएंगे, 'मर्ग बरशाह' के नारे लगाएंगे और खुशी-खुशी मशीनगनों का निशाना बनेंगे। ये मोटर बाइक सवार और जूडो-कराटे करने वाली लड़कियां कौमी जद्दोजहद के सिंबल के तौर पर सियाह चादरें ओढ़कर उस इंकलाब में शामिल होंगी। उनको और मुझ समेत अनेक लोगों को उस वक्त मालूम न था कि ये नई मिडिल क्लास लड़कियां आठ साल बाद शहंशाहियत के खिलाफ मोर्चा लगाकर तेहरान के इस मैदान में गोलियों का निशाना बन जाएंगी, जिसे अब ईरानी 'शिकारगाहे शहंशाही' कहते हैं।'

## 1964 से सड़कों पर उतर आई थीं ईरानी औरतें

दिलचस्प यह है कि खुमैनी को जब 1964 में देश निकाला दिया गया, तब ईरानी औरतों ने सड़कों पर जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे और 1978 आते-आते हर तबके की ईरानी औरतें शाह के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी थीं। इन प्रदर्शनों में 1963 की पश्चिमी सभ्यता को थोपने वाले 'काफूरी इंकलाब' व शाह की खुफिया पुलिस के रवैये का भी बड़ा हाथ था। इस समय ईरान का सबसे बड़ा हिमायती रूस है। उसी के खिलाफ 1911 में ईरानी औरतों ने संसद के सामने जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे, बहारिस्तान स्क्वॉयर में जोरदार तकरीरें कीं और नज्में पढ़ी थीं। रजा शाह कबीर ने 1937 में गर्ल्स कॉलेज खोला और ईरानी औरतों की दुनिया बदल दी। 1962 में ईरानी औरतों को वोट का अधिकार भी शाह ने ही दिया था। लेकिन, अब वहां की इविन जेल औरतों के लिए काल-कोठरी बन गई है। कितनी महिलाएं जेल में हैं, कोई नहीं जानता। पिछले साल मार्च में एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था ईरान में औरतों व लड़कियों के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव, हिंसा तथा महिला अधिकारों का खुला हनन हो रहा है।

# कुछ नया खोज पाना एआई के बस की बात नहीं

**इटली के फ्लोरेंस शहर में, प्रसिद्ध फ्लोरेंस कैथेड्रल के ठीक सामने एक बहुत पुराना चर्च है, सैन जियोवानी का बैपटिस्टी। प्राचीन रोम की वास्तुकला की स्पष्ट छाया होने के बावजूद, यह आज भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है कि किसने और किन परिस्थितियों में इसका निर्माण करवाया। 2020 की शुरुआत में मैंने इसकी ऐतिहासिक जड़ों की तलाश शुरू की। वर्षों तक दस्तावेजों को खंगालने और गहन शोध के बाद, मैं एक अहम निष्कर्ष पर पहुंचा। यह चर्च 1073 में पोप ग्रेगरी सप्तम के चुनाव के बाद, उनके ही नेतृत्व में बनवाया गया था। मेरा यह शोध उस समय पूरा हुआ, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बड़े भाषा मॉडल अभी आम चर्चा का विषय नहीं बने थे।**

● एलन डैनजिगर, द न्यूयॉर्क टाइम्स ●

हाल ही में, मेरे मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या आज का कोई चैटजीपीटी सरीखा एआई टूल ऐसे सदियों पुराने रहस्य को मुझसे ज्यादा तेजी से सुलझा सकता था? एक व्यक्तिगत प्रयोग के तौर पर मैंने अपनी खोज के अलग-अलग पहलुओं पर तीन एआई चैटबॉट- चैटजीपीटी, क्लाउड और जेमिनी को आजमाया। मेरा उद्देश्य यह जानना था कि क्या ये टूल वही सुराग पहचान पाते हैं, उनकी अहमियत समझ पाते हैं और उसी निष्कर्ष तक पहुंच पाते हैं, जिन तक मैं वर्षों की जांच के बाद पहुंचा था। नतीजा निराशाजनक रहा, क्योंकि चैटबॉट इसमें असफल साबित हुए।
हालांकि, ये एआई टूल बैपटिस्टी की उत्पत्ति से जुड़े जटिल व कठिन तथ्यों को समझने में सक्षम थे, लेकिन वे किसी नए विचार या मौलिक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सके। उनमें वह बुनियादी गुण नहीं था, जो किसी खोज के लिए आवश्यक होता है। इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल, बड़े लैंग्वेज मॉडल किसी भी इन्सान से कहीं ज्यादा पढ़ चुके होते हैं, पर जब एआई पढ़ता है, तो वह असल में अर्थ नहीं, बल्कि पैटर्न पहचानता है। ऐसे विचार, जो प्रचलित सोच को चुनौती देते हैं, अक्सर इस प्रक्रिया में छूट जाते हैं। जबकि वास्तविक खोज इन्हीं असामान्य बिंदुओं से जन्म लेती है। यदि मैं इन पर ध्यान न देता, तो शायद मैं भी कभी इस खोज तक नहीं पहुंच पाता। उदाहरण के तौर पर, फ्लोरेंस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुइडो टिगलर की किताब टस्काना रोमनिका में बैपटिस्टी के निर्माण से जुड़े तर्क को अधिकांश विद्वान स्वीकार नहीं करते। जब मैंने चैटबॉट से बैपटिस्टी के रहस्य को सुलझाने के स्रोतों के बारे में पूछा, तो उन्होंने इस किताब का कोई जिक्र नहीं किया।
सदियों तक यह माना जाता रहा कि 1059 में पोप निकोलस द्वितीय ने सैन जियोवानी के बैपटिस्टी को पवित्र किया था।

**वास्तविक खोज के लिए तथ्यों को जोड़ने के बजाय नए व अप्रत्याशित ढंग से सोचना पड़ता है, जो एआई के बस की बात नहीं।**

पर वास्तव में, इसका कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह धारणा केवल दस्तावेजों से निकाले गए अनुमान पर आधारित है, जिनमें उस वर्ष पोप निकोलस द्वितीय की अन्य फ्लोरेंटाइन चर्चों से जुड़ी गतिविधियों का उल्लेख मिलता है। जब मैंने एआई चैटबॉट्स से कहा कि वे इस विसंगति को पहचानने की कोशिश करें, तो नतीजे चौंकाने वाले थे। चैटजीपीटी और क्लाउड इस विरोधाभास तक तो पहुंच गए, लेकिन वे यह समझने में असफल रहे कि यह तथ्य संदिग्ध क्यों है। वहीं जेमिनी ने तो ऐसे सबूत ही गढ़ दिए, जिनसे यह भ्रम दूर होता हुआ प्रतीत होने लगा। किसी भी शोध के लिए तीन बातें जरूरी होती हैं-स्थिति का सटीक आकलन, समस्या की पहचान करना और यह स्पष्ट करना कि वह क्यों गंभीर है? बड़े भाषा मॉडल इन तीनों स्तरों पर संघर्ष करते दिखाई दिए।
वास्तव में, इस रहस्य की असली कुंजी बैपटिस्टी की वास्तुकला में ही छिपी थी कि इसे किसने बनाया था। दरअसल, इसकी संरचना प्राचीन रोम के पैंथियन से गहराई से प्रेरित है। यह इमारत ठीक उसी प्रकार की चर्च वास्तुकला थी, जिसे ग्रेगरी सप्तम बढ़ावा देना चाहते थे। मध्ययुगीन इतिहास के बिखरे हुए तथ्यों को एक नई व्याख्या में जोड़ना केवल सूचनाओं को जोड़ने का काम नहीं था, बल्कि उनके बीच छिपे अर्थ को पहचानने की प्रक्रिया थी। एआई इस तरह के ऐतिहासिक टुकड़ों को इकट्ठा करने और व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को तेज तो कर सकता है, पर वास्तविक खोज केवल जानकारी को जोड़ने से नहीं होती। उसके लिए नए और अप्रत्याशित संबंधों को देखना पड़ता है।
मेरे प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ कि मौजूदा एआई तकनीक अभी इस स्तर की रचनात्मक समझ से काफी दूर है। खोज अब भी एक मानवीय प्रयास है। यह उस विशिष्ट मानवीय प्रवृत्ति से जन्म लेती है, जिसमें हम उन चीजों पर ध्यान देते हैं, जो तयशुदा पैटर्न में फिट नहीं बैठतीं और फिर उन्हें गहराई से समझने की कोशिश करती हैं, जो कि शायद एआई के भीतर नहीं हैं।
यह एक नया एआई एजेंटिक टूल है, जिसे एंथ्रोपिक कंपनी ने विकसित किया है। यह साधारण चैटबॉट्स से अलग है, क्योंकि यह सिर्फ सलाह नहीं देता, बल्कि एक डिजिटल सहकर्मी की तरह उपयोगकर्ताओं के लिए काम भी कर सकता है। उपयोगकर्ता इसे अपने कंप्यूटर के किसी खास फोल्डर का एक्सेस दे सकते हैं। यह उस फोल्डर की फाइल्स को पढ़कर उसे एडिट कर सकता है और नई फाइल्स बना भी सकता है। जब इसे कोई काम सौंपा जाता है, तो यह खुद एक योजना बनाकर चरण-दर-चरण प्रक्रिया तय करके काम पूरा करता है। इसके लिए कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं है। उपयोगकर्ता इसे हिंदी या अंग्रेजी में निर्देश दे सकते हैं।

# जब धर्मेंद्र ने खुद ही भीड़ को कंट्रोल किया....

**बॉलीवुड के ही मैन धर्मेंद्र कुछ ही दिनों पहले अलविदा कह गए हैं। उनके भारतीय सिनेमा को दिए योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत वर्ष 2026 के पद्म विभूषण पुरस्कार से नवाजा है। इस मौके पर धर्मेंद्र के फिल्मी जीवन से जुड़ा एक किस्सा यहां प्रस्तुत है, जो यह बताता है कि इतने बड़े स्टार कलाकार होते हुए भी वे आमजन के कितने करीब थे।**

फिल्ममेकर अनुराग बसु की पत्नी तानी का आइडिया था कि फिल्म 'लाइफ़ इन ए मैट्रो' में नफ़ीसा अली को धरम जी के अपोजिट कास्ट किया जाए। धरम जी के इस दुनिया से जाने के बाद अनुराग बसु ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब धरम जी और नफ़ीसा अली जी को कास्ट करने का विचार उन्होंने किया था उस वक्त वो दोनों ही मेंबर ऑफ़ पार्लियामेंट थे। इस फिल्म में एक दृश्य है जिसमें धरम जी और नफ़ीसा जी के किरदार जब सालों बाद मिलते हैं तो उनके बीच नज़दीकियां बढ़ती हैं। और दोनों किस करते हैं। धरम जी और नफ़ीसा जी को कास्ट करने से पहले अनुराग बसु को लग रहा था कि ऐसा ना हो धरम जी और नफ़ीसा जी वो किस सीन करने से इन्कार कर दें। हालांकि जब हिम्मत करके अनुराग बसु ने इन दोनों कलाकारों से किस सीन के बारे में बताया तो दोनों ने ही कोई असहजता नहीं दिखाई। एकदम नॉर्मल रहे दोनों।
फिल्म में दिखाया गया है कि अमोल(धर्मेंद्र) और शिवानी(नफ़ीसा अली) दोबार उसी स्टेशन पर मिलते हैं जहां बरसों पहले वो दोनों जुदा हुए थे। वो दृश्य मुंबई के सियोन स्टेशन पर फिल्माया गया था, जो कि काफ़ी व्यस्त रहने वाले स्टेशन्स में से एक है। इस दृश्य को फिल्माने में काफ़ी चुनौतियां भी अनुराग बसु को फेस करनी पड़ी थी। क्योंकि धरम जी बहुत बड़े स्टार थे। उनके साथ भीड़ के बीच में शूटिंग करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। रेलवे से जब शूटिंगकी परमिशन मिल गई तो अनुराग बसु ने अपनी तैयारी शुरू कर दी। शूटिंग वाले दिन उन्होंने धरम जी को बहुत देर तक वैनिटी वैन में ही बिठाए रखा। फिर जब शूट का वक्त आया तो कुछ क्र्यू मेंबर्स छातों की आड़ में धरम जी को प्लेफॉर्म तक लेकर आए। और फौरन ही शूट स्टार्ट कर दिया या। सीन के मुताबिक़ धरम जी दूसरे प्लेफॉर्म पर बैठी नफ़ीसा अली को निहार रहे थे।
मगर तभी पास से गुज़र रहे एक व्यक्ति ने धरम जी को देख लिया। और उसने ज़ोर से धरम जी का नाम पुकारा। धरम जी ने भी उसकी तरफ़ देखा और हाथ हिलाया। फिर तो स्टेशन पर मौजूद लगभग सभी लोगों को पता चल गया कि धर्मेंद्र यहां शूटिंग कर रहे हैं। और धरम जी के चारों तरफ़ भीड़ लग गई। वो नज़ारा देखकर अनुराग बसु को फिक्र होने लगी कि इस दृश्य को पूरा कैसे किया जाएगा? क्योंकि सीन में तो धरम जी को ट्रैक पर कूदकर दूसरी तरफ़ अपनी लेडी लव नफ़ीसा अली के पास जाना था। और उनसे कहना था कि इतने सालों में वो ज़रा भी नहीं बदली हैं।
भीड़ को हटाने का अनुराग बसु को कोई आईडिया सूझता, उससे पहले धरम जी ने ही अपने चारों तरफ़ मौजूद लोगों की भीड़ से हाथ जोड़कर कहा कि प्लीज़ हमें शूट करने दीजिए। धरम जी के इतना कहते ही लोग बिल्कुल शांत हो गए। अनुराग बसु ने बताया है कि लाइफ़ इन ए मेट्रो फिल्म के उस दृश्य में धरम जी के आस-पास जो पुरुष व महिलाएं नज़र आ रहे हैं, वो सभी वास्तव में मुसाफिर थे। और सभी धरम जी को करीब से देखने के लिए वहां आए थे। वैसे मैंने अभी-अभी वो दृश्य फिर से देखा है यूट्यूब पर। एक आदमी है जो कैमरे में एक बार घूरता है। नफ़ीसा जी अब 69 साल की हो गई हैं। 18 जनवरी 1957 को नफ़ीसा जी का जन्म हुआ था। ईश्वर उन्हें हमेशा स्वस्थ रखें।

# मुंबईकरों का भाषा प्रेम, दिखावे का उत्कृष्ट उदाहरण

● ट्विंकल खन्ना ●

मुंबई में चुनाव की सुबह एक जानी-पहचानी लय होती है, सुबह 8 बजे घर में हल्की-फुल्की घरेलू लड़ाई शुरू हो जाती है। अपनी बेटी के साथ इस बात पर थोड़ी बहस हुई कि उसका स्कूल क्यों खुला है जबकि चुनाव की वजह से दूसरे स्कूल बंद हैं, मैंने उसे हंसी में टालते हुए कहा- तुम जिस एक ही कैंडिडेट को सपोर्ट करोगी, वह मिस्टर बीस्ट हैं, और मैंने चेक किया है, वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इसलिए स्कूल जाओ। इसके बाद मैंने घर के मुखिया (अक्षय)को अलविदा कहती हूँ, जो ठीक 7.15 बजे वोट दे चुके थे। हालांकि हम दोनों इस बात पर सहमत हुए थे कि हमारा वोट देना पूरी तरह से बेकार है क्योंकि हम एक-दूसरे को कैंसल कर देंगे। हमारे घर का एक वोट उसकी पार्टी के लिए, एक मेरी पार्टी के लिए, ही होगा।
मैं पोलिंग बूथ में घुसी और अपनी बारी का इंतज़ार किया। सामने वाली महिला ने ध्यान से देखा और कहा, मैं आपको पहचानती हूँ। मैं प्यार से मुस्कुरा दी। फिर उसने कहा, रवीना टंडन, है ना? मैंने इनकार किया। उसने ज़ोर दिया। मैंने जीत के साथ अपना वोटर आईडी लहराया, सिर्फ़ एलिजिबिलिटी के सबूत के तौर पर नहीं, बल्कि उसकी कमज़ोर होती नजर के सबूत के तौर पर। मुझे वोटिंग रूम में ले जाया गया। डेमोक्रेसी की पवित्रता के बारे में ढेर सारे भाषणों के बावजूद, मुझे एक ऐसे सेटअप के पीछे जाने के लिए कहा गया, जिस पर आसानी से शक कर सकते थे, क्योंकि यह किसी स्कूल के साइंस प्रोजेक्ट जैसा लग रहा था। वोटिंग मशीन एक कार्डबोर्ड बॉक्स के पीछे छिपी हुई थी, जो ऐसा दिखता था जैसे अस्सी के दशक के आखिर में कभी इसमें ओनिडा टीवी रखा गया हो। वोट देकर बाहर निकलते समय, एक फ्रेंडली पुलिसवाले ने मुझे सेल्फ़ी के लिए रोका। उसने कहा, 'मैडम, आप असल जिंदगी में ज़्यादा अच्छी लगती हैं।' मैंने थोड़ी देर सोचा कि यह तारीफ़ है या बेइज़्ज़ती, फिर उससे सवाल न करने का फ़ैसला किया। उसके पास बंदूक थे और मेरे पास सिर्फ आइब्रो ट्वीजर... जाहिर है हम बराबर नहीं थे।
दोपहर में मैं आमिर खान की इलेक्शन में वोटिंग की एक क्लिप देखता हूँ। वह मराठी में बोलते हैं, उनसे हिंदी में अपना मैसेज दोहराने के लिए कहा जाता है, और वह जवाब देते हैं, 'हिंदी में? यह महाराष्ट्र है।' भाषा सच में, बीएमसी के लिए ड्रेनेज से भी बड़ा मुद्दा है। चुनावों से पहले, मराठी बनाम हिंदी को लेकर ज़ोरदार बहस हुई, और 2008 में, बीएमसी ने सारा एडमिनिस्ट्रेटिव काम सिर्फ़ मराठी में करने की कोशिश की। इसका हर मुमकिन भाषा में विरोध हुआ और तुरंत पीछे हटना पड़ा। आइडियोलॉजी तब तक पावरफुल होती है जब तक आपको लंबे फ़ॉर्म न भरने पड़ें। दोपहर 3.30 बजे अपनी बेटी को लेने जाते समय, मैं मुंबई एयरपोर्ट का रास्ता दिखाने वाले कई साइन बोर्ड देखकर सोच में पड़ गई, बेशक, इसे बॉम्बे एयरपोर्ट कहकर बड़ा हुआ हूँ। लेकिन जो बात मुझे कन्फ्यूज़ करती है, वह यह है कि मुंबई अभी भी हर जगह इंग्लिश में क्यों लिखा जाता है। अगर भाषा की प्योरिटी ही मकसद है, तो क्या हमें पूरी तरह से कमिटेड नहीं होना चाहिए?
मेरे पास उन नेताओं के लिए एक आसान टेस्ट है जो नाम, भाषा और साइन बोर्ड बदलना चाहते हैं। मैं उनसे पूछना चाहती हूँ कि उनके घर में किस तरह का टॉयलेट है। अगर यह कोई कोर्टरूम ड्रामा होता, तो कोई चिल्लाता, 'ऑब्जेक्शन, मिलॉर्ड' और मैं कहती, 'कोई कनेक्शन है।' क्योंकि अगर आप इंग्लिश के बहुत खिलाफ हैं, लेकिन हर सुबह इंग्लिश टॉयलेट पर बैठते हैं, तो इसमें, एक तरह का दोगलापन भी दिखता है। हालांकि, अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो मुझे लगता है कि हमारे ज़्यादातर पॉलिटिशियन इंडियन-स्टाइल टॉयलेट के लिए नहीं बने हैं। बैठने के लिए थोड़ी फ्लेक्सिबिलिटी और विनम्रता की ज़रूरत होती है। अगर वे सच में डीकोलोनाइज़ करना चाहते हैं, तो उन्हें पूरा इंग्लिश टॉयलेट बाहर फेंक देना चाहिए। ध्यान देने वाली बात है, मिलॉर्ड।
वापस आते समय, हमारी सड़कों की वैसी ही हालत देखकर मुझे यकीन हो गया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन जीतता है, हमारी सड़कें और हमारी किस्मत वैसी ही रहेगी। हम बीएमसी के यूनिक स्पेस प्रोग्राम के फायदे उठाते रहेंगे, जो चांद की जगहों को सीधे लोगों तक पहुंचाएगा। बीएमसी सच में बराबरी में यकीन करती है। उनका पक्का इरादा है कि हर मुंबईकर का अपना गड्ढा हो और उम्मीद है, हम जल्द ही उनका नाम भी रख पाएंगे, वो भी ठेठ मराठी में...।
आप देखिए, बॉम्बे, सॉरी, मुंबई आने के बाद मेरे कुत्ते का भी नाम बदल गया है। उसे कभी मिस्टर जीव्स कहा जाता था। लंदन में जन्मे, अपनी ज़िंदगी के पहले साल पी जी वोडहाउस के घर के पास ही पले-बढ़े, वे अकसर चुपचाप बैठते थे, अजनबियों को इग्नोर करते थे, और चुपचाप लोगों को जज करते थे, शायद यह ब्रिटिश ट्रेनिंग का सबसे ऊँचा तरीका था। फिर हम मुंबई वापस आ गए। आज, मिस्टर जीव्स को जीबू कहा जाता है, और यहाँ तक कि एकदम महाराष्ट्रियन लगने वाला जीवद्रा भी। मुझे पक्का नहीं पता कि कब, लेकिन किसी समय, उनका नाम और उनका नेचर दोनों बदल गए।
अब वे सिर्फ़ अजनबियों पर ही नहीं बल्कि रिश्तेदारों और हमारे हेल्पर्स पर भी भौंकते हैं। फिर वे उन पर इतनी तेजी से झपटते हैं कि उनके आखिरी दो पैर फिसलते हैं और सीधे उनकी कमज़ोरी पर गिरते हैं, जहाँ वे उन्हें काटते हैं, गुस्से में नहीं, बल्कि फ्रस्ट्रेशन में। वही फ्रस्ट्रेशन जो ठीक-ठाक मुंबईकरों को ट्रैफिक लाइट, स्टॉक मार्केट, गड्ढों और भाषा के बारे में म्युनिसिपल अनाउंसमेंट पर चिल्लाने पर मजबूर कर देती है। हम बाकी लोगों की तरह, जीव्स ने भी इस अफ़रा-तफ़री को अपने अंदर समा लिया है। तो अगर आपने कभी सोचा है कि मुंबई में लोग हमेशा इतने स्ट्रेस में क्यों रहते हैं, तो प्लीज़ मेरे कुत्ते को देखिए- पहले शांत, अब जंगली। आप जो भी नाम से सबसे ज़ोर से पुकारेंगे, वह उसे मानेगा, इस उम्मीद में कि अपना हक चुकाने के बाद, उसे किसी दिन एक-दो ट्रीट मिल जाएगी। मुंबई में, हम सबने अपने अंदर के 'जीव' द्रव्य को बाहर निकाल दिया है, इसलिए हम चलते रहते हैं, टूटे-फूटे फुटपाथों पर कूदते हैं, कचरे पर पैर रखते हैं, अपनी स्याही लगी उंगली बाहर निकालते हैं, उम्मीद से ज़्यादा आदत की वजह से।

**पिछले दिनों जब मुंबई में महानगरपालिका के चुनाव हुए, तो उस दिन वोट डालने जाना मानो एक किस्सा बन गया।**

# शपथ पत्र की अनिवार्यता के बाद झूठी शिकायतों को लेकर फिर छिड़ी बहस

**हिरदाराम नगर प्रतिनिधि।** लोक सेवकों की शिकायत के लिए शपथ पत्र अनिवार्य, यह निर्णय दिया है सुप्रीम कोर्ट ने। बीते मंगलवार 27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति किसी लोक सेवक के खिलाफ उसके अधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए किसी अपराध का आरोप लगाता है, तो ऐसी शिकायत के साथ शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट के दो विद्वान जजों ने यह फैसला सुनाते हुए भ्रष्टाचार और झूठे आरोपों पर लगाम लगाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। अब तक केवल न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों में ही शपथ पत्र अनिवार्य था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लोक सेवकों के मामले में भी यही व्यवस्था होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 175(3) के तहत दायर किसी भी आवेदन को मजिस्ट्रेट खारित कर सकता है, यदि आरोप पूरी तरह से निराधार या बेतुके हों। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद हर स्तर पर होने वाली शिकायतों को लेकर एक बार फिर बहस प्रारंभ हो गई है, चूंकि हर शहर में कुछ ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो झूठी शिकायतों के जरिए ब्लैकमैलिंग का काम भी कर रहे हैं। हालांकि 2005 में सूचना का अधिकार कानून जरूरी जानकारी जुटाने के लिए बनाया गया था, लेकिन ब्लैकमेलरों ने इसे हथियार बना लिया है। किसी भी व्यक्ति की निजता के खिलाफ ऐसी जानकारी आरटीआई में ली जा रही है, जो किसी भी व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत रूप से घातक बन रही है मसलन मकान का पट्टा, निर्माण की परमीशन आदि जबकि इससे तीसरे पक्ष को किसी तरह का हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। आरटीआई में यह भी उल्लेख है कि किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी देने के पहले उसकी सहमति जरूरी है, लेकिन नियमों की जानकारी के अभाव या यूं कहा जाए कि पैसे लेकर कतिपय अधिकारी एवं कर्मचारी आरटीआई में ऐसी जानकारी दे देते हैं, जिसे नहीं देना है। दरअसल आरटीआई का इतना दुरूपयोग हो रहा है कि अब इसे निरस्त करना ही लोक सेवक एवं समाज हित में है।

**संत नगर में गिरोह सक्रिय:** राजधानी भोपाल के व्यापारिक इलाके संत हिरदाराम नगर में एक ऐसा गिरोह लंबे समय से सक्रिय हैं, जिसमें कतिपय भाजपा, कांग्रेस के छुटभैये के अलावा कतिपय पत्रकार एवं कथित रूप से समाज सेवा का चोला पहनने वाले शामिल हैं। यह गिरोह जहां-जहां निर्माण चल रहा है, उसकी जानकारी कलेक्टर कार्यालय, नगर निगम आदि से निकलवाकर न केवल व्यक्तिगत दुश्मनी निकाल रहा है बल्कि जबरदस्त ब्लैकमेलिंग का काम भी कर रहा है और इसकी आड़ में सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ नकेल कसने वाली जांच एजेंसियों, नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय, पुलिस सहित अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी इसकी आड़ में भारी भ्रष्टाचार कर रहे हैं, जिससे समाज का आम व्यक्ति वर्तमान में बेहद त्रस्त है। सरकार को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

### सीएम हेल्प लाइन भी हथियार

न केवल आरटीआई बल्कि सीएम हेल्प लाइन का भी जबरदस्त गलत इस्तेमाल हो रहा है। सीएम हेल्प लाइन में भी 80 प्रतिशत शिकायतें विद्वेष की भावना को लेकर की जा रही हैं, किसी न किसी व्यक्ति में, उसके मकान, दुकान उसके कारोबार में कुछ न कुछ कमी तो होगी ही, बस ब्लैकमेलर इन कमियों का पता लगाकर आरटीआई एवं सीएम हेल्प लाइन के जरिए शरीफ आम लोगों एवं लोक सेवकों को निशाना बना रहे हैं।

### इस तरह की हो रही शिकायतें

वैसे तो शिकायतें हर तरह की होती हैं, लेकिन खासतौर पर निर्माण कार्य को लेकर शिकायतों का अंबार लगा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर किसी ने भी मकान या दुकान बनाई है, तो वह शत-प्रतिशत नगर निगम एवं नगर पालिका के नियमों पर खरी उतरे, कुछ न कुछ तो कमियां होती ही हैं, शिकायतकर्ता इस तरह के दुकानों व मकानों का फोटो खींचकर या आरटीआई में उसके कागजात निकालकर शिकायत कर देते हैं, इसके बाद या तो शिकायतकर्ता खुद निर्माण करने वाले के पास पहुंच जाता है, और कुछ देने की मांग करता है, अगर मामला नहीं बना, तो नगर निगम व कलेक्टर कार्यालय के कतिपय अधिकारी व कर्मचारी पहुंच जाते हैं और मकान तथा दुकान की नपती शुरू हो जाती है, इसके बाद लाखों का होता है भ्रष्टाचार। इस तरह के मामलों में जिन लोक सेवकों ने अपने जीवनभर की गाढ़ी कमाई से मकान बनाया है, उन्हें भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है, जबकि अधिकारी झूठी शिकायत की आड़ में भारी भ्रष्टाचार करते हैं।

### आरटीआई, सीएम हेल्प लाइन का दुरूपयोग, ब्लैकमेलिंग भारी भ्रष्टाचार

"हां स्पष्ट नाम पते की शिकायतों के अलावा आरटीआई एवं सीएम हेल्प लाइन का कतिपय लोग दुरूपयोग कर रहे हैं, इस तरह के अनेक मामले सामने आए हैं, जिससे समाज के आम शरीफ लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। झूठी शिकायतें कर छवि खराब करने या नुकसान करने वालों पर नकेल जरूरी है।

**रामेश्वर शर्मा**, विधायक भाजपा हुजूर

"फर्जी या दबाव बनाने वाली शिकायतों पर बिना सत्यापन के कार्रवाई होती है, तो हेल्पलाइन न्याय का मंच नहीं बल्कि भय का औजार बन जाती है। वास्तविक पीड़ित को राहत मिलने के बजाय आरोपी बना दिया जाता है और और शिकायत समझौते से समाप्त हो जाती है। यह प्रक्रिया सुशासन के मूल उद्देश्य के विपरीत है, जिसमें सुधार की जरूरत है।

**- दिलीप हिरोनी**, वरिष्ठ अधिवक्ता

# संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने किया कार्यक्रम

### वित्तीय साक्षरता पर तीन दिवसीय प्रोग्राम संपन्न

**हिरदाराम नगर प्रतिनिधि।** संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स के सहयोग से जनवरी माह में महिला सदस्यों के लिए वित्तीय साक्षरता पर तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम एसएचआईएम की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत संस्थान छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों के सतत् अधिगम और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देता है। इस एफडीपी में एसएचआईएम एवं नेचुरोपैथी संस्थानों के संकाय सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को व्यावहारिक वित्तीय ज्ञान से सशक्त बनाना था, ताकि वे अकादमिक शिक्षण के साथ-साथ समाज में भी वित्तीय जागरुकता का प्रसार कर सकें। तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति योजना, कर व्यवस्था एवं वित्तीय नियम, वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम तथा विभिन्न निवेश विकल्पों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के माध्यम से एसएचआईएम यह सशक्त संदेश देता है कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, जो शिक्षकों और छात्राओं दोनों के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक सत्रों के साथ हुआ, जिसने शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया।

# नगर की सुख-समृद्धि के लिए खेड़ापति माता मंदिर में पूर्णिमा पर आज होगी महाआरती

**मंडीदीप।** नगर की प्रमुख आराध्य देवी स्थल खेड़ापति माता मंदिर में माता रानी की कृपा एवं आशीर्वाद से प्रत्येक पूर्णिमा को संध्याकालीन महाआरती हो रही है। इसी क्रम में रविवार, 1 फरवरी को शाम 6 बजे पूर्णिमा पर विशेष महाआरती होगी। यह आयोजन नगर की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना के लिए किया जा रहा है। इस आयोजन में समस्त नगरवासी आयोजक के रूप में सहभागी होते हैं।

मंदिर समिति के अनुसार पिछली पूर्णिमा से प्रारंभ पावन क्रम अब प्रत्येक पूर्णिमा को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने घर से आटे के पांच दीपक बनाकर लाएं और माता रानी के चरणों में अर्पित करें। मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन अर्पित दीपकों से माता रानी प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महाआरती के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा समस्त नगरवासियों की सुख-समृद्धि और मंगल कामना के लिए सामूहिक प्रार्थना की जाएगी। सभी नगरवासियों से परिवार सहित आकर इस पुण्य आयोजन में सहभागिता करने का सादर अनुरोध किया गया है।

# 6 घंटे में 40 गायकों ने देशभक्ति गीतों से बांधा समां

### मार्निंग वाक एण्ड सिंगिंग ग्रुप का एक और आयोजन

**संत हिरदाराम नगर।** कभी अपने कमरे तक सीमित फिर आलीशान बोरवन पार्क में बिना माइक के गीत गुनगुनाने वाले फिल्मी गीत गाने के शौकीनों का अब मार्निंग वाक एंड सिंगिंग ग्रुप बन गया है, जिसके न केवल बोरवन पार्क बल्कि बाहर भी अनेक मंचों पर प्रोग्राम होने लगे हैं। इसी तरह का एक आयोजन एसजी हेरिटेज होटल संत हिरदाराम नगर में दोपहर 12 से शाम 6 बजे तक चला, जिसमें 40 कलाकारों ने देश भक्ति गीत संगीत का समा बांधा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुशील वासवानी पूर्व

अध्यक्ष आवास संघ मध्य प्रदेश शासन, विशेष अतिथि हीरो हिंदू अध्यक्ष हीरो फैंस क्लब, बसंत चेलानी सचिव संस्कार पब्लिक स्कूल एवं लक्ष्मणदास आसवानी संचालक एसजी हेरिटेज होटल रहे। खचाखच भरे हाल में मुख्य अतिथि सुशील वासवानी ने अपने संबोधन में ग्रुप के संचालक एवं पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई दी एवं संगीत को जीवन की रेखा बताया। हीरो हिंदू ने भी ग्रुप की पूरी टीम को बधाई दी। यहां कार्यक्रम एवं ग्रूप के अध्यक्ष रामचंद सभनानी एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी गई एवं ऐसे कार्यक्रम स्कूलों में रखने का सुझाव दिया, ताकि बच्चों में देश प्रेम की भावना जागृत हो। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों ने वरिष्ठ सिंगर बीनू यादव को बेस्ट फीमेल सिंगर का अवॉर्ड दिया गया। कार्यक्रम की एंकरिंग मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप के संचालक रामचंद सभनानी, उप संचालक आयोजक अशोक आडवानी एवं रोशनी मोहनानी ने की। कार्यक्रम में उप संचालक सुरेश तनवानी एवं उप सीके जेठानी का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर गणमान्य नागरिक आसुदोमल लाछवानी, दिलीप आसूदानी, हरीश सबनानी, रिंकू खूबचंदानी, अर्जुन गंगवानी उपस्थित थे। गायकों में मुख्य रूप से रमेश जनयानी, सुरेश तनवानी अशोक आडवानी, केएल मोटवानी, अनिल मोती रमानी, नरेश पेसवानी, रोशनी मोहनानी, मधु मोहनानी, रोशनी तनवानी, सेवक आहूजा, हरनाम पेसवानी, अमर रमानी, बीनू यादव, हरीश सावलानी, एडवोकेट राजू जाट, अशोक चंचलानी, राजू दादलानी सहित कई गायक उपस्थित थे।

### 14 वर्षीय तनिषा ने जीता स्वर्ण पदक लगातार दूसरे साल मिली सफलता

**हिरदाराम नगर प्रतिनिधि।** संत हिरदाराम नगर की होनहार 14 वर्षीय बेटी ने लगातार दूसरे साल भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। जाने माने वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी जीतू आसनानी की बेटी बेतनिषा आसनानी ने इंदौर में चल रहे खेलों के महाकुंभ खेलो एमपी यूथ गेम्स वेटलिफ्टिंग) में भोपाल जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 127 किग्रा वजन उठाकर लगातार दूसरे वर्ष स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इस खेल में पूरे प्रदेश के अलग-अलग जिलों से 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। तनिषा प्रतिदिन 2 से 3 घंटे अपने पिता एवं कोच जितेंद्र आसनानी के प्रशिक्षण में अभ्यास करती हैं। इस उपलब्धि पर उन्हें विधायक रामेश्वर शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता राम बंसल रैनवाल, मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, उपध्यक्ष नरेश चोटरानी, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी आदि ने बधाई दी है।

# पीएमश्री शासकीय कन्या विद्यालय में कैरियर मेले का सफल समापन

**बैरसिया।** पीएम श्री शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या विद्यालय में मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 27 से 31 जनवरी तक आयोजित करियर मेला एवं करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ।

प्राचार्य गीता जोशी ने बताया कि छात्राओं को भविष्य के लिए सही दिशा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैरियर मेले का विधिवत शुभारंभ 27 जनवरी को किया गया था। जिसमें आईटीआई बैरसिया के शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए छात्राओं को आईटीआई से संबंधित विभिन्न ट्रेडों एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक दिन निर्धारित समय सारिणी अनुसार भोपाल एवं बैरसिया के विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रोफेसरों ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं को उच्च शिक्षा एवं कैरियर विकल्पों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। छात्राओं ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया और विशेषज्ञों से अपने कैरियर संबंधी प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। समापन दिवस 31 जनवरी को बैरसिया थाना प्रभारी बीरेंद्र सेन एवं महाविद्यालय बैरसिया की प्रोफेसर प्रतीक्षा सेन ने छात्राओं को कैरियर, अनुशासन एवं जीवन मूल्यों पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक दिनेश शुक्ला, शिशुपाल सिंह राजपूत, सुजाता पुरोहित, निधि श्रीवास्तव, विवेक द्विवेदी, एमएस ठाकुर, सुरेश कुमार अहिरवार, किरण निखोरिया, सहाना कोसर सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक दिनेश कुमार शुक्ला द्वारा किया गया।

### चाणक्य पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की दी विदाई

**जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज।** चाणक्य पब्लिक इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल, ओबेदुल्लागंज में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा को सम्मानपूर्वक विदा देना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करना रहा। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन संस्था संस्थापक सीएस सिंह एवं संस्था प्राचार्य भूपेंद्र कौर ने की । इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें गीत, नृत्य एवं मनोरंजक गतिविधियां शामिल रहीं। जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर्स के लिए विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत कर उन्हें भावुक कर दिया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के महत्व को समझाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

# बालमुकुंद पाल की स्मृति में मंडीदीप में हृदय रोग निवारण शिविर आज

**मंडीदीप।** उबुन्तु हार्ट एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा बालमुकुंद पाल (मास्साब) की स्मृति में रविवार, 1 फरवरी 2026 को मंडीदीप में निःशुल्क हृदय रोग निवारण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयोजित होगा, जिसमें पात्र मरीजों को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध होगा शिविर का आयोजन रेलवे स्टेशन रोड, महाराष्ट्र बैंक के बाजू में, विजय मार्केट, मंडीदीप में किया जाएगा। शिविर सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। इस शिविर में देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त डॉ. (प्रो.) सुब्रोतो मंडल, इंटरनेशनल कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा मरीजों की जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। शिविर के दौरान हृदय रोग से संबंधित डॉक्टर परामर्श, ईसीजी, ब्लड शुगर जांच, ब्लड प्रेशर, पल्स एवं वजन मापन की सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी।

आयोजकों के अनुसार जिन लोगों को सीने में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, अत्यधिक थकान, छाती में जलन, घबराहट, अनियमित धड़कन, चक्कर आना, बेहोशी, कम या अधिक रक्तचाप जैसी समस्याएं हैं, उन्हें शिविर का लाभ अवश्य लेना चाहिए। विशेष रूप से पुराने हार्ट अटैक से ग्रसित मरीज, जिनकी एंजियोप्लास्टी या बायपास सर्जरी हो चुकी है, साथ ही बीपी, शुगर, थायरॉइड, मोटापा एवं धूम्रपान की समस्या से जूझ रहे लोगों से संपर्क करने की अपील की गई है। आयोजकों ने बताया कि मरीज अपने पुराने पर्चे व जांच रिपोर्ट साथ लेकर आएं। शिविर में कोविड नियमों का पालन अनिवार्य होगा, अतः सभी लोग मास्क पहनकर आएं और सामाजिक दूरी बनाए रखें।

**NAME CHANGE**

I, Poonam Devi is legally wedded spouse of JC- 533649F Rank Sub Name Sanjaya Rawat presently residing at Mohalla Badaripur, PO- Badaripur, NO Teh - Dehradun, Distt - Dehradun, PIN- 248005I have changed my Name from POONAM DEVI to POONAM RAWAT (Proposed New Name of Spouse) due to variation in service documents & civil documents. That my date of birth is 24 Sep 1987.That both names Poonam Devi to Poonam Rawat pertain to one and the same person.

## SUDOKU 135

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | 8 | | 4 | | 2 | 9 |
| | 8 | | | | | | 1 | |
| | | | | 5 | | 3 | | |
| | | | | 7 | 9 | | | |
| 9 | 2 | | | 1 | | | 5 | 3 |
| | | | 2 | 4 | | | | |
| | | 9 | | 8 | | | | |
| | 6 | | | | | | 8 | |
| 7 | 4 | | 3 | | 6 | | 9 | |

## SOLUTIONS 134

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 | 7 | 3 |
| 8 | 9 | 1 | 6 | 3 | 7 | 2 | 4 | 5 |
| 3 | 5 | 7 | 4 | 2 | 8 | 6 | 9 | 1 |
| 7 | 3 | 6 | 5 | 8 | 4 | 9 | 1 | 2 |
| 1 | 2 | 8 | 9 | 6 | 3 | 4 | 5 | 7 |
| 5 | 4 | 9 | 7 | 1 | 2 | 3 | 8 | 6 |
| 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 9 | 5 | 3 | 4 |
| 9 | 7 | 5 | 3 | 4 | 6 | 1 | 2 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 2 | 5 | 1 | 7 | 6 | 9 |

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

## राशिफल

**मेष :** आज का दिन व्यर्थ की भागदौड़ में बीतने वाला है स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रह सकते हैं। परिवार में आपसी मनमुटाव दूर करने का प्रयास करें। वाणी में संयम रखें।

**वृषभ :** आज का दिन आप किसी विशेष काम को लेकर बहुत परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति से जूझना पड़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

**मिथुन :** आज आपका कोई पुराना मित्र आपसे मिल सकता है साथी व्यापार व्यवसाय में बड़े आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं।

**कर्क :** आज का दिन आपके लिए बहुत अहम रहने वाला है। किसी नए बड़े कार्य की योजना मन में बन सकती है व्यापार व्यवसाय में बड़ा निवेश का योग बना है।

**सिंह :** आज आप शारीरिक तौर से खुद को काफी कमजोर महसूस करेंगे जिस कारण आपका किसी भी काम में मन नहीं लगेगा। वाणी पर संयम रखें वाहन आदि के चलने में सावधानी बरतें।

**कन्या :** वाहन आदि चलाने में सावधानी रखें। आज आपका मन अशांत रहेगा। वाद विवाद में फंसने से बचें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

**तुला :** आज आप अपने परिचित व्यक्ति के साथ कहीं बाहर की यात्रा पर जा सकते हैं। आज आपकी यात्रा मंगलमय होगी जिस उद्देश्य के लिए आप जा रहे हैं वह आपका कार्य सफल होगा।

**वृश्चिक :** आज का दिन आपका लकी होने वाला है आप जिस कार्य में हाथ डालेंगे उसमें सफलता प्राप्त होगी सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

**धनु :** आज आपका दिन उदासी से भरा रहेगा। व्यापार व्यवसाय में बड़ा निवेश करना भी आपके लिए ठीक नहीं। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

**मकर :** आज आप अपने लिए कुछ बातों को सोचकर चिंतित हो सकते हैं। परिवार में विरोधियों की संख्या बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

**कुंभ :** आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा आप किसी नए कार्य की ओपनिंग कर सकते हैं जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

**मीन :** आज का दिन आपका सामान्य रहेगा। परिचित व्यक्ति को बड़ी धनराशि उधार देना आपकी बड़ी भूल होगी। स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानियां सामने आ सकती हैं।

**आज का पंचांग:** 01 फरवरी रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्यौहार :** माघी पूर्णिमा, संत रविदास जयंती, भैरव जयंती, चतुर्दशी तिथि क्षय। **भद्रा :** प्रातः 5.53 बजे से सायं 4.46 बजे तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, माघ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तत्पश्चात फाल्गुन प्रतिपदा, पुष्य नक्षत्र तत्पश्चात अश्लेषा नक्षत्र, कर्क में चंद्रमा। **राहुकाल :** शाम 4.30 से 6 बजे तक रहेगा।

# कंटेनर में ठूंस-ठूंस कर भरे थे 16 मवेशी, केस दर्ज

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** ऐशबाग पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोपी कंटेनर में 16 मवेशी ठूंस-ठूंस कर ले जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात को मुखबिर से सूचना मिली थी एक कंटेनर में मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर ले जाया जा रहा है। पुलिस ने रात 11 बजे सुभाष ओवर ब्रिज के पास से संदिग्ध कंटेनर को रोका।

### मानस कल्याण समिति आज मनाएगी स्थापना दिवस

**जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज।** नगर में धर्म आस्था संस्कृति का मुख्य केंद्र श्रीराम मंदिर मानस कल्याण समिति रविवार माघ तिथि पूर्णिमा को अपना छप्पनवां स्थापना दिवस मनाएगी। समिति अध्यक्ष बहादुर सिंह राजपूत ने बताया कि इस दौरान सकल हिंदु समाज के लिए ओबेदुल्लागंज नगर में उत्कृष्ट सराहनीय सेवाकार्य करने वाले समिति एवं संस्थाओं का सम्मान किया जाएगा, वहीं सुबह 9 बजे गौरी गणेश पूजन, शिव अभिषेक, राम जानकी दरबार की पूजा-अर्चना भगवान सत्यनारायण कथा प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित होंगे। वही दोपहर तीन बजे से महिला मंडल द्वारा भजन संध्या रात आठ बजे से श्रीराम मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

**कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल**
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 8700170167, आवेदन क्रमांक-10397, आवेदन दिनांक-13/12/2025
क्रमांक 1124/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 24/01/2026

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भूखंड क्रमांक-167 सेक्टर- 3D, श्री पी. एन. कावड़कर आत्मज स्व. श्री गेंदू जी कावड़कर के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांकः- 22/12/2012 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसगन 1. पुत्री श्रीमती मोना कनाठे पत्नी श्री सुनील कनाठे, 2. श्रीमति ममता देशमुख पत्नी श्री एस. डी. देशमुख एवं 3. कुमारी ललिता कावड़कर आत्मज स्व. श्री पी. एन. कावड़कर द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति का अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

**खण्डन जाहिर सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण श्री हर्ष शुक्ला आत्मज श्री नागेंद्र शुक्ला, आयु-वयस्क, निवासी-24 इंग्लिशपुरा, सीहोर एवं श्रीमती सुनीता वर्मा पत्नी श्री बी. के. वर्मा, आयु-वयस्क, निवासी-भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य का भूखंड क्र. 259 रकबा 1500 वर्गफिट एवं भूखण्ड क्रं. 260 रकबा 1500 वर्गफिट जो कि खसरा क्र. 240/2/2/2/3/1/, 240/2/1/2/2, 240/2/2/2/3/5, 240/2/1/2/1/1// 1/1/1/1/1, 241, 242, 244, 245, 290 कुल रकबा— 3000 वर्गफीट अर्थात 278.8 वर्गमीटर भूमि जो ग्राम - गौरागांव, प. ह. क्र.- 92, वार्ड नं. 26, तहसील- हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, को क्रय करने हेतु पेटे बयाना/टोकन राशि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण को अदा कर दी गई है। (**खण्डन**) इस भूमि पर कोर्ट केस चल रहा है जिसका केस नंबर आरसीएस-ए/474/2021 सिविल केस चल रहा है। क्रेता और विक्रेता राहुल जैन से सम्पर्क करें इसीलिए इसकी खरीदी बेची नहीं की जा सकती है।

**अखिलेश कुमार पाण्डेय** एडवोकेट
म.नं. 157-गार्डन वैली, डी.पी.एस. स्कूल के पास, नीलबड़, भोपाल
मोब.नं. 8878227654

शहडोल जिले में बाणसागर डैम के विशाल बैकवाटर के बीच स्थित सरसी आइलैंड रिसॉर्ट मध्य प्रदेश का एक अनोखा और आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह रिसॉर्ट प्रसिद्ध बांधवगढ़ नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व और मां शारदा देवी के धाम मैहर के नजदीक स्थित है।

प्रकृति और एडवेंचर के शौकीनों का पसंदीदा स्थल

# सरसी आइलैंड : प्रदेश का सबसे बड़ा आइलैंड रिसॉर्ट

इको सर्किट परियोजना के तहत विकसित यह रिसॉर्ट करीब 23 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इसे पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल बनाया गया है। यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा आइलैंड रिसॉर्ट माना जाता है। रिसॉर्ट सौर ऊर्जा से संचालित होता है और बाणसागर डैम का जल स्तर पूरी तरह भरने की स्थिति में भी सुरक्षित रहे, इस तरह से इसकी संरचना डिजाइन की गई है। सरसी आइलैंड रिसॉर्ट में पर्यटकों की सुविधा और मनोरंजन का खास ध्यान रखा गया है। यहां तीन बोट क्लब बनाए गए हैं, जहां बोटिंग, स्पीड बोट और अन्य वाटर स्पोर्ट्स का रोमांचक अनुभव लिया जा सकता है। ठहरने के लिए 10 खूबसूरत इको हट्स बनाए गए हैं, जिनसे चारों ओर फैली झील और हरियाली का शानदार दृश्य दिखाई देता है और इन हट्स का किराया लगभग ९००० रुपये प्रति रात बताया जाता है।

खाने पीने के शौकीनों के लिए यहां एक आकर्षक रेस्टोरेंट की व्यवस्था है, जहां बोट पर बैठकर लंच, स्नैक्स या डिनर का अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। इसके साथ ही कॉर्पोरेट मीटिंग्स, सेमिनार और अन्य आयोजनों के लिए प्रकृति के बीच एक आधुनिक कॉन्फ्रेंस रूम भी उपलब्ध है। रिसॉर्ट में किचन गार्डन भी बनाया गया है, जहां पर्यटक खुद ताजी सब्जियां तोड़कर भोजन तैयार करने का अनुभव ले सकते हैं।

**▸▸ इस आइलैंड का एक रात रुकने का किराया करीब ९०००रु है।**

पर्यटकों की सेहत और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए यहां जिम, लाइब्रेरी, बच्चों के लिए प्ले एरिया, स्विमिंग पूल और हेलिपैड जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। रात के समय यहां का सबसे खास अनुभव स्टार गेजिंग होता है, जब शांत वातावरण में खुले आकाश के नीचे तारों को निहारा जा सकता है।

सरसी आइलैंड रिसॉर्ट तक पहुंचने का एकमात्र तरीका मोटर बोट या हेलिकॉप्टर है। मुख्य घाट के रूप में इत्मा घाट का उपयोग किया जाता है, जो बांधवगढ़ से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा मार्कंडेय घाट भी एक विकल्प है, जो मैहर से करीब 55 किलोमीटर और रीवा से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित है। बोट सेवा शाम करीब 5.30 बजे तक उपलब्ध रहती है, इसलिए समय का ध्यान रखना जरूरी है। बुकिंग के लिए मध्य प्रदेश टूरिज्म की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी ली जा सकती है। कुल मिलाकर सरसी आइलैंड रिसॉर्ट प्रकृति प्रेमियों, एडवेंचर के शौकीनों और शांति की तलाश में आने वाले यात्रियों के लिए एक बेहतरीन और यादगार डेस्टिनेशन है।

डिप्लोमेसी मीट्स फैशन

# ईयू चीफ ने पहना बरगंडी बनारसी आउटफिट

रिपब्लिक डे परेड में यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मौजूदगी ने न केवल इस मौके के ऐतिहासिक महत्व के लिए, बल्कि उनके सोच-समझकर चुने गए कपड़ों के लिए भी ध्यान खींचा। इस आउटफिट को लेकर बहुत सारे अंदाजे लगाए गए कि उन्होंने क्या पहना है, लेकिन बाद में फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ़ इंडिया (एफडीसीआई) के चेयरमैन सुनील सेठी ने कन्फर्म किया कि यह शीर्ष डिजायनर राजेश प्रताप सिंह का आउटफिट था। राजेश ने कहा, यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि उर्सुला वॉन डेर लेयेन हमारे देश के स्टेट विजिट पर चीफ गेस्ट के तौर पर इंडिया का कुछ पहनना पसंद किया। सूत्रों ने आगे कहा, बनारसी टेक्सटाइल लंबे समय से इंडिया में खास मौकों से जुड़े रहे हैं, जिससे यह चॉइस ऐसे नेशनल और ग्लोबल इंपॉर्टेंस वाले इवेंट के लिए खास तौर पर सही है। इस पावरफुल इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर बनारसी हैंडलूम पहनने के उनके फैसले को एक मीनिंगफुल इशारा माना जा रहा है। जिससे बनारस की क्राफ़्ट्समैनशिप और इसके पीछे के कारीगरों की लेगेसी पर दुनिया का ध्यान फिर से जाएगा। सूत्रों ने आगे कहा कि वॉन डेर लेयेन अपने विजिट के दौरान इंडियन कपड़ों में दिखना चाहती थीं, और उन्होंने सोच-समझकर इंडियन डिज़ाइनरों के क्रिएशन चुने। ईयू चीफ के खास इंतजामों से जुड़ी टीम के सूत्रों ने कहा, इंडिया विजिट के दौरान, उन्होंने नेशनल कैपिटल में कई खास इवेंट्स में शामिल होने के साथ-साथ इंडियन हैंडलूम और क्राफ़्ट्समैनशिप को सपोर्ट करने का मन बनाया था, इसी के अनुसार उनके परिधान चुने गए।

> **“ रिपब्लिक डे परेड के समारोह में देश की विशेष अतिथि ईयू चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने राजेश प्रताप सिंह की बनाई हुई बनारसी, हाथ से बुनी हुई ब्रोकेड सिल्क, स्ट्रक्चर्ड, सिग्नेचर जैकेट पहनी थी, एक पारंपरिक भारतीय बंदगला परिधान, जिसे रिच बरगंडी और गोल्ड टोन में बनाया गया था।**

स्मार्ट कार गैजेट

# पोर्टेबल टायर इन्फ्लेटर

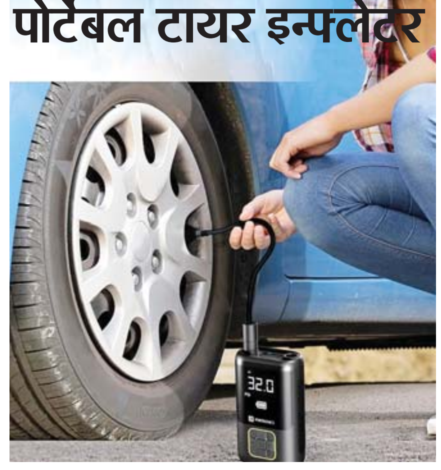

कल्पना कीजिए कि आप फैमिली के साथ किसी सुनसान रास्ते पर हैं और गाड़ी का टायर पंक्चर हो जाए। ऐसे में पोर्टेबल टायर इन्फ्लेटर किसी मददगार से कम नहीं है। यह एक छोटा सा डिवाइस है जो कार के पावर सॉकेट से चलता है और कुछ ही मिनटों में टायर में हवा भर देता है। इस डिवाइस को 12 वोल्ट की बैटरी या कार में लगे 12 वोल्ट चार्जिंग के जरिए पॉवर देकर चलाया जा सकता है या कुछ डिवाइस अपनी बैटरी के साथ आते हैं। साथ ही इसमें प्रेशर मीजरिंग सिस्टम भी होता है, जिसके जरिए आप गाड़ी के टायर प्रेशर को नाप सकते हैं। इसलिए इस डिवाइस को आपको अपनी गाड़ी में जरूर रखना चाहिए। जिससे आपकी गाड़ी के टायर में हमेशा सही मात्रा में हवा भरी रहे। साथ ही आप इससे गुब्बारे, साइकिल या फुटबाल में भी हवा भर सकते हैं।

## कितनी होती है कीमत

पोर्टेबल टायर इन्फ्लेटर, अपनी खूबियों के मुकाबले अधिक महंगा नहीं है। इसकी कीमत 2000 रुपये से शुरू होती है। इसे आप ऑनलाइन या लोकल मार्केट से भी खरीद सकते हैं। कोशिश करें कि आप इसे थोड़ी अच्छी क्वालिटी में खरीदें, जिससे यह लंबे समय तक चल सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपने बोल्ड पॉडकॉस्ट को लेकर चर्चा में हैं...

# इंटरनेट सनसनी- सीमा आनंद

> **“ लंदन निवासी सीमा आनंद एक मिथोलॉजिस्ट और पेशेवर कहानीकार हैं, जो भारतीय साहित्य, महाभारत, रामायण, कामसूत्र और तांत्रिक दर्शन पर काम करती हैं। उन्होंने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कुछ बातें साझा की हैं।**


● आयुषी बीना सिंह ●


भारतीय समाज में आज भी स्त्री पुरुष संबंधों पर खुली बातचीत अक्सर विवाद का विषय बन जाती है. लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर लंदन की कंटेंट क्रिएटर और सेक्स एजुकेटर सीमा आनंद की खूब चर्चा हो रही है और सोशल मीडिया पर उनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें वह सेक्स के बारे में तो किसी वीडियो में किस करने के फायदे गिनाती हैं। जिसके बाद सोशल मीडिया इन दिनों सीमा आनंद के वीडियो और पोस्ट से भरा पड़ा है और सीमा जमकर ट्रेंड हो रही हैं। हाल ही उन्होंने एक चैनल में पॉडकास्ट के दौरान सेक्स को लेकर कई बातें खुलकर बताई हैं और बातचीत के दौरान सीमा आनंद ने बताया कि 15 साल के एक नाबालिग लड़के उन्हें प्रपोज किया था। एक वीडियो में वह ये भी बताती है कि छोटे लड़कों को बड़े उम्र की महिला क्यों पसंद आती है. जिसके बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संवेदनशील विषयों की चर्चा में सतर्कता और जिम्मेदारी की जरूरत बता रहे हैं।

## युवतियां सीमा के पक्ष में

सीमा के पॉडकॉस्ट और वीडियोज के पक्ष में युवतियों खुल कर उतर आई हैं। वे समाज के सामने सवाल रख रही हैं कि- इस महिला का इतना विरोध हो ही क्यों रहा है। क्या इसलिए कि ये समाज के नियम और उम्र के बंधनों को तोड़कर स्वच्छंद जीवन को चुन रही है या इसलिए कि इस उम्र में भी उनका इतना आकर्षक दिखना समाज डायजेस्ट नहीं कर पा रहा। आदमी आधे बुड्ढे होने के बाद भी शराब, शबाब खोजते हैं उनसे समाज को कोई दिक्कत नहीं। एक फिल्म में बच्चन साहब ने 67 की उम्र में 19 वर्ष की लड़की से प्रेम सम्बंध रखने वाले व्यक्ति का किरदार निभाया था, उसकी जमकर सराहना हुई। कामसूत्र में रेखा के किरदारों को आज भी लोग याद करते हैं तो यदि यथार्थ जीवन में कोई महिला कामसूत्र की रेखा वाला किरदार जी रही तब क्यों समस्या होने लगी। असल मे स्त्री का बेबाकपन समाज को पसंद नहीं है, खासकर यदि कोई स्त्री इस उम्र में ऐसा करे

## सोशल मीडिया पर क्यों छिड़ी बहस

इंटरनेट पर कई दर्शकों ने इसे नाबालिग से जुड़े संवेदनशील मुद्दे के रूप में देखा. आलोचकों का कहना था कि यह मनोरंजन नहीं, बल्कि सुरक्षा और जिम्मेदारी का विषय बन जाता है। एक यूजर ने लिखा, सीमा आनंद को ऐसे मामलों पर हल्के अंदाज में चर्चा नहीं करनी चाहिए थी। यह आकर्षण का सवाल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का मामला है।

## समाज की आँखों की किरकिरी

मुखर स्त्रियां सदा से ही इस समाज की आँखों की किरकिरी रही हैं। सीमा आनंद लगातार सुर्खियों में हैं, क्योंकि संस्कृति के रक्षक स्वघोषित साहित्यकारों को अचानक संस्कृति तहस नहस होती दिखने लगी है। एक महोदया कहती हैं कि सीमा आनंद को इस उम्र में ईश्वर के नाम का जाप करना चाहिए। अचंभा तो यह है कि उन साहित्यकारों ने भी संस्कृति के नाम पर हाय तौबा मचा रखा है जिनकी हर दूसरी कविता स्त्री के सौंदर्य की नग्नता की हद तक व्याख्या करती है। हास्यास्पद नहीं है यह? कौन तय करेगा कि किसी अन्य को कैसे जीवन जीना चाहिए? क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि इस देश में जहां हर दिन लगभग 86 बलात्कार होते हैं, जिनमें छोटी बच्चियों भी आती हैं, तब संस्कृति ख़तरे में किसी को नज़र नहीं आती! पोर्न इंडस्ट्री को सर्वाधिक व्यूज देने वाली टॉप 10 कंट्रीज की लिस्ट में भारत का भी एक नाम है, वहां सीमा आनंद को ट्रोल किया जाना हास्यास्पद ही है। जहां सुबह से शाम तक माताओं बहनों की गालियां आम शब्दों की तरह प्रयोग में ली जाती हों, तब कहां जाती है आपकी संस्कृति? आपकी यह संस्कृति ख़तरे में आ जाती है एक स्वच्छ संवाद होने से। आपका विरोध दरअसल संस्कृति बचाने के लिए है ही नहीं, आपका क्रोध तो एक स्त्री के मुखर होने से है। आपकी समस्या केवल 'कंसेंट' नामक शब्द से है, और यही आपकी हिप्पॉक्रेसी है।

जिस विषय पर हमारे यहां तमाम लोग मुंह खोलना तक पसंद नही करते, सीमा आनंद के साहस को सलाम है जो खुले मंच से ज्ञान दे रही हैं। इस विषय को समझने के लिए इतनी अधिक उम्र का होना बेहद जरूरी है। सीमा आनंद ने अपने ही अंदाज में आसानी से लव, लस्ट, प्लेजर, प्रेशर, इमोशन, रिजेक्शन, रिएक्शन और रिलेशन हर चीज के बारे में बहुत ही अच्छे से समझाया है। उनके बारे में कोई भी बुरा ख्याल मन में लाने से पहले उनकी लिखी किताबों को पढ़ना चाहिए और उनके वीडियोज पूर्वाग्रह से मुक्त होकर जरूर एक बार देखनी चाहिए।

### परेशानी कुछ और ही है

लगता है परेशानी कुछ और ही है... महिलाएं इसलिए विरोध कर रही कि बुढ़ापे में ये इतनी फिट और ग्लोइंग कैसे है!! सीमा आनंद काम क्रीड़ाओं पर खुलकर बात करती है लोगों की मानसिकता पर अपने अनुभव शेयर करती है। जहाँ अब भी सैनेटरी नेपकीन काली थैली में बांधकर दिए जाते हैं, वहां वो खुलकर बात करती हैं। रिश्तों, इच्छा और शरीर को गंदगी या हेय की दृष्टि नहीं देती बल्कि उसे स्वीकार करने की बात करती है। जिन विषयों पर समाज सवाल पूछने से डरता है, वहीं सीमा आनंद उत्तर देने के साहस का नाम बन चुकी है।

**फोकस**

# वित्त मंत्री की सधी हुई टीम, जो लिख रही देश की तकदीर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं। एक फरवरी को वह लोकसभा में बजट रखेंगी। इस बजट को तैयार करने में वित्त मंत्री का साथ देने वाले उन सात अफसरों के बारे में जानिए, जो देश के जमा खर्च की पाई-पाई का हिसाब रखते हैं। इस बार बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब देश की अनुमानित आर्थिक वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत है और वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का तीसरा पूर्ण बजट होगा। बजट 2026-27 के निर्माण में वित्त मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन सभी अधिकारियों के सहयोग से बजट 2026-27 का खाका तैयार किया जा रहा है।

## अनुराधा ठाकुर (आर्थिक मामलों की सचिव)

बजट तैयार करने की प्रमुख जिम्मेदारी संभाल रही हैं अनुराधा ठाकुर । संसाधनों के वितरण और अगले वित्त वर्ष के आर्थिक ढांचे को तय करना उनके विभाग का काम है। हिमाचल प्रदेश कैडर की 1994 बैच की आईएएस अधिकारी ठाकुर ने जुलाई 2025 में पद संभाला था। वह इस विभाग का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी हैं।

## अरविंद श्रीवास्तव (राजस्व सचिव)

कर से जुड़े प्रस्तावों की जिम्मेदारी अरविंद श्रीवास्तव के पास है। उनकी टीम आयकर, कॉर्पोरेट टैक्स, जीएसटी और सीमा शुल्क जैसे करों को संभालती है। राजस्व सचिव के रूप में यह उनका पहला बजट है, लेकिन उन्हें बजट से जुड़ा लंबा अनुभव है। राजस्व बढ़ाने में उनकी भूमिका अहम मानी जा रही है।

## एम. नागराजू (वित्तीय सेवा सचिव)

वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जिम्मेदारी एम. नागराजू के विभाग के पास है। सार्वजनिक बैंकों, बीमा कंपनियों और पेंशन प्रणालियों की स्थिति पर नजर रखना भी उन्हीं का कार्य है। ऋण विस्तार और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

## वुमलुनमंग वुअलनाम (व्यय सचिव)

सरकारी खर्च, सब्सिडी और योजनाओं के सही क्रियान्वयन की निगरानी वुमलुनमंग वुअलनाम का काम है। उनका विभाग राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने और घाटे को नियंत्रित करने पर ध्यान देता है।

## अरुणिष चावला (दीपम सचिव)

सरकार के विनिवेश और निजीकरण से जुड़े काम अरुणिष चावला देखते हैं। सार्वजनिक उपक्रमों में सरकारी हिस्सेदारी बेचकर मिलने वाले गैर-कर राजस्व के लक्ष्य तय करना और पूरा करना उनके विभाग की जिम्मेदारी है।

## के. मोसेस चालई (सार्वजनिक उद्यम विभाग सचिव)

सरकारी कंपनियों के पूंजीगत खर्च और बजट के सही उपयोग को सुनिश्चित करना के. मोसेस चालई का काम है। इसके साथ ही वे परिसंपत्ति मौद्रिकरण और सार्वजनिक उपक्रमों की वित्तीय स्थिति पर भी नजर रखते हैं।

## वी. अनंत नागेश्वरन (मुख्य आर्थिक सलाहकार)

बजट को दिशा देने वाले आर्थिक सुझाव देता है वी. अनंत नागेश्वरन का कार्यालय। इसमें विकास दर का अनुमान, विभिन्न क्षेत्रों का विश्लेषण और वैश्विक जोखिमों का आकलन शामिल है। वे वित्त मंत्री को आर्थिक सुधारों और राजकोषीय नीति पर सलाह भी देते हैं।

# ब्रिटेन से शुरू हुआ व्यवस्थित बजट पेश करने का चलन

> **“ केंद्रीय बजट आज पेश किया जा रहा है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। यूं तो आमदनी के हिसाब से खर्चे की योजना बनाने की परंपरा राजशाही के दौर से चली आ रही है, लेकिन व्यवस्थित आधुनिक बजट पेश करने का चलन ब्रिटेन से शुरू हुआ। यह दुनिया के कई हिस्सों में फैला और भारत में इसकी एंट्री हुई।**


● दिनेश पाठक ●


हर साल एक फरवरी को भारत सरकार संसद में अपना वार्षिक बजट पेश करती है। इस साल भी ऐसा ही होने वाला है। बजट केवल आय-व्यय का हिसाब नहीं, बल्कि सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं, सामाजिक दृष्टि और विकास-रणनीति का औपचारिक बयान भी होता है। भारतीय बजट पर विदेशी प्रभावों की भूमिका रही है। बजट शब्द का मूल फ्रेंच शब्द Bougette माना जाता है, जिसका अर्थ होता है छोटा बैग या थैला। ब्रिटेन में वित्त मंत्री जब संसद में राजकोषीय प्रस्ताव रखते थे, तो दस्तावेज़ों का एक बैग लेकर आते थे। धीरे-धीरे वही बैग सरकार की वित्तीय योजना का प्रतीक बन गया। हर साल वित्त मंत्री एक छोटा सा ब्रीफकेस लेकर तस्वीरें करवाते या रहे हैं।

भारत में बजट परंपरा का आरंभ ब्रिटिश शासन के प्रशासनिक ढांचे में देखा जाता है। औपनिवेशिक सरकार को स्थिर राजस्व चाहिए था, इसलिए कर-व्यवस्था और वार्षिक लेखा-प्रस्तुति को व्यवस्थित किया गया। धीरे-धीरे बजट एक औपचारिक दस्तावेज़ और भाषण के रूप में उभरा। आज़ादी के बाद भारत ने संसदीय लोकतंत्र अपनाया और बजट-प्रक्रिया को लोकतांत्रिक जवाबदेही के साथ आगे बढ़ाया।

## किस देश से शुरू हुई बजट की परंपरा

आधुनिक संसदीय बजट प्रणाली का सबसे स्पष्ट और प्रभावी विकास ब्रिटेन में हुआ। 17वीं-18वीं शताब्दी में संसद की शक्तियां बढ़ीं और कर लगाने व खर्च मंजूर करने का अधिकार धीरे-धीरे राजा से संसद की ओर आया। सरकार को नियमित अंतराल पर यह बताना जरूरी हुआ कि राजस्व कहां से आएगा और खर्च किन मदों में होगा। 19वीं शताब्दी तक ब्रिटेन में बजट भाषण और वित्तीय दस्तावेज़ पेश करने की परंपरा अधिक औपचारिक और संस्थागत रूप ले चुकी थी। यह व्यवस्था मूलतः जनप्रतिनिधियों के सामने जवाबदेही के सिद्धांत पर टिकी थी, यानी जनता के पैसे पर जनता के प्रतिनिधि की निगरानी।

## दूसरे देशों तक बजट कैसे पहुंचा?

बजट की परंपरा दुनिया में तीन मुख्य रास्तों से फैली। यूरोपीय शक्तियों, खासकर ब्रिटेन और फ्रांस ने जिन क्षेत्रों पर शासन किया, वहां कर-प्रशासन, लेखा-व्यवस्था और वार्षिक वित्तीय योजना जैसी प्रक्रियाएं भी स्थापित कीं। स्वतंत्रता के बाद भी कई देशों ने इन्हीं संस्थागत व्यवस्थाओं को अपने शासन में जारी रखा, दूसरे विश्व युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था मजबूत हुई। कई देशों ने निवेश आकर्षित करने और ऋण/अनुदान प्राप्त करने के लिए अपने बजट दस्तावेज़ों को अधिक मानकीकृत और तुलनीय बनाया।

## मौसम अपडेट

### प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

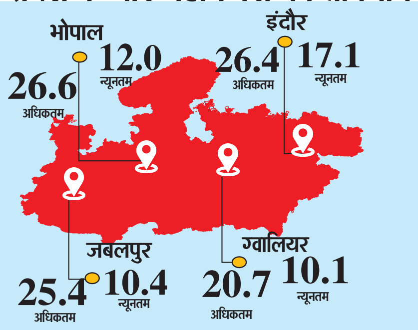

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| भोपाल | 26.6 | 12.0 |
| इंदौर | 26.4 | 17.1 |
| जबलपुर | 25.4 | 10.4 |
| ग्वालियर | 20.7 | 10.1 |

### देश के चार महानगरों का तापमान

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| दिल्ली | 21.5 | 6.7 |
| मुंबई | 29.5 | 21.7 |
| चेन्नई | 34.6 | 16.5 |
| कोलकाता | 26.2 | 16.8 |

सूर्यास्त 6:07 PM
सूर्योदय 7:01 AM
चन्द्रोदय 4:30 AM
चन्द्रास्त 5:39 PM

# दर्शन के साथ अब महाकाल भक्तों को मिलेगा साफ और ठंडा पानी

## मंदिर में लगा एक करोड़ का अत्याधुनिक आरओ प्लांट

**जागरण, उज्जैन।** बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन आने वाले भक्तों को अब बाबा के दर्शन के साथ ही साफ पानी मिलेगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर में पीथमपुर की कंपनी ने एक करोड़ रुपए की लागत से बने आधुनिक आरओ पेयजल सिस्टम को मंदिर के गेट नंबर चार के पास स्थापित करवाया है। इसमें प्रति घंटा 4,000 लीटर पानी शुद्ध होकर श्रद्धालुओं को पीने के लिए मिल सकेगा। शनिवार को इसका शुभारंभ किया गया। अब देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध जल के साथ ठंडा पानी भी मिल सकेगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन हेतु आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुंबई की टेक्नो हायप्योर कंपनी द्वारा बनाया गया हाईटेक आर ओ वाटर प्लांट को मायलन लैबोरेटरीज, पीथमपुर की ओर श्री महाकालेश्वर मंदिर में गेट नंबर 4 विश्राम धाम के समीप स्थापित कराया गया। जिसमें प्रति घंटा 4,000 लीटर पानी शुद्ध होकर श्रद्धालुओं को पिने के लिए मिल सकेगा। इसमें 5,000 लीटर का विशाल एसएस-304 श्रेणी का स्टेनलेस स्टील भंडारण टैंक लगाया गया है। विशेषकर गर्मी के दिनों को ध्यान में रखते हुए इस यंत्र में 1,000 लीटर क्षमता वाले तीन विशेष चिलर भी लगाये गए हैं, जो भक्तों को गर्मी के मौसम में ठंडा पानी की आपूर्ति करेंगे। श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक द्वारा नवीन आरओ सिस्टम का शुभारंभ किया। इस पुनीत कार्य के लिए मायलन लैबोरेटरीज के प्रतिनिधियों और दानदाताओं का सम्मान किया गया।

## इस बार महाकाल मंदिर में 10 दिन मनेगी शिव नवरात्रि

### 6 से 15 फरवरी तक भगवान का रोजाना होगा दिव्य श्रृंगार

**जागरण, उज्जैन।** श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस बार शिव नवरात्रि पर्व का दस दिवसीय आयोजन 6 से 15 फरवरी तक चलेगा। शिवनवरात्रि महापर्व को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए मंदिर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पर्व की तैयारियों के अंतर्गत मंदिर के मुख्य शिखर की धुलाई, मंदिर परिसर की रंग-रोगन (पुताई), कोटितीर्थ कुंड की सफाई तथा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई कार्य सतत रूप से किया जा रहा है। शिव नवरात्रि पर्व के दौरान भगवान महाकाल का विशेष पूजन किया जाएगा। 10 दिन तक भगवान महाकाल का अलग अलग स्वरूप में श्रृंगार किया जाएगा। भगवान शिव के विवाह उत्सव का प्रारंभ कोटेश्वर महादेव के पूजन से होगा।

## बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दो भालुओं की मौत

**जागरण, उमरिया।** बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मानपुर बफर की बीट खम्हा के कंपार्टमेंट 275 और 276 में मादा भालू और उसके बच्चे का शव मिला है। इस मामले में जांच के बाद वन विभाग ने दोनों ही शवों का अंतिम संस्कार कर दिया है। घटना के बारे में

जानकारी देते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि दोनों ही शव एक दूसरे से काफी दूरी पर पाए गए हैं। हालांकि, वन विभाग के लोगों का अनुमान है कि दोनों भालू मां और बेटे हैं। मादा भालू और उसके बच्चे की मौत संभवतः किसी दूसरे बड़े वन प्राणी के हमले में हुई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि मादा भालू का किस वन प्राणी के साथ संघर्ष हुआ होगा। अनुमान लगाया गया है कि मादा भालू के बच्चे पर किसी दूसरे वन प्राणी ने हमला किया होगा, जिसे बचाने के लिए मादा भालू उससे भिड़ गई होगी। इससे मादा भालू और उसके बच्चे की जान चली गई। वन गश्ती के दौरान एक मादा भालू और अवयस्क नर भालू का शव मिला था, जिसे सुरक्षित कर डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुला कर छानबीन की गई। डॉग स्क्वॉड द्वारा कुछ किलोमीटर दूर कक्ष क्रमांक 276 में मृत मादा भालू के शव को ढूंढा गया। दोनों शव के सभी अवयव सुरक्षित पाए गए।

## इंदौर के रिहायशी इलाके में पहुंचा तेंदुआ, सफल रेस्क्यू

**जागरण, इंदौर।** जिले के देव गुराडिया इलाके के पास सनावदिया क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय दहशत फैल

गई, जब रिहायशी इलाके में तेंदुए की मूवमेंट देखा गया। स्थानीय लोगों ने खेत और मकानों के आसपास जंगली जानवर जैसा मूवमेंट देखा, जिसके बाद तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया। इलाके में मौजूद लोगों की भीड़ को हटाकर टीम ने हालात काबू में किए। रेस्क्यू के बाद तेंदुए को जांच के लिए कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय लाया गया। यहां के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ फीमेल है और फिलहाल स्वस्थ दिख रहा है।

## डोंगर परासिया नपाध्यक्ष 6 साल के लिए भाजपा से निष्कासित

**जागरण, छिंदवाड़ा।** भारतीय जनता पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में छिंदवाड़ा जिले की डोंगर परासिया नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद मालवी

को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर की गई है। पार्टी का कहना है कि मालवी की गतिविधियों से संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है, जिसे गंभीर अनुशासनहीनता माना गया। भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव द्वारा जारी पत्र में निष्कासन की पुष्टि की गई है। पत्र में स्पष्ट लिखा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नपाध्यक्ष के निष्कासन के बाद छिंदवाड़ा जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस फैसले का स्थानीय सियासत पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

# दूषित पानी से मौतों के बाद लिया सबक 85 वार्डों में बनेंगी वॉटर टेस्टिंग लैब

## ननि ने जारी किए टेंडर, फिलहाल भागीरथपुरा में टैंकरों से ही मिलेगा पानी

**जागरण, इंदौर।** देश के सबसे स्वच्छ शहर और मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 31 मौत हो चुकी हैं। इस मामले ने देशभर में इंदौर शहर की छवि को पलीता लगाया है, जिससे सबक लेकर नगर निगम ने अब पानी की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। निगम ने निर्णय लिया है कि शहर के सभी 85 वार्डों में वाटर टेस्टिंग लैब स्थापित की जाएंगी, ताकि हर वार्ड स्तर पर पानी की नियमित जांच हो सके और दूषित जल की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, अब तक पानी की जांच सीमित स्तर पर होती थी, लेकिन भागीरथपुरा की घटना के बाद यह साफ हो गया कि वार्ड स्तर पर निगरानी जरूरी है। निगम ने निजी एजेंसी के माध्यम से वाटर टेस्टिंग और वाटर ऑडिट कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया है।

### पंचम की फैल में दो कुएं बंद

शहर के पंचम की फैल क्षेत्र में तीन पुराने कुओं में से दो कुओं का पानी पूरी तरह खराब हो गया है। रहवासियों के अनुसार, इन कुओं में गंदा पानी आने के साथ लाल कीड़े निकलने लगे, जिसके बाद लोगों ने इनसे पानी लेना बंद कर दिया। शिकायतों के बाद एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया ने मामला निगमायुक्त तक पहुंचाया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त क्षितिज सिंघल खुद मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की। लोगों ने आशंका जताई कि नालों या जल लाइनों का गंदा पानी कुओं में मिक्स हो रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को पूरे मामले की जांच कर कुओं के संरक्षण और सफाई की कार्रवाई तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

### मौतों के बाद भय, लोगों ने लगवाया आरओ सिस्टम

भागीरथपुरा में गंदे पानी से हुई मौतों के बाद इलाके में भय का माहौल है। लोग टैंकर से मिलने वाले पानी को भी उबालकर पीने को मजबूर हैं, जिन इलाकों में सीमित जलप्रदाय शुरू किया था, वहां भी रहवासी नल का पानी पीने से कतरा रहे हैं। कई परिवारों ने आरओ सिस्टम लगवा लिए हैं। रहवासियों का कहना है जब तक पानी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से नहीं दी जाती और निगम पानी को सुरक्षित घोषित नहीं करता, तब तक नल का पानी नहीं पिएंगे।

### सप्लाई में कोई कटौती नहीं

निगम ने साफ कर दिया है कि भागीरथपुरा इलाके में अभी कुछ दिनों तक नल से पानी की नियमित सप्लाई शुरू नहीं की जाएगी, जब तक पाइपलाइनों की पूरी जांच, लीकेज और सीवेज मिक्सिंग की संभावना को पूरी तरह खत्म नहीं कर दिया जाता, तब तक क्षेत्र के रहवासियों को टैंकरों के माध्यम से ही पानी उपलब्ध कराया जाएगा। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निर्देश दिए हैं कि टैंकरों की संख्या कम न हो और पानी की सप्लाई में किसी तरह की कटौती न की जाए। सुरक्षित पानी मिलना प्राथमिकता है, भले ही अस्थायी व्यवस्था कुछ और समय चलानी पड़े।

### वार्ड स्तर पर तुरंत होगी जांच

निगम अफसरों का कहना है कि 85 वार्डों में वाटर टेस्टिंग लैब शुरू होने के बाद किसी भी क्षेत्र से गंदे पानी की शिकायत आने पर तुरंत सैंपल लेकर जांच की जा सकेगी। इससे दूषित पानी की समस्या को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सकेगा।

# 'उड़ता जंक्शन' से बिना रुके गुजरेंगी 100 मालगाड़ियां

## एशिया के सबसे बड़े रेलवे फ्लाईओवर का अप ट्रैक शुरू

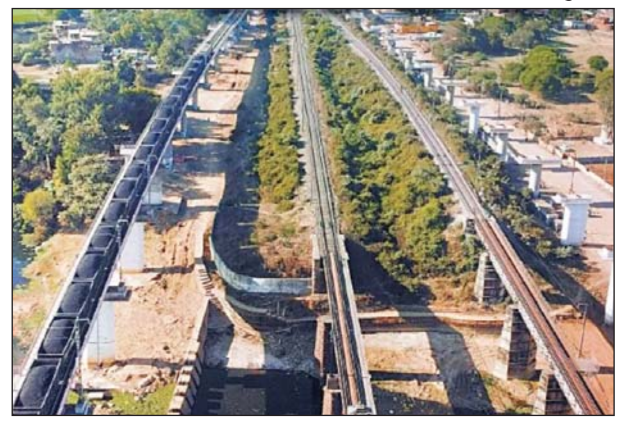

**जागरण, कटनी।** शहर में करीब पांच साल से भी अधिक समय से बन रहे एशिया के सबसे बड़े रेलवे फ्लाईओवर का अप ट्रैक चालू हो गया है। फ्लाईओवर का अप ट्रैक के चालू होने से जंक्शन पर रेड सिग्नल का इंतजार इतिहास हो गया है। इससे आने वाले दिनों में 90 से 100 मालगाड़ियां बिना रुके गुजरेंगी। वहीं रेलवे को 300-400 करोड़ के ईंधन और परिचालन लागत की सालाना बचत भी होगी। जबलपुर सीपीआरपो हर्षित श्रीवास्तव ने कहा कि कटनी जिले में बिलासपुर और सिंगरौली रेल खंड से दमोह-सागर रूट पर 33.4 किमी लंबे अप और डाउन ग्रेड सेपरेटर का निर्माण किया जा रहा है, जो भारतीय रेलवे का सबसे लंबा पुल है, इसके अप ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। डाउन ट्रैक का निर्माण तेजी से हो रहा है। दरअसल कटनी का रेलवे वायडक्ट उस सप्लाई चेन का हिस्सा है, जिस पर देश के बिजलीघर, फैक्ट्रियां और खनिज उद्योग टिके हुए हैं।

### फैक्ट फाइल

- **अनुमानित लागत :** 1800 करोड़
- 33.40 किमी कुल लंबाई
- डाउन ग्रेड सेपरेटरः 17.52किमी
- अप ग्रेड सेपरेटर : 15.85 किमी
- 676 पिलरों पर बनाया गया
- पिलरों की लंबाई इतनी कि कई शहरों की कुल सीमा से भी ज्यादा
- रेल ग्रेड सेपरेटर पर 50 मालगाड़ियां हो सकती हैं खड़ी ।
- अभी गुजर रहीं 20 मालगाड़ियां
- आने वाले दिनों में बिना रुके गुजरेंगी 90 से 100 मालगाड़ियां
- रेलवे को 300-400 करोड़ के ईंधन और परिचालन लागत की सालाना बचत होगी

## ट्रायसाइकिल की बैटरी में ब्लास्ट से निःशक्त शिक्षक जिंदा जला

**बैतूल जागरण।** सारनी शहर में शुक्रवार रात एक बेहद हृदयविदारक हादसा सामने आया, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। जय स्तंभ चौक के पास एक ई-ट्राइसाइकिल की बैटरी में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे उसमें आग लग गई। इस दर्दनाक घटना में दिव्यांग शिक्षक सुनील कुमार लोखंडे (गुड्डू) की जिंदा जलकर मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुनील अपनी ई-ट्राइसाइकिल से कहीं जा रहे थे, तभी अचानक बैटरी से

### इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान खराब हुए थे पैर

चिंगारी निकली और देखते ही देखते ट्राइसाइकिल आग की लपटों में घिर गई। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। घटनास्थल के पास दुकान चलाने वाले बिल्लू जगदेव ने हिम्मत दिखाते हुए पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि सुनील को बाहर निकालना संभव नहीं हो सका। कुछ ही मिनटों में पूरी ट्राइसाइकिल जलकर खाक हो गई और सुनील की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए घोड़ाडोंगरी अस्पताल भेजा। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मृतक के भाई राजेश लोखंडे ने बताया कि सुनील ने इंजीनियरिंग (बीई) की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के दौरान ही उन्हें गंभीर शारीरिक समस्या होने लगी थी। जोड़ों का लिक्विड सूखने के कारण उठने-बैठने और चलने-फिरने में परेशानी बढ़ती गई, जिससे करीब 15 वर्ष पहले वह पूरी तरह दिव्यांग हो गए।

इसके बावजूद सुनील ने हार नहीं मानी और बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर सम्मानजनक जीवन यापन करते रहे।

## एसपी का सेवानिवृत्ति पर नेताओं जैसा स्वागत

**जागरण, बड़वानी।** गृह जिले में पदस्थापना से विवादों में रहने वाले पुलिस कप्तान का रिटायरमेंट भी सुर्खियों में आ गया। 31 साल की शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए पुलिस कप्तान की विदाई का स्वरूप अधिकारी-कर्मचारियों जैसा नहीं था, बल्कि किसी राजनेता के स्वागत समारोह जैसी शान-बान सभी का ध्यान आकर्षित करती रही। सोशल मीडिया पर भी कप्तान साहब की विदाई ही छाई रही। शहर भर में होर्डिंग्स-बैनर और झंडे देख हर कोई उनके राजनीति में प्रवेश को लेकर अटकलें लगाता रहा। बड़वानी में एसपी रहे जगदीश डावर मूलतः बड़वानी जिले के ही निवासी हैं। शनिवार 31 जनवरी को वे अपने ही गृह जिले से सेवानिवृत्त हुए। उनकी विदाई में शहर भर में झंडे-बैनर और होर्डिंग्स लगाए गए हैं। सेंधवा में उच्च शिक्षा पूर्ण कर पुलिस सेवा में आने के 18 साल बाद उन्हें आईपीएस अवार्ड हुआ। शाजापुर और इंदौर के बाद से अपने गृह जिले में ही पदस्थ हो गए। इस पर सवाल भी उठे, लेकिन आला अधिकारी इन्हें टालकर डावर को यहीं रखे रहे। हालांकि उनका कार्यकाल औसत ही रहा। बावजूद इसके शहर भर में होर्डिंस बैनर देख उन्हें भविष्य का आदिवासी नेता माना जा रहा है। शहर के सरलम वाटिका गार्डन में एक भव्य समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें अधिकारी, जनप्रतिनिधि और व्यापारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पूर्व मध्य रेल
ई- खुली निविदा
1. कार्य का नाम एवं स्थान : सोनपुर स्टेशन के जीडब्ल्यूएच से देवरिया खंड में निर्माण एमएचएक्स द्वारा बचे हुए काम के कारण ओएचई में संशोधन।, 2. कार्य का अनुमानित मूल्य (रू): रू 1,63,29,669.5/-, 3. जमानत राशि (रू): रू 2,31,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू): रू 0/-. 4. ई-निविदा प्रपत्र जमा करने एवं खुलने की तिथि : ई-निविदा प्रपत्र जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समयः दिनांक 23.02.2026 को 12.00 बजे तक, ई-निविदा प्रपत्र खुलने का निर्धारित समयः दिनांक 23.02.2026 को 12.00 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.) कार्यालय, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर में खोले जायेंगे। 5. वेबसाईट एवं नोटिस बोर्ड का लोकेशन जहाँ से ई-निविदा संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है: वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in नोटिस बोर्डः मंडल रेल प्रबंधक/सोनपुर के कैम्पस भवन, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर
मंडल विद्युत इंजीनियर/(क.वि)
पूर्व मध्य रेल/सोनपुर
पीआर/1723/एसईई/टीआरडी/टी/25-26/28

पूर्व मध्य रेल
ई- खुली निविदा
1. कार्य का नाम एवं स्थान : चकिया~कटिहार~सोनपुर मंडल में एबीएसएस कार्य के कारण ओएचई में संशोधन।, 2. कार्य का अनुमानित मूल्य (रू): रू 1,19,74,545/-, 3. जमानत राशि (रू): रू 2,09,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू): रू 0/-. 4. ई-निविदा प्रपत्र जमा करने एवं खुलने की तिथि : ई-निविदा प्रपत्र जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समयः दिनांक 23.02.2026 को 12.00 बजे तक, ई-निविदा प्रपत्र खुलने का निर्धारित समयः दिनांक 23.02.2026 को 12.00 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.) कार्यालय, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर में खोले जायेंगे। 5. वेबसाईट एवं नोटिस बोर्ड का लोकेशन जहाँ से ई-निविदा संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है: वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in नोटिस बोर्डः मंडल रेल प्रबंधक/सोनपुर के कैम्पस भवन, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर
मंडल विद्युत इंजीनियर/(क.वि)
पूर्व मध्य रेल/सोनपुर
पीआर/1725/एसईई/टीआरडी/टी/25-26/28

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा सूचना क्रमांकः WCR-CRWS-EDDY-LHB-25-47
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं:- कार्य का नामः सरफेस डिफेक्ट डिटेक्शन बाई एडी करंट एरे (ईसीए) टेक्नीक ऑन एलएचबी व्हील सेट्स, कार्य की लागतः ₹1,33,80,547.68, निविदा फॉर्म का मूल्यः ₹0.00, धरोहर राशिः ₹ 2,17,000.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह, ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समयः 10.02.2026/ 24.02.2026 15:00 बजे तक, निविदा खुलने का समय एवं दिनांकः 24.02.2026 15:30 बजे। नोटः निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट "www.ireps.gov.in" एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। (हस्ता.)
मुख्य कारखाना प्रबंधक
सडिपुका, निशातपुरा, प.म.रे, भोपाल
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय संचालक, पिछड़ा वर्ग, राज्य स्तरीय रोजगार एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल
// विज्ञप्ति //
प्रशिक्षण प्रारंभ करने की तिथि - 10 फरवरी, 2026
प्रदेश के पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिभावान एवं अल्प आयधारी युवक-युवतियों को लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2026 (क्रैश कोर्स) का 21/2 माह अवधि का निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु पात्र एवं योग्य आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त परीक्षा में आवेदन करने वाले तथा आवश्यक योग्यताधारी अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के युवा ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पात्र होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत विज्ञापन, प्रवेश हेतु नियम, शर्तें एवं आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाईट www.bcwelfare.mp.nic.in पर उपलब्ध हैं ।
संचालक,
राज्य स्तरीय रोज. एवं प्रशि. केंद्र,
(पिछड़ा वर्ग एवं अ.सं.क.), भोपाल
दूरभाष - (0755) 2763284
जी-25081/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय प्राचार्यः शासकीय विधि महाविद्यालय, सीहोर (म.प्र.)
(बार कार्उसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से सम्बद्ध)
E-mail : - hegc.lawsehore@mp.gov.in
क्रमांक 449 /विधि/2026 सीहोर, दिनांक 27.01.2026
// विज्ञप्ति //
शासकीय विधि महाविद्यालय, सीहोर जिला सीहोर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत योजना क्रमांक 5550 (पुस्तकालय विकास योजना) के तहत विधि पुस्तकों/Journal/Bare Act (Diglot) संबंध में खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकर्ता निविदा, उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित होने के 15 दिवस के भीतर अपनी निविदाएं सील बंद लिफाफे में डाक/कोरियर/स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राचार्य/सचिव शासकीय विधि महाविद्यालय, सीहोर जिला-सीहोर को कार्यालयीन समय में प्रेषित करें। निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा के नियम एवं शर्तों की पूर्ण जानकारी उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट http://highereducation.mp.gov.in पर उपलब्ध है।
प्र. प्राचार्य
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सी.
च.शे.आ.शास. स्नात. अग्रणी महा., सीहोर
प्राचार्य
शासकीय विधि महाविद्यालय
सीहोर (म.प्र.)
जी-25076/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना संख्याः 2026-जनवरी-04 दिनांक 29.01.2026
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली निविदा" ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

| क्रम सं | निविदा सं. | अनुमानित लागत ₹ |
|---|---|---|
| 1 | 2026-जनवरी-04-01 | ₹ 32976494.71 |
| कार्य का विवरणः भॉइई, जाजऊ, मनिया, यमुना ब्रिज, ओलेंडा, बीरमबाद,धाना खेडली, नगला तुला, सिंगारपुर और उदी मोड स्टेशनों पर दिव्यांगजन के लिए सभी शेष सुविधाओं का प्रावधान। | | |
| 2 | 2026-जनवरी-04-02 | ₹ 9037814.15 |
| कार्य का विवरणः सहायक मण्डल इंजी0/प्रथम/मथुरा के अधीन वरिष्ठ खंड इंजीनियर/रेलपथ/उत्तर/मथुरा के सेक्शन में अप ओर डाउन लाइन में विभिन्न रेलपथ कार्य। | | |
| 3 | 2026-जनवरी-04-03 | ₹ 28971569.80 |
| कार्य का विवरणः (A) आगरा डिवीजन के मथुरा में वरिष्ठ खंड इंजीनियर /सिगनल / मथुरा और वरिष्ठ खंड इंजीनियर/ टेलीकॉम/मथुरा के सिगनलिंग और टेलीकॉम डिपो का सभी बुनियादी सुविधाओं सहित संवर्धन/ नवीनीकरण का कार्य ।(B) आगरा डिवीजन में पोर्टा कैबिन के स्थान पर ओ एफ सी हट का प्रावधान। | | |

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 220/26(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

## बिजनेस प्लस

# भारत में डिजिटल भुगतान की अगली वृद्धि को गति दे रहा है यूपीआई

**नई दिल्ली।** भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) रोज़मर्रा के भुगतान में अपनी पहुंच और भूमिका को लगातार बढ़ा रहा है और देश की सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली डिजिटल भुगतान प्रणालियों में से एक के रूप में उभर चुका है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ग्रोथ) सोहिनी राजोला ने कहा,

यूपीआई ने पैमाने और गहराई—दोनों में उल्लेखनीय विस्तार किया है। यह अब हर महीने 20 अरब से अधिक लेनदेन प्रोसेस करता है और 50.4 करोड़ से अधिक भारतीय इसका उपयोग करते हैं, जो देश की वयस्क आबादी का लगभग आधा है। यूपीआई को अपनाने की गति अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, नवंबर 2025 में मासिक लेनदेन की रन रेट पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक थी, जो दर्शाता है कि यह रफ्तार कायम है। उच्च लेनदेन मात्रा के साथ-साथ उपयोग के पैटर्न में भी बदलाव आ रहा है। उन्होंने आगे कहा, व्यवहार में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नए उपयोगकर्ता कम टिकट साइज के साथ जुड़ रहे हैं, जो डिजिटलीकरण के लोकतंत्रीकरण का संकेत है, लेकिन प्रति उपयोगकर्ता खर्च लगातार बढ़ रहा है।

व्यक्तियों के बीच होने वाले ट्रांसफर की तुलना में व्यापारियों को किए जाने वाले भुगतान तेज़ी से बढ़ रहे हैं। राजोला ने कहा, पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) भुगतान लगातार तीन वर्षों से पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की तुलना में तेज़ी से बढ़े हैं। यह रुझान दैनिक जरूरतों के लिए [illegible] की बढ़ती स्वीकार्यता से प्रेरित है। उन्होंने बताया, इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण पहले कम पहुंच वाले क्षेत्रों—जैसे किराना और सुपरमार्केट, रेस्तरां, सर्विस स्टेशन और दवा की दुकानों—में यूपीआई का तेजी से अपनाया जाना है। व्यापारी स्वीकार्यता में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा, अब लगभग 6.5 करोड़ टचपॉइंट्स पर यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता-व्यापारी इकोसिस्टम और मजबूत हुआ है। डिजिटल भुगतान अब भारत की खुदरा अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन चुका है। उन्होंने बताया, वित्त वर्ष 2025 में सभी खुदरा भुगतानों में से लगभग 40 प्रतिशत डिजिटल थे, और उनमें से 84 प्रतिशत मूल्य यूपीआई के माध्यम से हुआ—जो 2021 की तुलना में 1.6 गुना अधिक है, उनके अनुसार, यह अधिक औपचारिकीकरण, व्यापक श्रेणी में पैठ और रोज़मर्रा की खुदरा गतिविधियों में डिजिटल भुगतान के गहरे एकीकरण को दर्शाता है। यूपीआई देशभर में वित्तीय समावेशन को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। राजोला ने कहा, यदि हम [illegible] के माध्यम से समावेशन को देखें, तो तीन स्तंभ स्पष्ट रूप से सामने आते हैं।

भौगोलिक पहुंच पर उन्होंने कहा, यूपीआई की क्यूआर उपस्थिति अब भारत के लगभग सभी 19,000 पिन कोड तक पहुंच चुकी है, जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां बुनियादी बैंकिंग ढांचा अभी सीमित है। डिजिटल भुगतान के जरिए लैंगिक समावेशन में भी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, यूपीआई महिलाओं को अपने स्वयं के बैंक खातों से सीधे लेनदेन करने की सुविधा देता है, जिससे उनकी सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की भावना में सार्थक वृद्धि हुई है—विशेषकर दूरदराज़ और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तथा निम्न आय वर्ग के परिवारों में।

# सूर्या-ईशान के तूफान में उड़े कीवीज, शानदार फार्म के साथ वर्ल्डकप में उतरेगी टीम इंडिया

## ईशान ने ठोका भारत का पांचवा सबसे तेज शतक, सीरीज पर 4-1 से कब्जा

**तिरूवनंतपुरम, जेएनएन।** ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। भारत के लिये ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाये जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई । भारत के लिये तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिये और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाये। न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाये लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेत 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिये।

### ईशान किशन के टी20 में एक हजार रन पूरे

ईशान ने भी टी20 क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिये। उन्होंने सोढी को 12वें ओवर में चार चौके और दो छक्के लगाकर 29 रन दिये। इस बीच सूर्यकुमार को बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर की गेंद पर टिम सीफर्ट ने स्टम्प आउट किया। ईशान ने 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सेंटनेर को छक्का लगाकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होंने दूसरा अर्धशतक सिर्फ 14 गेंद में पूरा कर डाला। डफी की गेंद पर हालांकि वह स्क्वेयर लेग में ग्लेन फिलिप्स को कैच देकर लौटे। पंड्या ने आखिरी ओवरों में 17 गेंद में 42 रन बनाकर भारत को उसके टी20 इतिहास में चौथी बार 250 रन के पार पहुंचाया।

**लगातार नाकाम रहे संजू:** इससे पहले इस श्रृंखला में लगातार पांचवीं बार नाकाम रहे सैमसन (छह) की टी20 विश्व कप की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। वह लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर आउट हुए। अभिषेक शर्मा ( 16 गेंद में 30 रन ) ने शुरूआत तो अच्छी की लेकिन फर्ग्युसन की तेज रफ्तार गेंद पर विकेट गंवा बैठे । भारत का स्कोर पावरप्ले के बाद दो विकेट पर 54 रन था। इसके बाद सूर्यकुमार और ईशान ने मोर्चा संभाला।

# आस्ट्रेलिया ओपन की नई चैंपियन एलिना रायबकिना

**मेलबर्न, जेएनएन।** कजाकिस्तान की रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। शनिवार (31 जनवरी) को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल में पांचवीं वरीयता हासिल रिबाकिना ने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। रिबाकिना को खिताबी मुकाबला जीतने में 2 घंटा और 18 मिनट लगे। खिताबी मुकाबले में एलेना रिबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट जीत लिया था। फिर सबालेंका ने वापसी की और दूसरा सेट जीत स्कोर 1-1 किया। आखिरी सेट में एक समय सबालेंका 3-0 से आगे थीं, लेकिन फिर उनका मोमेंटम टूटता चला गया और रिबाकिना ने सेट के साथ-साथ मैच पर कब्जा जमाया। रिबाकिना पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन बनी हैं। इससे पहले रिबाकिना ने 2023 में यहां पर फाइनल में जगह बनाई थी। तब उन्हें सबालेंका ने ही हरा दिया था। बता दें कि रिबाकिना ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब 2022 में जीता था। तब वो विम्बलडन चैम्पियनशिप में महिला सिंगल्स चैम्पियन बनी थींछ। अब रिबाकिना दूसरी बार ग्रैंड स्लैम जीतने में कामयाब रहीं। उधर आर्यना सबालेंका के पास तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने का मौका था, लेकिन वो इस बार कामयाब नहीं हो पाईं।

### एलेना रायबाकिना को मिले 25 करोड़ रुपए

पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर इतिहास रचने वाली एलेना रायबाकिना को इनाम के तौर पर करीब 25 करोड़ रुपये मिले। अगर 2024 में हुए टी20 वर्ल्ड कप से तुलना करें तो ये रकम काफी ज्यादा है। टी20 वर्ल्ड चैंपियन भारत को प्राइज मनी के तौर पर 20.37 करोड़ रुपये मिले थे।

### सबालेंका को 13 करोड़

ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार दूसरी बार फाइनल में हारने वाली विश्व नंबर 1 एरीना सबलेंका को इनाम के तौर पर लगभग 13 करोड़ रुपये मिले हैं। हार के बाद सबलेंका कहा जब आप 3-0 से आगे चल रहे हों और उसके बाद हारना दुखद है। उसने शानदार खेल दिखाया।

**6-4, 4-6, 6-4 से सबालेंका को हराया**

## फाइनल में भिड़ेंगे जोकोविच और अल्कारेज

**मेलबर्न, जेएनएन।** थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया। स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे! उन्होंने कहा, यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

## खेल एक नजर

### मिलर को टी20 विश्व कप खेलने के लिए मंजूरी मिली

**जोहानिसबर्ग, जेएनएन।** दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिये मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह रविवार को दक्षिण अफ्रीका टीम के साथ मुंबई रवाना होंगे। सीएसए ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2026 खेलने के लिये मेडिकल मंजूरी मिल गई है। इसमें कहा गया। एसए 20 में पार्ल रॉयल्स के लिये खेलते हुए मिलर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था लेकिन इस सप्ताह उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है । वह रविवार को टीम के साथ जोहानिसबर्ग से मुंबई रवाना होंगे।

### ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम से पेट कमिंस बाहर

**नई दिल्ली, जेएनएन।** ऑस्ट्रेलिया ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी फाइनल स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका पैट कमिंस के रूप में लगा है। कमिंस बैक इंजरी की वजह से टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस समेत ऑस्ट्रेलिया ने अपने 15 खिलाड़ियों के फाइनल स्क्वॉड में कुल 2 बदलाव किए हैं। टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस ने ली है। बिग बैश में धमाल मचाने वाले स्टीव स्मिथ को स्क्वॉड में नहीं चुना गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल हुए हैं और सेलेक्टर टोनी डोडमाइड का मानना है कि यह जोड़ी 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस सभी वर्ल्ड कप के लिए फिट घोषित कर दिए गए हैं। हेजलवुड एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग और अकिलीज में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। डेविड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बीबीएल के ज्यादातर मैच और पाकिस्तान सीरीज नहीं खेल पाए थे, जबकि एलिस हैमस्ट्रिंग में हल्की चोट के कारण बीबीएल फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे थे।बेन डोडेमाइड ने कहा, पैट को अपनी पीठ की चोट से उबरने के लिए ज्यादा समय चाहिए, इसलिए बेन एक अच्छा रिप्लेसमेंट हैं जो लेफ्ट-आर्म पेस बॉलिंग के साथ-साथ शानदार फील्डिंग और निचले क्रम में अच्छी बैटिंग भी कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि अच्छी गति से गेंद को स्विंग कराने की उनकी क्षमता और चतुर वेरिएशन उन परिस्थितियों के लिए बहुत उपयुक्त होंगे जिनकी हम उम्मीद करते हैं और टीम के ओवरऑल स्ट्रक्चर के लिए भी।

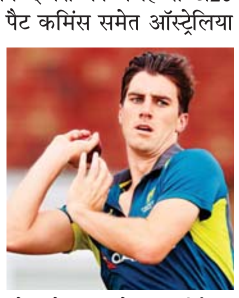

# पाक के खिलाफ एशिया कप फाइनल की हार का बदला लेने उतरेगा भारत

**अंडर-19 विश्व कप**

**बुलावायो, जेएनएन।** पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को यहां आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पाकिस्तान के साथ अपनी 'हाथ नहीं मिलाने की नीति' भी जारी रख सकता है। भारतीय अंडर-19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया। उस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मैच के दौरान भी भारत ने ऐसा ही किया था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, मौजूदा अंडर-19 विश्व कप में खेल रही भारत की अंडर-19 टीम ने विश्व क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के साथ वर्चुअल बातचीत की।

**भारत-** आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

**पाकिस्तान-** फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।

## डब्ल्यूपीएल: यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में दिल्ली कैपिटल्स

**वडोदरा, जेएनएन।** कुछ शीर्ष बल्लेबाजों की खराब फॉर्म की समस्या से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां वुमेंस प्रीमियर लीग मैच के आखिरी लीग मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में होगी। दिल्ली की जीत उन्हें सीधे गुजरात जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर में जगह दिला देगी। टीम ऐसी स्थिति में आठ अंक के साथ लीग में तीसरे स्थान पर रहेगी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर निचले पायदान पर मौजूद यूपी वारियर्स की जीत मुंबई की टीम के लिए रास्ता खोल सकती है। उस स्थिति में तीन टीम मुंबई, दिल्ली कैपिटल्स और वारियर्स तीनों के समान छह अंक रहेंगे और नेट रन रेट (एनआरआर) तय करेगा कि फाइनल में जगह बनाने के लिए एलिमिनेटर में गुजरात जाइंट्स का सामना कौन सी टीम करेगी। इन तीन टीम में से माइनस 1.146 के साथ वारियर्स का नेट रन रेट सबसे खराब है। दिल्ली का माइनस 0.164 जबकि मुंबई का प्लस 0.059 है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आठ मैच में छह जीत के साथ पांच टीम की तालिका में शीर्ष पर रहते हुए पहले ही सीधे फाइनल में जगह बना चुकी है। दिल्ली की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों ने मौजूदा सत्र में अधिक रन नहीं बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली सात मैच में 230 रन के साथ टीम की सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनकी हमवतन स्टार लॉरा वोल्वार्ट ने सात मैच में 194 रन बनाए हैं जो उम्मीद से कम है। शेफाली वर्मा सात मैच में 179 रन ही बना पाई हैं। दिल्ली को इस अहम मैच में इस भारतीय सलामी बल्लेबाज से बड़े योगदान की उम्मीद होगी।

**टी20 वर्ल्ड कप**

### बुमराह बनेंगे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: चहल

**नई दिल्ली, जेएनएन।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 को शुरू होने में कुछ ही दिन का समय रह गया है। ऐसे में क्रिकेट एक्सपर्ट्स टूर्नामेंट को लेकर बड़ी-बड़ी भविष्यवाणियां कर रहे हैं। इस कड़ी में टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाला खिलाड़ी और टूर्नामेंट के हाईएस्ट स्कोर को लेकर कई भविष्यवाणी की है। बता दें, चहल ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए ना तो अभिषेक शर्मा का नाम लिया है और ना ही सूर्यकुमार यादव का। टी20 वर्ल्ड कप को लेकर युजवेंद्र चहल की बड़ी भविष्यवाणियां- टॉप बैटर ऑफ द टूर्नामेंट- अभिषेक शर्मा, टॉप बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट- जसप्रीत बुमराह, कौन सबसे ज्यादा छक्के मारेगा- अभिषेक शर्मा, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट- जसप्रीत बुमराह।

## इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

**नई दिल्ली, जेएनएन।** इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया। शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका। डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली। इंग्लैंड के लिए ओपनर फिलिप सॉल्ट ने 35 गेंदों में 46 रन, वहीं टॉम बैंटन ने 15 गेंदों में 29 रन की पारी खेली। श्रीलंका के लिए ईशान मलिंगा ने 2 विकेट, महीश तीक्षणा और कप्तान दसुन शनाका ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 1 फरवरी को पल्लेकेले में ही खेला जाएगा।

### सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन-तीन विकेट चटकाए। सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की।

## सिटी स्पोर्ट्स

### वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट में भावनगर यूनिवर्सिटी 45 रन से हारी

**भोपाल, खेल प्रतिनिधि।** रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल की पुरुष क्रिकेट टीम ने वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने दूसरे नॉकआउट मुकाबले में महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी भावनगर यूनिवर्सिटी, गुजरात को 45 रनों से पराजित किया। मैच में आरएनटीयू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। विश्वविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 204 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आरएनटीयू की ओर से विकेटकीपर गीतांश राठौर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों की मदद से शानदार 63 रन बनाए। वहीं मोहम्मद तासीन आजाद ने 21 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 40 रन बनाए। इसके अतिरिक्त संजय मानिक ने 23 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्के, कुणाल भरथरे ने 16 गेंद में 3 चौके और 1 छक्का लगाते हुवे 24 रन, मयंक पंचाल ने 18 गेंद में 1 चौके और 2 छक्के लगाते हुए नाबाद 26 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी भावनगर यूनिवर्सिटी की टीम को आरएनटीयू के गेंदबाजों ने 20 ओवर में 8 विकेट लेकर 159 रनों समेट दिया।

# खेलो एमपी यूथ गेम्स का समापन, इंदौर ओवरऑल चैंपियन, भोपाल उपविजेता और जबलपुर तृतीय स्थान पर

**भोपाल, खेल प्रतिनिधि।** खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 का भव्य समापन समारोह शनिवार शाम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में संपन्न हुआ। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल पटेल ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीते दिनों प्रदेश के विभिन्न खेल मैदानों पर बना खेल वातावरण यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश तेजी से खेलों का केंद्र बन रहा है। इस अवसर पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स ने प्रदेश के युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शन का ऐतिहासिक मंच दिया है।

### खेलों के क्षेत्र में मध्यप्रदेश बनेगा नंबर एक: मंत्री सारंग

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। खेल अकादमियों का सशक्त संचालन, रेजिडेंशियल एकेडमी मॉडल और योग्य प्रशिक्षकों की उपलब्धता से खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश खेलों के मामले में देश में नंबर-1 बने। आने वाले समय में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक खेल अधोसंरचना विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

### मैदान चरित्र निर्माण की कार्यशाला : राज्यपाल

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि खेल का मैदान केवल हार-जीत का स्थान नहीं होता, बल्कि यह चरित्र निर्माण की कार्यशाला होता है। खेल से अनुशासन, धैर्य, संघर्ष और आत्मविश्वास विकसित होता है। जीत का संकल्प और हार के बाद फिर खड़े होने की क्षमता खेल ही सिखाता है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के माध्यम से गांव-गलियों में छिपी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें मंच देना एक सराहनीय पहल है।

### अमनदीप की स्वर्णिम ड्रैग-फ्लिक्स ने उभरते हॉकी सपने को नई रोशनी दी

**भोपाल, खेल प्रतिनिधि।** साई एनसीओई भोपाल के उभरते हुए हॉकी खिलाड़ी अमनदीप लकरा ने हाल ही में संपन्न हॉकी इंडिया लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय हॉकी में एक उल्लेखनीय अध्याय जोड़ा है। हैदराबाद तूफ़ान का प्रतिनिधित्व करते हुए अमनदीप लकरा ने 9 गोल दागकर अपनी टीम को कांस्य पदक दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। ओडिशा के सुंदरगढ़ में जन्मे अमनदीप लकरा हॉकी से गहराई से जुड़े परिवार से आते हैं। उनका सफर समर्पण, अनुशासन और त्याग से प्रेरित रहा है। उनके पिता श्री विजय के. लकरा, स्वयं एक हॉकी कोच हैं, जो खिलाड़ी के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना पूरा नहीं कर सके। इसी अधूरे सपने को साकार करने के संकल्प के साथ अमनदीप ने भारत के लिए खेलने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अमनदीप लकरा ने वर्ष 2013 में हॉकी खेलना शुरू किया और उन्हें पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं पद्म श्री सम्मानित दिलीप तिर्की से प्रेरणा मिली। तभी से वह निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने खेल को निखार रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्तर पर भी अमनदीप लकरा ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।

## संक्षिप्त समाचार

### एसआईआर में बंगाल से घुसपैठिए बाहर होंगेः शाह

**कोलकाता, जेएनएन।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और दावा किया कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाया जाएगा। शाह ने कहा, 'ममता जी एसआईआर का जितना विरोध करना है करें, घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से निकालना ही पड़ेगा। जो रह जाएंगे, उन्हें भाजपा का मुख्यमंत्री आकर निकालेगा। साल 2026 टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है।' शाह ने कहा कि बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेंकेगी और इसकी विदाई का समय आ गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'टीएमसी तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है।'

### कर्नाटकः संदिग्ध वस्तु में विस्फोट, 6 घायल

**बीदर (कर्नाटक), जेएनएन।** बीदर जिले के हुमानाबाद तालुक के एक गांव में शनिवार सुबह एक संदिग्ध वस्तु में विस्फोट होने से छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। यह घटना मोलकेरा गांव में एक सड़क पर हुई। इससे गांववालों में दहशत फैल गई है। सूचना मिलने पर, हुमानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की। घटनास्थल से विस्फोट के नमूने लेने के लिए बाद में फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुंटी ने भी घटनास्थल का दौरा किया और विस्फोट की प्रकृति का जायजा लिया। मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने पर हैरानी जताई और घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

### तिरुपतिः लड्डू मामले में किसी को क्लीन चिट नहीं

**तिरुपति, जेएनएन।** तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में मिलावट के मामले पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने स्पष्ट किया है कि किसी को भी क्लीन चिट नहीं दी गई है। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि एसआईटी की चार्जशीट में श्रीवारी लड्डू बनाने में मिलावटी घी की मौजूदगी साफ तौर पर साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह झूठे दावे कर भक्तों को गुमराह कर रहे हैं। सीबीआई की फाइनल चार्जशीट में यह बात सामने आई है कि लड्डुओं में पशु चर्बी नहीं, बल्कि मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ था।

### दावाः कनाडा के दुश्मनों से मिले यूएस अधिकारी

**वॉशिंगटन डीसी/ओटावा, जेएनएन।** कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में एक नया विवाद उभर आया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत को अलग देश बनाने की मांग कर रहे अलगाववादी समूहों के नेताओं से मुलाकात की। पिछले साल अप्रैल से अब तक अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी तीन बार अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिले। ये नेता अल्बर्टा को कनाडा से अलग कर एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की वकालत कर रहे हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा है।

### गाजा में बच्चों समेत 23 फलस्तीनियों की मौत

**दीर अल-बलाह, जेएनएन।** गाजा में शनिवार तड़के इजराइल के हमलों में कम से कम 23 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अक्टूबर में संघर्ष रोकने के लिए हुए समझौते के बाद इजराइली हमले में मारे गये लोगों की संख्या सबसे अधिक है। विभिन्न अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल द्वारा हमास पर संघर्ष विराम उल्लंघन का आरोप लगाये जाने के एक दिन बाद गाजा में कई स्थानों पर हमले हुए, जिनमें एक इमारत और खान यूनिस में तम्बू वाले एक शिविर पर घातक हमले शामिल हैं।

हरियाणा के सूरजकुंड में 39वां अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला 'लोकल टू ग्लोबल' थीम पर आयोजित हो रहा है। इस मेले का उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। मेले में 50 से अधिक देशों के लगभग 700 प्रतिभागी शामिल हैं। 'लोकल टू ग्लोबल, आत्मनिर्भर भारत की पहचान' थीम पर आधारित यह मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा।

2028 तक भारत का होटल उद्योग

## 16-21 फीसदी की मजबूत वृद्धि संभव

**भारत का होटल उद्योग इस समय एक 'स्वीट स्पॉट' में है और अगले तीन सालों में इसकी कमाई में 16 से 21 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखने को मिल सकती है। यह अनुमान एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेंस्टमेंट रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में जताया गया है।**

**5-7** प्रतिशत की सालाना औसत रूम रेट ग्रोथ का मिलेगा समर्थन

**30-45** प्रतिशत तक योगदान करते हैं कॉर्पोरेट इवेंट्स और शादियों जैसे कार्यक्रम होटल सेक्टर के कुल आमदनी में

**10-30** सालों के लिए वैश्विक हॉस्पिटैलिटी उद्योग का सबसे बड़ा अवसर

**17** प्रतिशत कम हैं फिलहाल सेक्टर की वैल्यूएशंस पांच साल के औसत से

#### ये हैं कमाई के क्षेत्र

- प्रमुख शहरी और हॉलीडे बाजारों की ऑक्यूपेंसी में सुधार
- हाई-मार्जिन मैनेज्ड रूम इन्वेंट्री का जुड़ना
- मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन जैसे सेगमेंट्स का मजबूत योगदान

#### मार्जिन में भी सुधार

- 140 बेसिस पॉइंट्स का विस्तार हो सकता है मार्जिन में अगले तीन साल में

**मजबूत मांगः** उद्योग में मांग मजबूत, व्यापक और टिकाऊ बनी हुई है।

**आपूर्ति पीछेः** नई क्षमता (कमरों की आपूर्ति) मांग की बराबरी नहीं कर पा रही। बीते चार साल में रूम रेट बढ़ रहे हैं और ऑक्यूपेंसी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है।

# ईरान के सात शहरों में धमाके पांच की मौत और 14 घायल

**तेहरान, जेएनएन।** ईरान के कम से कम सात शहरों में शनिवार को धमाकों की खबर से हड़कंप मच गया। राजधानी तेहरान, परंद, तबरीज, कोम, अहवाज, नतांज़ और बंदर अब्बास में विस्फोट हुए। इन धमाकों में कम से कम 5 लोगों की मौत हुई है और 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं, हालांकि ईरान सरकार की ओर से अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये विस्फोट अमेरिकी सेना की किसी कार्रवाई से जुड़े नहीं हैं। वहीं एक इज़राइली अधिकारी ने भी साफ किया कि इस घटना में इज़राइल की कोई भूमिका नहीं है। ईरानी एजेंसी तसनीम ने उन खबरों को भी खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के नौसेना कमांडर को निशाना बनाया गया। सरकारी टीवी पर दिखाई गई तस्वीरों में इमारतों के अगले हिस्से पूरी तरह उड़ते और चारों ओर मलबा फैला दिखा। इ्रत्र्न के मुताबिक बंदर अब्बास के रेस्क्यू अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इमरजेंसी सेवाओं के जरिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। ये धमाके ऐसे वक्त हुए हैं जब ईरान में 28 दिसंबर से सरकार-विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। एक ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 5,000 लोगों की मौत का दावा है।

#### कहां-कहां क्या हुआ

- **अहवाजः** सरकारी अख़बार तेहरान टाइम्स के मुताबिक एक रिहायशी इमारत में गैस विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोगों की मौत हुई।
- **बंदर अब्बासः** एक इमारत में विस्फोट से उसकी दो मंज़िलें ढह गईं और आसपास की दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। यहां 14 लोग घायल हुए।
- **तेहरान, परंद, तबरीजः** सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में घने धुएं के गुबार और क्षतिग्रस्त ढांचों को देखा गया।

### इजरायल, सऊदी अरब को हथियार खरीद की मंजूरी

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपने प्रमुख सहयोगियों इजरायल और सऊदी अरब को भारी मात्रा में हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने इजरायल को 6.67 अरब डॉलर और सऊदी अरब को करीब 9 अरब डॉलर के हथियार बेचने की स्वीकृति दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब ईरान पर अमेरिका और यूरोपीय संघ का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह परमाणु समझौते पर वापस नहीं आता तो 'समय खत्म हो रहा है।' उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई से पहले एक गुप्त डेडलाइन तय करने के संकेत भी दिए हैं। अमेरिका की शर्तों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बंद करना और प्रदर्शनकारियों पर हिंसा रोकना शामिल बताया गया है। तनाव के बीच यूरोपीय संघ ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है।

### ईरान अमेरिका से 'निष्पक्ष' वार्ता के लिए तैयार लेकिन रक्षा क्षमताओं पर नहींः विदेश मंत्री अराघची

**इस्तांबुल, जेएनएन।** ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने को तैयार है, बशर्ते वार्ता निष्पक्ष हो और उसमें ईरान की रक्षा क्षमताएं शामिल न की जाएं। इस्तांबुल में तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान को बातचीत से कोई समस्या नहीं है, लेकिन धमकियों की छाया में वार्ता नहीं हो सकती। निष्पक्ष और समान वार्ता के लिए रवैया बदलना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अमेरिकी अधिकारियों के साथ किसी बैठक का कार्यक्रम तय नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान की रक्षात्मक और मिसाइल क्षमताएं और उसके मिसाइल किसी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडलः नए सनसनीखेज खुलासे

## मस्क, मीरा के नाम और प्रिंस एंड्र्यू के फोटो सामने आए

**वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन।** अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने शुक्रवार देर रात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं। इन फाइलों में आरोप है कि एपस्टीन नाबालिग लड़कियों का रोजाना कई बार यौन शोषण करता था। यह खुलासा 2010 में फ्लोरिडा में एक पीड़िता द्वारा दायर सिविल शिकायत के विवरणों में दर्ज है, जिनका उल्लेख अब जारी की गई फाइलों में किया गया है। नई फाइलों में प्रिंस एंड्रयू की कुछ तस्वीरों का भी जिक्र है। इनमें वे जमीन पर लेटी एक महिला के ऊपर झुके दिखाई देते हैं। महिला की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है और तस्वीरों के समय-स्थान की जानकारी भी स्पष्ट नहीं है। इन दस्तावेजों में पहली बार भारतीय फिल्म निर्देशक मीरा नायर और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का नाम भी आया है। हालांकि, फाइलों में नामों का उल्लेख किस संदर्भ में है, इस पर विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण अभी सामने नहीं आया है।

#### करोड़ों पन्नों का रिकॉर्ड सार्वजनिक

कोर्ट के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन पिछले कुछ समय से एपस्टीन से जुड़े दशकों पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक कर रहा है। ताजा रिलीज में करीब 30 लाख पेज, 1.8 लाख तस्वीरें और 2,000 से अधिक वीडियो शामिल बताए गए हैं। इससे पहले भी अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एपस्टीन की कुछ तस्वीरें जारी की थीं। ईमेल रिकॉर्ड्स में यह भी सामने आया है कि एपस्टीन ने एंड्रयू की 26 वर्षीय रूसी महिला से मुलाकात कराने की बात कही थी। इन खुलासों के बाद एंड्रयू पर दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने पहले भी किसी गलत हरकत से इनकार किया है। इन खुलासों के बाद संबंधित व्यक्तियों की प्रतिक्रियाओं पर नजर है। मामले में राजनीतिक प्रतिक्रिया आने की संभावना बनी हुई है।

#### क्या हैं आरोप दस्तावेजों में

फाइलों के मुताबिक, लड़कियों को एपस्टीन के पाम बीच स्थित घर तक निजी वाहन से लाया जाता था। वहां उनकी निजी जानकारी दर्ज की जाती और उन्हें ऐसे कमरे में ले जाया जाता, जहां शॉवर और मसाज टेबल होती थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पहली बार आने वाली लड़की को प्रक्रिया समझाने के लिए एक अन्य लड़की मौजूद रहती थी। आरोप है कि शोषण के बाद पीड़िताओं को पैसे दिए जाते और बाहर भिजवा दिया जाता। यह भी कहा गया है कि उन्हें दूसरी नाबालिग लड़कियां लाने का दबाव बनाया जाता था और मना करने पर धमकियां दी जाती थीं।

### दुनिया से कर्ज मांगने में आती है शर्मः पाक पीएम

**इस्लामाबाद, जेएनएन।** पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने विदेशी कर्ज पर खुलकर नाराजगी जताई है। इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार विदेश जाकर कर्ज मांगना आत्मसम्मान पर भारी पड़ता है और कई बार कर्ज देने वाले देशों की शर्तों मानना मजबूरी बन जाती है। शहबाज शरीफ ने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनिया भर में पैसे मांगने जाते हैं, तो हमें शर्म आती है। कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें समझौते करने पड़ते हैं और कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।'

**वैकल्पिक रास्ते तलाशने की जरूरत :** प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्ज का बोझ देश की इज्जत पर भारी पड़ रहा है और अब पाकिस्तान को वैकल्पिक आर्थिक रास्ते तलाशने होंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान आईएमएफ से मदद लेने और पुराने कर्ज को रोलओवर कराने की कोशिश कर रहा है। शरीफ ने चीन को 'हर मौसम का दोस्त' बताया और कहा कि सऊदी अरब, यूएई और कतर ने भी अच्छे-बुरे हर वक्त में पाकिस्तान का साथ दिया है। विदेशी मुद्रा भंडार संभालने और भुगतान संतुलन के संकट से बचने में इन्हीं देशों की मदद अहम रही है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर करीब 45 फीसदी तक पहुंच गई है। बेरोजगारी दर लगभग 7.1 फीसदी है और 80 लाख से अधिक लोग बेरोजगार बताए जा रहे हैं। 2018 में 21.9 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी, वहीं अब लगभग 45 फीसदी है।

### 'धुरंधर' के गाने ने दुनिया में मचाई धूम, बना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, जेएनएन।** बहरीन के फेमस रैपर फ्लिपराची ने म्यूजिक की दुनिया में ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका सपना हर कलाकार देखता है। फिल्म 'धुरंधर' के सुपरहिट गाने 'फासला' ने आधिकारिक तौर पर 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपनी जगह बना ली है। बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' में सुनाई दिए इस गाने ने बिलबोर्ड अरबिया चार्ट्स में सबसे लंबे समय तक टॉप पर रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अब इस उपलब्धि ने फ्लिपराची को रातोरात भारत में एक बड़ा नाम बना दिया है। रैपर ने अपनी इस खुशी को एक वीडियो के जरिए शेयर किया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम आने के बाद रिएक्शन देते हुए फ्लिपराची ने कहा, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, हबीबी! यह एहसास बहुत ही शानदार है। हैरानी जताते हुए कहा, यह गाना उस भाषा (हिंदी) में लोकप्रिय हुआ, जिसमें इसे गाया ही नहीं गया था। उन्होंने बताया कि जब वे एक फोटोशूट में व्यस्त थे, तब उन्हें यह खबर मिली कि उनका गाना एक साथ चार अलग-अलग चार्ट्स में टॉप पर है।

अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल जारी

## एनसीपी के विलय व शरद के एनडीए में जाने की अटकलें

**मुंबई, जेएनएन।** महाराष्ट्र में हाल ही में हुए निकाय चुनावों के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों ने एक साथ चुनाव लड़ा, जिसके बाद उनके फिर से एक होने की अटकलें तेज हो गई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी की शुरुआत में दोनों गुटों के विलय का ऐलान होना था, लेकिन बुधवार को विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2023 में विभाजित हुई एनसीपी जिसका एक गुट भाजपा के साथ गया और दूसरा उसके खिलाफ अब क्या फिर एकजुट होगी?

इस बीच पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने यह भी कहा कि पवार परिवार के सदस्य 2-3 दिनों में बैठकर आगे की दिशा तय करेंगे और अहम फैसले सामूहिक रूप से लिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक पवार परिवार के साथ कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई है और नेता केवल सुनेत्रा पवार और अजित पवार के बेटों से शोक-संवेदना के लिए मिले हैं।

#### दोनों एनसीपी का विलय तय थाः एकनाथ खडसे

एनसीपी (शरद गुट) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि दोनों एनसीपी का एक साथ आना तय हो चुका था। विलय की प्रक्रिया अंतिम चरण में थी और पंचायत चुनावों के बाद इसके होने की पूरी संभावना थी। खडसे ने कहा कि फिलहाल एनसीपी (एसपी) का चुनाव चिह्न प्रभावी रूप से मौजूद नहीं है और केवल घड़ी का चिन्ह सामने है, जिससे संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक स्पष्टता के लिए विलय की इच्छा और मजबूत हुई।

#### क्या शरद पवार एनडीए में जाएंगे?

शरद पवार के एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर खडसे ने कहा कि अभी इस विषय पर फैसला लेना सही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'घटना को हुए केवल तीन दिन हुए हैं, यह समय अटकलों का नहीं है।'

#### अजित की अंतिम इच्छा थी एकजुटताः देशमुख

एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि अजित पवार की दिली इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों गुट एक हों। उन्होंने बताया कि अजित पवार ने इसे अपनी अंतिम इच्छा के रूप में भी व्यक्त किया था और इसके लिए कदम उठाने शुरू कर दिए थे, हालांकि प्रक्रिया में कुछ देरी हुई।

9 हजार करोड़ की डील पर किए साइन

## खाबी लैम बने सबसे महंगे डिजिटल क्रिएटर

**नई दिल्ली, जेएनएन।** आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का क्रेज इस समय दुनियाभर में छाया हुआ है। एआई का इस्तेमाल लोग तरह-तरह की वीडियो बनाने में कर रहे हैं। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर को भी इस नई टेक्नोलॉजी का पूरा फायदा मिल रहा है। इटली के पॉपुलर सोशल मीडिया क्रिएटर खाबी लैम ने हांगकांग की एक कंपनी के साथ इसी एआई के चलते एक डील साइन की है। इस डील के लिए खाबी लैम को 9,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। खाबी लैम दुनिया के सबसे महंगे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बनने की राह पर हैं। खाबी लैम कोरोना काल के दौरान सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हुए।

ओवर-द-टॉप लाइफ हैक्स पर बिना बोले रिएक्शन देने के लिए खाबी लैम को जाना जाता है। खाबी लैम के आज के समय में 36 करोड़ फॉलोअर्स हैं।

कोरोना में कई लोगों की तरह ही खाबी लैम की नौकरी भी चली गई थी। लैम फैक्ट्री मैकेनिक के तौर पर काम करते थे। लेकिन लाइफ हैक्स पर मजेदार रिएक्शन ने उन्हें पॉपुलर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बना दिया।

इटली का रहने वाला ये इंफ्लुएंसर सोशल मीडिया पर छाया रहता है। 25 साल के इस इंफ्लुएंसर के रिएक्शन काफी वायरल होते हैं। मीम्स में कई बार इस इंफ्लुएंसर के रिएक्शन का लोग इस्तेमाल करते हैं।

खाबी लैम अब एआई के जरिए लोगों के दिलों पर राज करने वाले हैं। इटली के इंफ्लुएंसर ने हांगकांग की एआई फर्म रुच स्पार्क होल्डिंग्स के साथ 8,961 करोड़ रुपये की डील साइन की है। इस डील के लिए खाबी लैम ने पर्सनैलिटी राइट्स बेच दिए हैं।

दावाः उम्र घटाने के लिए महिला ने करवाई 'खून फिल्टरिंग'

## 36 की उम्र में महसूस कर रही 28 का

**लंदन, जेएनएन।** ब्रिटेन की एक 36 वर्षीय महिला ने उम्र घटाने के लिए खून की फिल्टरिंग (ब्लड फिल्टरिंग) कराने का दावा किया है। महिला का कहना है कि इस प्रक्रिया के जरिए शरीर से अशुद्धियां निकालकर खून को साफ किया गया, जिसके बाद वह खुद को 28 साल जैसा महसूस कर रही है। महिला के अनुसार, इस प्रक्रिया में उसके शरीर से लगभग 400 मिलीलीटर कचरा (टॉक्सिन्स/अवांछित तत्व) बाहर निकाला गया। इलाज के बाद एनर्जी लेवल में बढ़ोतरी, सूजन में कमी और नींद की गुणवत्ता बेहतर होने का दावा किया गया है। महिला का कहना है कि अब वह पहले से ज्यादा वजन उठा पा रही है और शरीर अधिक फिट महसूस हो रहा है।

#### क्या है 'खून फिल्टरिंग' की प्रक्रिया?

बताया गया कि इस तकनीक में शरीर से पूरा खून बाहर नहीं निकाला जाता, बल्कि उसे एक खास मशीन से गुजारा जाता है।

- मशीन के जरिए खून से गंदगी और टॉक्सिन्स छाने जाते हैं।
- साफ किया गया खून दोबारा शरीर में डाल दिया जाता है।

#### कितना खर्च और कब कराया?

महिला के मुताबिक, उसने यह प्रक्रिया अक्टूबर 2025 में करवाई। इस पर करीब 2 लाख रुपए का खर्च आया।

#### विशेषज्ञों की चेतावनी

हालांकि इस तरह के दावों को लेकर चिकित्सकीय समुदाय में मतभेद हैं। कई विशेषज्ञों का कहना है कि उम्र घटने जैसे दावे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं हैं और ऐसी प्रक्रियाएं हर व्यक्ति के लिए सुरक्षित या जरूरी हों, यह भी तय नहीं। बिना डॉक्टर की सलाह के ऐसी तकनीकों को अपनाना जोखिम भरा हो सकता है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sq.cm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 500/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

### 6 राज्यों की 12 टीम नवग्रह हॉकी टूर्नामेंट खेलेंगीं

**जागरण, खरगोन।** 1 से 4 फरवरी तक अखिल भारतीय नवग्रह हॉकी ट्रॉफी स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। देवी अहिल्या उत्कृष्ट स्कूल मैदान पर होने वाली इस स्पर्धा में देश के 6 राज्यों की 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इसका उद्घाटन रविवार सुबह 11 बजे होगा। स्पर्धा अध्यक्ष मनोज रघुवंशी ने बताया कि प्रत्येक मुकाबला 60 मिनट का होगा, जिसमें 15-15 मिनट के चार हाफ खेले जाएंगे।

### सोन अभयारण्य में छोड़ा नर घड़ियाल

**जागरण, सीधी।** सोन घड़ियाल अभयारण्य में घड़ियालों के कुनबे को बढ़ाने और उनके संरक्षण के लिए वन विभाग ने चंबल नदी से लाए गए एक नए नर घड़ियाल को जोगदह के पास सोन नदी में छोड़ा। यह कदम अभयारण्य के उस पुराने नर घड़ियाल की मौत के बाद उठाया गया है, जिसकी वजह से 9 साल बाद यहां रिकॉर्ड 132 घड़ियाल शिशुओं का जन्म हुआ था।

**बजट 2026: महज खर्च का हिसाब नहीं, 'विकसित भारत 2047' की दिशा में निर्णायक कदम**

# सस्ते हो सकते हैं सोना-चांदी, घट सकती है ड्यूटी

**नई दिल्ली, जेएनएन।** रविवार एक फरवरी को पेश होने वाले बजट के बाद सोना-चांदी खरीदना सस्ता हो सकता है। सरकार इस पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सोना प्रति 10 ग्राम करीब 3 हजार और चांदी 6 हजार रुपए सस्ती हो सकती है। 2025 में सोना 75 फीसदी और चांदी 167 फीसदी बढ़ी है। अभी यानी जनवरी 2026 में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.50 लाख और एक किलो चांदी 3.50 लाख रुपए में मिल रही है। फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक साथ बड़ी खरीदारी की बजाय किस्तों में निवेश का तरीका अपनाना चाहिए, ताकि कीमतों में होने वाले भारी उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम किया जा सके। बाजार की अनिश्चितता और ऊंचे स्तरों को देखते हुए निवेशकों को 'तेजी के पीछे भागने के बजाय गिरावट पर खरीदारी' करनी चाहिए।

### खर्च और संसाधन: दो बड़े सवाल

हर बजट की तरह इस बार भी दो मूल प्रश्न केंद्र में रहेंगे कि सरकार पैसा कहां खर्च करेगी और खर्च के लिए संसाधन कैसे जुटाएगी। बजट 2026 में इन दोनों पहलुओं के साथ-साथ सरकार अपनी लंबी अवधि की संरचनात्मक प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट कर सकती है।

**ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले सेक्टर्स पर जोर:** खर्च के मोर्चे पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में रणनीतिक निवेश की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में निवेश से भारत की वैश्विक तकनीकी भागीदार के रूप में स्थिति मजबूत होगी, साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित होंगे और वैश्विक पूंजी आकर्षित होगी।

**'मेक इन इंडिया' को गति:** इसके अलावा भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने के लिए भी कई घोषणाएं संभव हैं। इससे 'मेक इन इंडिया' मिशन को नई गति मिलेगी। नीति-सरलीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट और रेगुलेटरी स्पष्टता के जरिए उद्योग जगत की बाधाएं कम करने पर जोर रहेगा। टैक्सेशन और श्रम कानूनों में पहले हुए बड़े सुधारों के बाद अब सोशल और कॉर्पोरेट रेगुलेशंस को आधुनिक बनाने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं।

### टैक्स और रेवेन्यू की तस्वीर

टैक्सेशन के लिहाज से 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रहा नया इनकम टैक्स एक्ट अहम रहेगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। नए कानून में टैक्स प्रावधानों को सरल बनाने, अप्रासंगिक धाराओं को हटाने और प्रक्रियाओं को आसान करने पर जोर दिया गया है। साल 2025 में लागू हुए जीएसटी 2.0 सुधारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इससे खासकर ऑटोमोबाइल और इंश्योरेंस जैसे सेक्टर्स में मांग बढ़ी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिली। उम्मीद है कि वित्त मंत्री अपने बजट भाषण में इन सुधारों का जिक्र करेंगी और जीएसटी सुधारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी। दरों के तर्कसंगतकरण से मार्केट सेंटिमेंट और उपभोग दोनों को मजबूती मिल सकती है।

## कहां से, कितना आता है कर राजस्व

केंद्र को वित्तीय वर्ष 26 में 13.6 ट्रिलियन इनकम टैक्स इकट्ठा करने की उम्मीद है। जिसके बाद आयकर देने वाले लोग और परिवार कर राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देने वाले बन जाएंगे। यह सकल कर राजस्व का लगभग 32 फीसदी है।

### वित्तीय वर्ष 26 के लिए केंद्र का अनुमानित सकल कर राजस्व

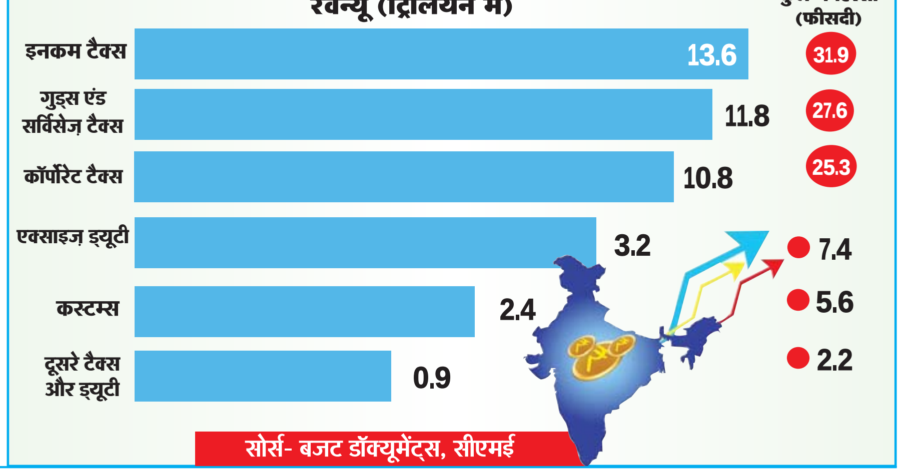


सोर्स- बजट डॉक्यूमेंट्स, सीएमई

### "ट्वीट ऑफ द डे"

**शशि थरूर**
कांग्रेस नेता

तटीय कटाव के मुद्दे को मैंने पिछले कई वर्षों से संसद में और प्रधानमंत्री के समक्ष उठाया है। केंद्र सरकार कहती है कि यह राज्य की जिम्मेदारी है, जबकि राज्य सरकार कहती है कि उसके पास इसके लिए धन नहीं है। उम्मीद है कि केंद्रीय बजट में इस समस्या का समाधान निकलेगा। आशा है सरकार केरल से किए गए वादों को पूरा करेगी।

# भोपाल मंडल में सिर्फ 37% काम पूरा, कोटा ने इससे दोगुना किया

### भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन प्रोजेक्ट का 20 साल से चल रहा काम

**नगर संवाददाता, भोपाल।** भोपाल से रामगंज मंडी तक नई रेल लाइन बिछाई जा रही है। वर्ष 2001 में इस परियोजना की घोषणा हुई थी और 2005 से काम शुरू हुआ था। बीते 20 साल से इस पर काम जारी है। कुल 276 किलो मीटर लंबी रेल लाइन की वर्क रिपोर्ट पर बात करें तो इसमें भोपाल रेल मंडल लक्ष्य से बहुत पीछे है। जबकि कोटा रेल मंडल ने इसी अवधि में अपना टारगेट बहुत हद तक पूरा कर लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे से मिली जानकारी अनुसार कुल 276 किमी के इस प्रोजेक्ट में भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत 111 किमी का काम होना है। इस 111 किमी में से भोपाल रेल मंडल द्वारा अभी तक 42 किमी की रेल लाइन को पूरा किया है। जो कि कुल लक्ष्य का 37 प्रतिशत है। इसके विपरीत यदि कोटा मंडल की बात करें तो कोटा मंडल के अंतर्गत इस रेल प्रोजेक्ट का 165 किलो मीटर हिस्सा आता है। इस 165 किमी में से कोटा रेल मंडल द्वारा अभी तक 127 किमी की रेल लाइन का काम पूरा कर दिया गया है। जो कि कुल लक्ष्य का 77 प्रतिशत है। वर्क प्रोग्रेस को यदि प्रतिशत के हिसाब से देखें तो कोटा मंडल ने भोपाल के मुकाबले दोगुना काम किया है।

- **भोपाल के हिस्से में यह स्टेशन:** ब्यावरा, पीपलखेड़ा, सोनकच्छ, नरसिंहगढ़, जमुनियागंज, कुरावर, श्यामपुर, दुराहा, जरखेड़ा, मुगलियाहाट, संत हिरदाराम नगर एवं निशातपुरा डी केबिन शामिल हैं।
- **कोटा के हिस्से में यह स्टेशन:** रामगंज मंडी, जुल्मी, झालावाड़, झालरापाटन, जूनाखेड़ा, अमेठा, अकलेरा, पचोला, घटोली, नयागांव, भोजपुर, देवपुरा, खिलचीपुर, राजगढ़, नरसिंहपुर।
- **भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा:** भोपाल रेल मंडल द्वारा धीमी गति से काम करने का सबसे बड़ा कारण इस मंडल के अंतर्गत जमीन अधिग्रहण सबसे बड़ी चुनौती है। राजगढ़ जिले में खासकर ब्यावरा के पास कई किसानों की जमीन इस प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहित की जाना है। भोपाल संभागायुक्त भी कई बार संबंधित जिला कलेक्टर को निर्देशित कर चुके हैं कि जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई तेजी से पूरा किया जाए, लेकिन अभी भी कई ब्लॉक में यह काम अटका हुआ है।
- **ट्रायल और निरीक्षण:** अगस्त 2025 में जरखेड़ा से श्यामपुर के बीच 11 किमी के नए खंड पर 125 किमी/घंटा की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया था।

**500 करोड़ से 3500 करोड़ रुपए पहुंची लागत**

वर्ष 2001 के रेल बजट में सबसे पहले इस परियोजना की घोषणा की गई थी। तब इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 500 करोड़ रुपए बजट का ऐलान किया गया था। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए डेडलाइन 2012 तय की गई थी। लेकिन समय बढ़ता गया और समय के साथ परियोजना की लागत भी। अब रेल मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 2027 की डेडलाइन तय की है। बजट बढ़कर 3500 करोड़ तक पहुंच गया है।

### परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के 5 जिले (कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर एवं भोपाल) प्रत्यक्ष रूप से जुड़ेंगे।
- राजस्थान के झालावाड़ स्थित कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई में यह मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। नया मार्ग 42 किलोमीटर कम होगा।
- रूठियाई-कोटा-रामगंज मंडी-झालावाड़ (257 किमी) मार्ग के माध्यम से जयपुर से दक्षिण भारत की ओर चलने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट लगभग 115 किलोमीटर कम हो जाएगा। जिससे 3 घंटे की बचत होगी।

### इनका कहना है

भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन परियोजना के पूर्ण होने से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, माल परिवहन में सुविधा तथा क्षेत्र में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

**सौरभ कटारिया**
सीनियर डीसीएम भोपाल रेल मंडल

## तीन दिन बदला रहेगा प्रदेश का मौसम, कोहरा-बारिश के आसार

### उत्तर भारत में बर्फबारी का दिखेगा असर

**नगर संवाददाता, भोपाल।** मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्से में मौसम ने करवट ले ली है। जबलपुर और टीकमगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने 1, 2 और 3 फरवरी को बारिश और तेज हवा का अलर्ट जारी किया गया है। ज्यादा असर ग्वालियर, चंबल, सागर और उज्जैन संभाग में रहेगा। शनिवार सुबह ग्वालियर, रीवा और दतिया में घना कोहरा रहा। रीवा में विजिबिलिटी सबसे कम रही। सतना, भोपाल, उज्जैन, सीहोर, विदिशा, देवास, रतलाम, राजगढ़, नर्मदापुरम, धार, गुना, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, बालाघाट समेत 20 से ज्यादा जिलों में मध्यम कोहरा देखा गया। मौसम बुलेटिन के मुताबिक दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बड़े शहरों में तापमान 10 डिग्री से ज्यादा रहा। छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी-दतिया में 7.8 डिग्री, उमरिया में 7.9 डिग्री, रायसेन में 8.2 डिग्री, सतना में 8.6 डिग्री, मंडला में 8.9 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, दमोह में 9.5 डिग्री, नौगांव में 9.6 डिग्री, मलाजखंड में 9.7 डिग्री और सीधी में तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान गुना, शाजापुर समेत 8 जिलों में आंधी, बारिश और गरज चमक होने का अलर्ट जारी किया है। शाजापुर में तो हल्की बारिश का दौर शुरू भी हो गया है। इंदौर में भी बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, विदिशा, राजगढ़, शाजापुर में बिजली चमकने के साथ तेज हवा चलने और दोपहर में गुना, राजगढ़, सागर, रायसेन के सांची में हल्की बारिश होने की संभावना है।

### क्यों बदल रहा है मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) की वजह से यह बदलाव हो रहा है। 2 से 5 फरवरी के बीच यह सिस्टम फिर सक्रिय होगा, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखेगा। इसी कारण 10 फरवरी तक कहीं-कहीं बारिश के आसार बने रहेंगे।

### सिस्टम आगे बढ़ेगा तब फिर लौटेगी ठंड

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और तेज हवाओं का असर एमपी तक पहुंचा है। इससे कई शहरों में दिन का तापमान गिर गया। मौसम विभाग का कहना है कि जब बारिश का सिस्टम आगे बढ़ेगा, तब प्रदेश में ठंड का एक और दौर आएगा। दिन और रात के तापमान में फिर गिरावट होगी। सुबह सतना में दृश्यता सिर्फ 50 मीटर रही। वहीं, रात में भोपाल और ग्वालियर समेत करीब 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया। राजगढ़ सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3 डिग्री दर्ज किया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### कांफ्रेंस में महिला डॉक्टर को आया कार्डियक अरेस्ट

**जागरण, इंदौर।** शनिवार को एक इंटरनेशनल यूरोलॉजी कॉन्फ्रेंस के दौरान महिला डॉक्टर को कार्डियक अरेस्ट आ गया। प्रेजेंटेशन देते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे मंच पर ही गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सांसें लौट आईं। हालांकि, उनकी हालत अभी गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दूसरे निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। मैंगलोर से डॉक्टर श्रीन बुटोले कांफ्रेंस में शामिल होने इंदौर आई थीं और घटना के वक्त वे कांफ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। फिलहाल महिला डॉक्टर आईसीयू में है। डॉक्टरों की टीम उन पर नजर बनाए हुए है।

### बहाल होते ही फिर नशे में स्कूल पहुंचे हेडमास्टर

**जागरण, सतना।** जिले के उचेहरा विकासखंड अंतर्गत परसमनिया पहाड़ी स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल कुरेही के हेडमास्टर जयपाल दिनकर एक बार फिर विवादों में हैं। बहाली के तुरंत बाद ही उनका शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो शुक्रवार का बताया जा रहा है, जो शनिवार शाम को सामने आया। वीडियो में प्रधानाध्यापक नशे की हालत में अन्य शिक्षकों से बहस करते दिख रहे हैं। हेडमास्टर को बीते साल भी नशे में धुत होकर सड़क पर बेसुध पड़े रहने के एक वीडियो के वायरल होने के बाद निलंबित किया था।

## पटवारी से रेप करने वाले डिप्टी कलेक्टर को 10 साल की जेल

### सेंधवा एसडीएम रहते किया दुष्कर्म, बड़वानी कोर्ट का फैसला

**जागरण, बड़वानी।** महिला पटवारी से दुष्कर्म मामले में तत्कालीन एसडीएम सेंधवा और वर्तमान उज्जैन डिप्टी कलेक्टर अभय सिंह खराड़ी को तृतीय जिला एवं सत्र न्यायालय बड़वानी ने दोषी ठहराया है। कोर्ट ने खराड़ी को 10 साल की सजा और 1 लाख 1 हजार रुपए का अर्थदंड सुनाया है। खराड़ी महिला को बेहोश कर उसकी मांग भरकर फोटो खींचता था और उसे अपनी पत्नी बताता था। महिला पटवारी ने साल 2024 में दर्ज शिकायत में बताया था कि खराड़ी ने वर्ष 2016 से 2024 तक अपने बंगले पर और बाद में 22 दिसंबर 2023 को रात करीब 10 बजे गायत्री कॉलोनी जुलवानिया स्थित उसके घर पर कई बार दबाव बनाकर शारीरिक संबंध बनाए। खराड़ी ने एसडीएम के पद पर रहते हुए प्राधिकारी का दुरुपयोग किया। 22 दिसंबर 2023 की रात को फरियादी के घर पर उसके साथ मारपीट की, गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी थी। न्यायालय ने इन सभी आरोपों में खराड़ी को दोषी पाया। अभियोजक शिवपाल सिंह सिसोदिया ने बताया कि महिला कर्मचारी ने 29 अप्रैल को शिकायत की थी। इसमें यह भी बताया कि खराड़ी उसे ब्लैकमेल कर उसका कई बार यौन शोषण करता था।

## विलुप्त हो गए थे बांधवगढ़ से गौर, अब बढ़कर हुए 160

### जंगल की बायोलॉजी को सुधारते हैं बायसन इनके बढ़ने के साथ बढ़ेगी बाघों की भी संख्या

**जागरण संवाददाता, भोपाल।** 1990 के दशक में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में भारतीय गौर (इंडियन बायसन) पूरी तरह से विलुप्त हो गए थे। लेकिन मध्य प्रदेश वन विभाग के प्रयासों से बांधवगढ़ में गौर की संख्या बढ़कर 160 के पार हो गई है। इसके लिए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से समय-समय पर गौर की शिफ्टिंग करवाई गई। हाल ही में 25 जनवरी से 31 जनवरी के बीच 27 गौर को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से लाकर बांधवगढ़ में छोड़ा गया है। बायसन की शिफ्टिंग के साथ इनके अनुवांशिक सुधार का काम भी किया जा रहा है। इसके लिए मध्य प्रदेश वन विभाग ने वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। दरअसल ताकि आने वाले समय में स्वस्थ नस्ल के बायसन पैदा हों। जिससे जंगल के अंदर फूड चेन (भोजन श्रृंखला) मजबूत हो, जिससे बड़े वन्य प्राणियों को भोजन के लिए जंगल से बाहर न निकलना पड़े। बता दें कि वन विभाग ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीच दो चरणों में बायसन की शिफ्टिंग की है। पहले चरण में 23 और दूसरे में 27 गौर को शिफ्ट किया गया है। बता दें कि बायसन बड़ी घास को खाकर छोटी घास को हिरण व अन्य वन्य प्राणियों के लिए छोड़ देते हैं।

### इस तरह बड़ी बांधवगढ़ में बायसन की संख्या

गौर के विलुप्त होने के बाद 2011-2012 में दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों की मदद से 50 गौरों को ट्रांसलोकेट किया था। इसके बाद बांधवगढ़ में इनकी संख्या बढ़ने लगी और अब 2025 में 50 बायसन को पुनः ट्रांसलोकेट कर दिया है। वर्तमान में यहां बायसन की संख्या 160 पहुंच गई है। बांधवगढ़ के अलावा 2023-24 में संजय टाइगर रिजर्व में भी 50 गौरों को ट्रांसलोकेट किया गया था। यदि प्रदेश में इसी तरह गौर की संख्या बढ़ती रही तो आने वाले समय में प्रदेश टाइगर और लेपर्ड के साथ बायसन स्टेट के रूप में भी पहचाना जाएगा।

"बांधवगढ़ में बायसन के ट्रांसलोकेशन का काम सफलता के साथ पूरा कर लिया गया है। अब इनकी संख्या 160 तक पहुंच गई है। ट्रांसलोकेशन से इनके अनुवांशिक सुधार का काम किया जा सकेगा।

**सुभरंजन सेन**
पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

**बदलाव** सोलो ट्रैवलर ट्रैवल कंपनियों के लिए बन रहे हैं सबसे प्रॉमिसिंग सेगमेंट में से एक

# नया ट्रेंड- तेजी से बढ़ रहा है सोलो ट्रैवल का ट्रेंड

**जेएनएन, नई दिल्ली।** 26 साल की अन्नपूर्णा मैडी ने तीन साल तक सॉफ्टवेयर डेवलपर के तौर पर काम किया। इसके बाद परंपरागत तरीके से करियर को आगे बढ़ाने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स जाने के बजाए उन्होंने एक साल का ब्रेक लिया और कोलंबिया की यात्रा की। जब वह वापस काम पर लौटने की तैयारी कर रही थीं, तो उन्हें ट्रैवल फिनटेक कंपनी स्कैपिया के फ्लैगशिप लीप आउट ईयर इनिशिएटिव प्रोग्राम के बारे में पता चला। इस ट्रैवल कंपनी ने दो युवा ट्रैवलर्स के लिए चार कॉन्टिनेंट्स में 12 महीने की यात्रा का प्रोग्राम शुरू किया था। कंपनी ही इस यात्रा का पूरा खर्च उठाने वाली थी। स्कैपिया ने कहा कि इस इनिशिएटिव का मकसद नई पीढ़ी के लिए पारंपरिक गैप ईयर को फिर से प्रचारित करना था। मैडी ने इस प्रोग्राम के लिए सिलीगुड़ी की 27 साल की तनुका अग्रवाल के साथ क्वालिफाई किया। तनुका अग्रवाल ने बताया, जिंदगी के एक संघर्ष पूर्ण दौर में, राहत भरी सांसे लेने और सुकून पाने के लिए मैंने अपनी पहली सोलो ट्रिप की। उस यात्रा ने सब कुछ बदल दिया। इस ट्रैवल ने मुझे तकलीफ देने वाली बातों को भूलने की हिम्मत दी।

सोलो ट्रैवलिंग में महिलाएं आगे

आज के दौर में मैडी और अग्रवाल जैसे सोलो ट्रैवलर तेज़ी से इंडियन ट्रैवल कंपनियों के लिए सबसे प्रॉमिसिंग सेगमेंट में से एक बन रहे हैं, और कंपनियां इस सेगमेंट को और ज्यादा जोड़ने के नए तरीके ढूंढ रही हैं। वीज़ा स्टार्टअप एटलाइस में सोलो ट्रैवलर्स के वीज़ा एप्लीकेशन 2024 के मुकाबले लगभग तीन गुना हो गए।

### लंबी दूरी की यात्राएं भी

स्पेन के लिए वीज़ा एप्लीकेशन प्रोसेस करने वाले बीएलएस इंटरनेशनल कंपनी के जॉइंट एमडी शिखर अग्रवाल ने कहा- कोविड-19 महामारी के बाद भारत से स्पेन जाने वाले सोलो एप्लिकेंट में 25-30फीसद की बढ़ोतरी हुई है। कंपनियों ने कहा कि सोलो ट्रैवलर्स के बीच वियतनाम और श्रीलंका जैसे रीजनल पसंदीदा जगहों के साथ-साथ साउथ अफ्रीका जैसी लंबी दूरी की डेस्टिनेशन भी बढ़ रही हैं, जिससे पता चलता है कि सोलो ट्रैवल का ट्रेंड अब सिर्फ़ छोटी छुट्टियों से कहीं आगे निकल गया है। मेक माय ट्रिप में छुट्टियों और एक्सपीरियंस के चीफ कमर्शियल ऑफिसर जसमीत सिंह ने कहा कि इस सेगमेंट में ज़्यादातर युवा ट्रैवलर हैं, जिनमें से लगभग 60फीसद 20-39 एज ग्रुप के हैं। जो बात सबसे अलग है, वह है उनका प्रीमियम ओरिएंटेड बिहेवियर। सोलो ट्रैवलर दूसरे ग्रुप के मुकाबले लगभग 28 फीसद ज़्यादा खर्च करते हैं और कम एक्टिविटी चुनने के बावजूद, हर एक्सपीरियंस पर काफी ज़्यादा खर्च करते हैं, जो चीट और बंडल्ड ऑफर को पसंद करने का संकेत है। स्टेपिया के सीईओ अनिल गोटेती ने कहा कि पिछले साल स्टेपिया पर टिकट बुक करने वाले लगभग 40फीसद पैसेंजर ने अकेले यात्रा की। उन्होंने कहा, इसमें, अकेले यात्रा करने वालों में जेन जी का हिस्सा साल-दर-साल 10फीसद से ज़्यादा बढ़ा, जो अकेले यात्रा करने की बढ़ते ट्रेंड का प्रमाण है। कंपनियों का मानना है कि कोविड 19 महामारी के बाद योलो यानी 'यू ओनली लिव वंस' जैसी सोच बढ़ने से अकेले यात्रा करने में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।

### मकान के सेप्टिक टैंक में गिरे दो भाइयों की मौत

**जागरण, टीकमगढ़।** टीकमगढ़ की शिवनगर कॉलोनी में किराये से रहने वाले सचिन यादव के बेटे नरेंद्र और आशीष शाम को मां से खेलने का बोलकर घर से निकले। दोनों भाई कॉलोनी में मुकुंद यादव के निर्माणाधीन मकान में चले गए, जहां दोनों की खुले सेप्टिक टैंक में गिरने से मौत हो गई। कॉलोनी के लोगों ने मिलकर सभी सीसीटीवी खंगालने शुरू किए तो एक सीसीटीवी फुटेज में बच्चे निर्माणाधीन मकान के अंदर जाते दिखे।


आवश्यकता है

प्यून - 03 पद

न्यूनतम योग्यता 12वीं पास।
किसी आफिस में कार्य करने का 3 वर्ष का अनुभव हो
वेतन योग्यतानुसार ।

सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आवेदन के साथ स्वयं संपर्क करें।
कार्मिक अधिकारी -
दैनिक जागरण
जागरण भवन- 33, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल
फोन : 0755-6723200



मुद्रक एवं प्रकाशक राजीव मोहन गुप्त द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त, संपादक : राजीव मोहन गुप्त, स्थानीय संपादक : हरिमोहन गुप्त फोन : कार्या. : 0755-6723200 E-mail : modemdj@gmail.com।